



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 46]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 12, 1988/ कार्तिक 21, 1910

No. 46]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 12, 1988/KARTIKA 21, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम,
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other
than the Administrations of Union Territories)

प्रधान मंत्री कार्यालय

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 1988

भा.का.नि. 871:— राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा पदन शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पर्याप्त पंजी मविवाचन (वर्ग
3 पद) भर्ती नियम, 1971 को, उन बातों के सिवाय अधिकांश करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकांश से पहले किया गया है, या करने का लोप किया गया है,
प्रधान मंत्री कार्यालय में स्टाफ कार चालक, सवार हरकारा और जेष्ठ गेस्टेडनर प्रचालक के पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित
नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1):—इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रधान मंत्री कार्यालय (समूह "ग") भर्ती नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों में उल्लेख अनुसूची
के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनके संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त
अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता:— वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाद ऐसे व्यक्ति और विवाद के अर्थ पर सरकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अन्वेष्य है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति का ह्यम विषय के प्रकरण में छूट दे सकती है।

5. शिक्षित वर्ग की शक्ति—जहाँ केन्द्रित सरकारों को यह पार है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के अस्तित्वों की जाबत, प्राप्ति द्वारा शिक्षित कर सकती।

6. व्यावृत्ति :—इन विषयों की कोई बात, ऐसे प्रारम्भों में प्राप्तिमान में छूट और प्रस्तावित विधायी प्रणाली में नहीं जानेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर विचारित गये प्रारम्भों के अनुसार अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित जातियों और अन्य विशेष प्रयोग के व्यक्तियों के लिए उपलब्ध करना अपेक्षित है।

अनसूची ।

प्रधान मंत्री कार्यालय में सन्तत "ग" पद (स्टाफ कार जालत, सशर हरतारा और उड्ड वेस्टेडर प्रवानत) अर्धी निरम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अ. 10 पर द्वारा प्रषयन पद	मेदा में जोड़े गए वर्षों का कार्यवाह केन्द्रीय सिविल सेवा (नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं)	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6	7
1. स्टाफ कार चालक	12* (1988) *कार्यभार के आधार पर परिचालन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित अन्तःसचिवालय	950-20-1150- ब.सो.-25-1500- रुपये।	लागू नहीं होता	नहीं	18 से 25 वर्ष के बीच (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों या अनुदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए शिक्षित करके 35 वर्ष की जा सकती है आयु-सीमा प्रावधारित करने के लिए निर्णयक तारीख प्रत्येक मामले में बहु अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है)
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं			सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शिक्षित आयु और शैक्षिक अर्हताएं, प्रोबन व्यक्तियों की वना में लागू होंगी या नहीं			वर्गीकरण की शक्ति यदि कोई हो।
8			9			10
आवश्यक :			लागू नहीं होता			2 वर्ष
(1) मोटर कार चलाने की विधिमान्य अनुज्ञप्ति हो।						
(2) मोटर यंत्र क्रिया का ज्ञान (अव्यर्थी को यान की छोटी-छोटी खराबियों को दूर करने में समर्थ होना चाहिए)						
(3) उसे मोटर कार चलाने का कम-से-कम तीन वर्ष अनुभव हो।						
बांछनीय :—						
(1) आठवां स्तर उत्तीर्ण हो।						
(2) होमगार्ड/मित्रिय रक्षा स्वयंसेवक के रूप में 3 वर्ष सेवा की हो।						

टिप्पण. अनुभव मंत्राली अर्हताएं सक्षम प्राधिकारी के विवेका-
नुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों
के अर्थवर्धियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती
है जब जयन्त के किसी प्रक्रम पर सक्षम प्राधिकारी की
यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को
भरने के लिए अनेकित अनुभव रखने वाले उन समु-
दायों के अर्थवर्धियों पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की
संभावना नहीं है।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनिधित्व/स्थानांतरण
द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिष्ठानता

प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में ये श्रेणियाँ
जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व/स्थानांतरण किया जाएगा।

11

12

प्रतिनिधित्व पर स्थानांतरण/पुनर्नियोजन/स्थानांतरण, जिसके न हो सकने
पर सीधे भर्ती द्वारा।

प्रधान मंत्री कार्यालय के ऐसे नियमित सवार हुरकारा और समूह
"घ" कर्मचारियों में से प्रतिनिधित्व पर स्थानांतरण/स्थानांतरण
द्वारा, जिनके पास मोटरकार चलाने की विधिमान्य अनुज्ञप्ति
हो जो उन्हें मोटरकार चलाने की सक्षमता निर्धारण के लिए चालन
परीक्षा के आधार पर प्रदान की गई हो, जिनके न हो सकने पर
अन्य मंत्रालयों या विभागों के ऐसे कर्मचारियों में से जो नियमित
स्टाफ कार चालक और/या नियमित सवार हुरकारा या नियमित
समूह "घ" कर्मचारी का पद धारण कर रहे हैं तथा स्तम्भ 8
में वर्णित आवश्यक अर्हताएं पूरी करने हैं।

"भूतपूर्व सैनिकों के लिए" प्रतिनिधित्व पर स्थानांतरण/पुनर्नियोजन
समस्त बल के ऐसे कर्मिक जो एक वर्ष की अवधि के भीतर सेवा
निवृत्त होने वाले हैं या रिजर्व में स्थानांतरित किए जाने वाले
हैं और जिनके पास अनेकित विभिन्न अनुभव और अर्हताएं हैं, पर
भी विचार किया जाएगा ऐसे व्यक्तियों को उस तारीख तक प्रति-
निधित्व की अवधि प्रदान की जाएगी जिस तारीख को वह मर्यादा
बल में निर्मुक्त किए जाने वाले हैं। उसके परन्तु वे पुनर्नियोजन
पर बताने रखे जा सकते हैं।

(प्रतिनिधित्व की अवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या
किसी अन्य मंत्रालय/विभाग में इन निधित्व से ठीक पहले धारित
किसी अन्य काडर बाहुय पद पर प्रतिनिधित्व की अवधि है, साधा-
रणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संख्या

भर्ती करार में हित परिस्थितियों में संव लोक सेवा आयोग से
परामर्श किया जाएगा।

13

14

पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति :

नागू नहीं होता

उप सचिव या समतुल्य—अध्यक्ष

अनुभाग अधिकारी—सदस्य

अनुभाग अधिकारी—सदस्य

13

14

पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति
उप सचिव या समतुल्य—अध्यक्ष
अनुभाग अधिकारी—सदस्य
अनुभाग अधिकारी—सदस्य

लागू नहीं होता

1

2

3

4

5

6

7

3. ज्येष्ठ गेस्टेटर प्रचालक	1* (1988) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराज-पत्रित अनुसूचितीय	950-20-1150-र.-रो.-25-1400 रु.	अवयव पद	लागू नहीं होता।	लागू नहीं होता।
-----------------------------	---------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------	--------------------------------	---------	-----------------	-----------------

8

9

10

लागू नहीं होता।

नहीं।

नहीं

11

12

प्रोन्नति द्वारा

प्रोन्नति : ऐसा कनिष्ठ गेस्टेटर प्रचालक जिसने तीन वर्ष नियमित सेवा की है; जिसके न हो सकने पर ऐसा कनिष्ठ गेस्टेटर प्रचालक, जिसने कनिष्ठ गेस्टेटर प्रचालक और दफ्तरी/जा के रूप में 5 वर्ष नियमित सम्मिलित सेवा की हो; और जिसके न हो सकने पर ऐसा दफ्तरी/जमादार जिसने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की हो, साथ ही गेस्टेटर मशीन के प्रचालन और अनुरक्षण में प्रवीण हो।

13

14

समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति
प्रोन्नति और पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए।
उप सचिव या समतुल्य—अध्यक्ष
अनुभाग अधिकारी—सदस्य
अनुभाग अधिकारी—सदस्य

लागू नहीं होता।

[सं. ए. 12011/10/88-पी.एम.ए.]

बी. के. साधू, विशेष कार्य अधिकारी

PRIME MINISTER'S OFFICE

New Delhi, the 19th October, 1988

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Prime Minister's Office (Group 'C' posts) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of the posts, classification and scale of pay.—The number of the posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

G.S.R. 871.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution and in supersession of the Prime Minister's Secretariat (Class-III posts) Recruitment Rules, 1971, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Staff car Driver, Despatch Rider and Senior Geste-tner Operator in the Prime Minister's Office, namely —

3 Method of Recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule

4 Disqualifications—No person, —

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable

to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule

5 Power to relax—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons

6 Saving—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons, in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard

Recruitment Rules for Group 'C' Posts (Staff Car Driver, Despatch Rider and Senior Gestetner Operator) in PM's Office

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Whether benefit of addeo years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension Rules), 1972
1	2	3	4	5	6
1 Staff Car Driver	12 *(1988) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'C', Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs 950-20-1150-EB-25-1500	Not applicable	No
Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees		Period of probation if any
7	8		9		10
Between 18 and 27 years (Relaxable for Government servants up to the age of 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government) Note: The crucial date for determining age limit will be the last date by which Employment Exchange is asked to submit the vacancies	Essential (i) Possession of a valid driving licence for motor cars (ii) Knowledge of motor mechanism (The candidate should be able to remove minor defect in vehicles) (iii) Experience of driving a motor car for at least 3 years Desirable (i) A pass in the 8th Standard (ii) 3 years service as Home Guards Civil Defence Volunteers Note: The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the competent authority for reasons to be recorded in writing in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes if at any stage of selection, the competent authority is of the opinion that the sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them		Not applicable		2 years

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/transfer/deputation to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
11	12	13	14
By transfer on deputation/re-employment/transfer, failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation/transfer from amongst the regular Despatch Rider and Group 'D' employees in Prime Minister's Office who possess valid Driving Licence for Motor Cars, on the basis of a Driving Test to assess the competence to drive Motor Cars, failing which from officials holding the post of regular Staff Car Driver and/or regular Despatch Riders or regular Group 'D' employees in other Ministries or Departments, who fulfill the necessary qualification as mentioned in Column 8. "For Ex-Servicemen" Transfer on deputation/re-employment The Armed Forces Personnel due to retire or who are to be transferred to reserve within a period of one year and having the requisite experience and qualifications prescribed shall also be considered. Such persons would be given deputation terms upto the date on which they are due for release from the Armed Forces thereafter they may be continued on re-employment. (The period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/Department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years.	Group 'C' Departmental Promotion Committee for considering confirmation Deputy Secretary or equivalent—Chairman Section Officer— Member. Section Officer— Member.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6
2. Despatch Rider	4*1988 *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'C', Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 950-20-1150- EB-25-1400.	Not applicable.	No.

7	8	9	10
Between 18 to 25 years. (relaxable for Government servants upto the age of 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the last date by which Employment Exchange is asked to submit the names.	Essential: (i) Possession of a valid driving licence/ for Motor-Cycle/Autorickshaw. (ii) Two years' experience in driving Motor-Cycle/Autorickshaw. (iii) Knowledge of Motor-cycle/Autorickshaw mechanism (The incumbent should be able to remove minor defects in the vehicle). Desirable: (i) A pass in the 8th Standard. (ii) Experience as Home Guards/Civil Defence Volunteers. Note: The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the competent authority for reasons to be recorded in writing in the case of candidates belonging to Sche-	Not applicable.	2 years.

duled Castes and the Scheduled Tribes if at any stage of selection, the competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancy reserved for them

11	12	13	14
By transfer on deputation/re-employment/transfer, failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation/transfer from amongst regular Group 'D' employees in the Prime Minister's Office, failing which from regular Despatch Riders/Group 'D' employees from other Ministries of the Central Government who possess the qualification and experience prescribed for direct recruits in Column 8. For Ex-Servicemen Transfer on deputation/re-employment The Armed Forces Personnel due to retire or who are to be transferred to reserve within a period of one year and having the requisite experience and educational qualification prescribed for direct recruits shall also be considered. Such persons would be given deputation terms upto the date on which they are due for release from the Armed Forces; thereafter they may be continued or re-employment. (The period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other Organisation/Department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years).	Group 'C' Departmental Promotion Committee for considering confirmation Deputy Secretary or equivalent—Chairman. Section Officer—Member. Section Officer—Member.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6
3. Senior Gestetner Operator	*1 (1988) *subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'C', Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 950-20-1150- EB-25-1400	Non-Selection post	Not applicable.

7	8	9	10
Not applicable.	Not applicable.	No.	No.

11	12	13	14
By promotion.	Promotion: Junior Gestetner Operator with 3 years regular service; failing which Junior Gestetner Operator with a combined 5 years' regular service as Junior Gestetner Operator and Daftry/Jamadar; and failing that Daftry/Jamdar with 5 years' regular service in that grade, with proficiency in operating and maintaining of Gestetner machine.	Group 'C' Departmental Promotion Committee for considering promotion and confirmation. Deputy Secretary or equivalent—Chairman Section Officer—Member. Section Officer—Member.	Not applicable.

सिक्किम लोक शिक्षा तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1988

सा.का.नि. 872:—भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग) नियमावली, 1954 के नियम 4 के उप-नियम (2) के साथ पठित, अखिल भारतीय सेवाएं अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, सिक्किम सरकार के परामर्श से, भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग पद संख्या का निर्धारण) विनियमावली, 1955 में आगे संशोधन के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग पद संख्या का निर्धारण) संशोधन विनियमावली, 1988 है।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रभूत होंगे।

2. भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग पद संख्या का निर्धारण) विनियमावली, 1955 अनुसूची में "सिक्किम" शीर्षक के लिए तथा उनके अधीन आने वाली प्रविष्टियों के ह्यान पर, निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

सिक्किम

1. राज्य सरकार के अधीन बरिष्ठ पद:	27
सरकार के मुख्य सचिव	1
सरकार के सचिव एवं विकास मायुक्त, योजना	1
सरकार के मायुक्त एवं सचिव	5
राज्यपाल के सचिव	1
मुख्य मंत्री के सचिव	1
सरकार के सचिव/मायुक्त/उप सचिव	14
जिना मजिस्ट्रेट तथा समाह्वर्ता	4
	27
2. ऊपर के 40% को दर से केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व	11
3. ऊपर के एक तथा दो को निम्नकर 33 1/2% को दर से तरोतांग तथा लयन द्वारा भरे जाने वाले पद	18*
4. सीधी भर्ती के पद (ऊपर 3 में से 1 जमा 2 घटाएं)	26
5. ऊपर के 1 के 25% की दर से प्रतिनियुक्ति रिजर्व	7
6. ऊपर के मद 1 के 30% की दर से छुट्टी रिजर्व, कनिष्ठ पद तथा ट्रेनिंग रिजर्व	8
	41
सीधी भर्ती के पद	18
परोक्ष भर्ती पद	59
कुल प्राधिकृत पद सं.	59

*हमें 6 तदर्थ पद शामिल हैं। अब कभी कोई परोक्ष अधिकारी सेवानिवृत्ति आदि के कारण पद खाली करता है, एक तदर्थ पद का क्षय हो जाएगा।

(1) इस अधिसूचना को जारी करने से पहले सिक्किम संघर्ष की कुल प्राधिकृत संख्या 64 थी।

2729 GI/88—2

(2) मुख्य विनियमों को बिनाक 16-6-76 की सा.का.नि. संख्या 404-ई, तथा बिनाक 8-5-82 की 419 तथा 15-2-86 की संख्या 123 द्वारा संशोधित किया गया है।

[सं. 11031/6/88-प्र.भा.से.(II)-क]

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 25th October, 1988

G.S.R. 872.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Govt. of Sikkim hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulation, 1955, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) (Ninth Amendment) Regulations, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, for the heading "Sikkim" and the entries occurring thereunder, the following shall be substituted, namely:—

SIKKIM

1. Senior posts under the State Govt.	27
Chief Secretary to Government	1
Development Commissioner-cum-Secy. to Government, Planning	1
Commissioner-cum-Secretary to Government	5
Secretary to Governor	1
Secretary to Chief Minister	1
Secretary to Government/Joint/Deputy Secretaries.	14
District Magistrates & Collectors	4
	27
2. Central Deputation Reserve @ 40 per cent of 1 above	11
3. Posts to be filled by promotion & selection @ 3.3-1/2 of 1 plus 2 above	18*
4. Direct Recruitment post (1 plus 2 minus 3 above)	26
5. Deputation Reserve @ 25 per cent of item 1 above	7
6. Leave Reserve, Junior posts and Trg. reserve @ 30 per cent of item 1 above	8
Direct Recruitment Posts	41
Promotion Posts	18
Total Authorised Strength	59

*Includes 6 ad-hoc posts, one ad-hoc post will be wasted out as and when a promoted officer vacates the post on account of retirement, etc.

N.B.(1) : The total authorised strength of Sikkim cadres was 64 prior to issue to this Notification.

N.B. (2) : The principal regulations have been amended vide G.S.R. No. 404-E, dated 16-6-76 and 419 dated 8-5-1982, No. 123, dated 15-2-1986.

[No. 11031/6/88-AIS(IIA)]

भई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1988

सा.का.नि. 873.—भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) नियमावली 1954 के नियम 4 के उप-नियम (2) के माधु पठित, प्रखिल भारतीय सेवाएं अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हिमाचल प्रदेश सरकार के परामर्श से, भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग) (पद संख्या का नियतन) विनियमावली 1955 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इस विनियमावली का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) (पद संख्या का नियतन) दसवां संशोधन विनियमावली 1988 है।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) पद संख्या का नियतन) विनियमावली, 1955 की अनुसूची में "हिमाचल प्रदेश" शीर्षक और उसके नीचे आने वाली प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"हिमाचल प्रदेश"

राज्य सरकारों के अधीन वरिष्ठ पद	70
सरकार के मुख्य सचिव	1
वित्त आयुक्त	1
वित्त आयुक्त (अपील)	1
वित्त आयुक्त (विकास एवं कृषि उत्पादन आयुक्त)	1
प्रभागीय आयुक्त	3
आयुक्त तथा सरकार के सचिव	6
अनुसूचित जातियों/जन जातियों के आयुक्त तथा सरकार के सचिव	1
सरकार के सचिव, विशेष सचिव	2
राज्यपाल के सचिव	1
सचिव, लोक सेवा आयोग	1
सरकार के अपर/संयुक्त/उप सचिव	11
निदेशक, हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान	1
उत्पाद तथा कराधान आयुक्त	1
सहकारी समितियों के पंजीकार	1
नागरिक पूर्ति के निदेशक	1
निदेशक, पंचायती राज एवं ग्रामीण एकीकरण विकास निदेशक	1
उद्योगों के निदेशक	1
श्रम आयुक्त तथा निदेशक, रोजगार तथा प्रशिक्षण	1
परिवहन तथा पर्यटन आयुक्त तथा सरकार के	
संयुक्त/उप सचिव	
सतर्कता निदेशक	1
निदेशक समाज तथा महिला कल्याण	1
अन्वेषक अधिकारी	2
उपायुक्त	12
विभागीय जांच आयुक्त	1

अतिरिक्त उपायुक्त	5
अपर पंजीयक सहकारी समितियों	1
उद्योगों के अपर निदेशक	1
भूमि रिकार्ड निदेशक	1
निदेशक लोक वित्त तथा सार्वजनिक उद्यम	1
युवा सेवा तथा खेल निदेशक	1
उप-विभागीय अधिकारी (सिविल)	6
	70
2. केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व उपर्युक्त के 40 प्रतिशत की दर से	28
3. भारतीय प्रशासनिक सेवा (भर्ती)	32
नियमावली के नियम 8 के अधीन पदोन्नति तथा चयन द्वारा भरे जाने वाले पद उपर्युक्त 1 और 2 के 33 1/3 प्रतिशत की दर से	
4. सीधी भर्ती द्वारा भरे जाने वाले पद उपर्युक्त 1 और 2 में से 3	
घटाकर	66
5. प्रतिनियुक्ति रिजर्व उपर्युक्त 1 के 25 प्रतिशत की दर से	21*
6. छुट्टी रजिस्ट्रार कनिष्ठ पद, और प्रशिक्षण रिजर्व उपर्युक्त 1 के 30 प्रतिशत की दर से	21
सीधी भर्ती वाले पद	108
पदोन्नति वाले पद	32
	140

—*इनमें ऐसे 3 पद शामिल हैं जिन्हें तदर्थ रूप से बढ़ाने की अनुमति दी गई है।

[सं. 11031/7/87-प्र.भा.से. (II)]

के.जी.एल. सक्सेना, डेप्टी सचिव

टिप्पणी (1)—

मूल विनियम दिनांक 22-10-55 के एम.आर.ओ. संख्या 3350 द्वारा राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे। हिमाचल प्रदेश संवर्ग से संबंधित विनियमों को बाद के निम्नलिखित सा.का.नि. संख्याओं द्वारा संशोधित किया गया है :—

457 ई तारीख	22-8-1975
788 ई तारीख	7-9-78
940 ई तारीख	23-7-1977
289 ई तारीख	5-6-80
951 तारीख	20-9-80
528 तारीख	6-6-81
944 तारीख	24-10-81
27 तारीख	9-1-82
917 ई तारीख	24-12-83 तथा
638 तारीख	6-7-85
51 तारीख	23-1-88
190 तारीख	26-3-88

टिप्पणी: (2) इस अधिसूचना के जारी होने से पहले, हिमाचल प्रदेश की कुल प्राधिकृत पद संख्या 136 थी।

New Delhi, the 27th October, 1988

G.S.R. 873.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Himachal Pradesh hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, namely :—

1. (1) These regulations may be called by the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Tenth Amendment Regulations, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, for the heading "Himachal Pradesh" and the entries occurring thereunder, the following shall be substituted, namely :—

"Himachal Pradesh"

1. Senior posts under the State Government	70
Chief Secretary to the Government	1
Financial Commissioner.	1
Financial Commissioner (Appeals)	1
Financial Commissioner (Development-cum-Agricultural Production Commissioner)	1
Divisional Commissioners	3
Commissioner and Secretary to Govt.	6
Commissioner for Scheduled Castes.	1
Scheduled Tribes and Secretary to Govt.	1
Secretary/Special Secretary to the Govt.	2
Secretary to Governor	1
Secretary, Public Service Commission	1
Additional/Joint/Deputy Secretary to Govt.	11
Director, Himachal Pradesh Institute of Public Administration	1
Excise and Taxation Commissioner	1
Registrar of Cooperative Societies	1
Director of Civil Supplies	1
Director of Panchayati Raj-cum-Director of Rural Integrated Development	1
Director of Industries	1
Labour Commissioner and Director of Employment and Training	1
Commissioner of Transport and Tourism-cum-Joint/Deputy Secretary to Govt.	1
Director of Vigilance	1

Director of Social & Women's Welfare	1
Settlement Officers	2
Deputy Commissioners	12
Commissioner for Departmental Enquiries	1
Additional Deputy Commissioners	5
Additional Registrar of Cooperative Societies	1
Additional Director of Industries	1
Director of Land Records	1
Director, Public Finance and Public Enterprises	1
Director, Youth Services and Sports	1
Sub-Divisional Officer (Civil)	6

70

2. Central Deputation Reserve at 40 per cent above 28

3. Posts to be filled by promotion and selection under rule 8 of the Indian Administrative Service (Recruitment) Rules, 1954 @ 33.1/3 per cent of 1 and 2 above 32

4. Post to be filled by direct recruitment (1 plus 2 minus 3 above) 66

5. Deputation Reserve @ 25 per cent of item 1 above 21*

6. Leave Reserve, Junior posts and Training Reserve @ 30 per cent of item 1 above 21

Direct Recruitment Posts 108

Promotion Posts 32

Total Authorised Strength 140

*Includes 3 posts as ad-hoc increase.

[No. 11031/7/87-AIS(II)]

K. B. L. SAXENA, Desk Officer

Note 1 : The Principal Regulations were published in the Gazette vide PRO No. 3350 dated 22-10-1955. The regulations in respect of Himachal Pradesh Cadre have been amended vide GSR Nos. 457E dated 22-8-75, 788E dated 7-9-1976, 940 dated 23-7-1977, 285F dt. 5-6-1980, 951 dated 20-9-1980, 528 dated 6-6-1981, 944 dated 24-10-1981, 22 dated 9-1-1982, 917E dated 24-12-1983, 638 dated 6-7-1985, 51 dated 23-1-1988 and 190 dated 26-3-1988.

Note 2 : Prior to issue of this notification, the total authorised strength of Himachal Pradesh was 136.

बिस्त मंत्रालय

(व्यव विभाग)...

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1988

सां.का.नि. ६74 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खण्ड 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक के परामर्श करने के पश्चात् भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक के मुख्यालय कार्यालय में समूह 'घ' पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग (मुख्यालय कार्यालय समूह 'घ' पद) भर्ती नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 14 से विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य शर्तें :—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा शर्तें और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरहंता : वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसा व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुमोदित है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा।

6. शिथिल करने की शक्ति :—जहां भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।

7. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार जो भारतीय लेखा परीक्षक और लेखा विभाग में नियुक्त व्यक्तियों को लागू है।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, मृतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना श्रेयस्कर है।

8. अपराधी के रूप में नियुक्त व्यक्तियों के लिए होमगार्ड का प्रशिक्षण लेने का दायित्व :—इन नियमों में किसी बात के होने हुए भी, प्रत्येक व्यक्ति जो इन नियमों के अधीन अपराधी के रूप में नियुक्त किया गया है शारीरिक रूप में अनुविधायक व्यक्ति को छोड़कर 3 वर्ष की अवधि के लिए होमगार्ड के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।

परन्तु होमगार्ड का महाकमांडेंट प्रशिक्षण की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति के कार्यपालन और उसके द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण के स्तर को देखते हुए, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके ऐसी अवधि को घटाकर दो वर्ष कर सकता है।

अनुसूची

पद का नाम	वर्षों की संख्या	वर्गीकरण	बैतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का सीधे भर्ती किए जाने वाले फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा व्यक्तियों के लिए आयु सीमा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनु-श्रेय है या नहीं।
1	2	3	4	5	6
1. अपराधी	65* (1988) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तित किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'घ' अन्तर्गत पत्रित।	750-12-870-य. रो. - 14-940 रुपए।	लागू नहीं होता	नहीं
					18 वर्ष से 25 वर्ष के बीच-टिप्पण — आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने को कहा गया है।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि यदि कोई हो।

शर्तें।

विहित आयु और शैक्षिक शर्तें प्रोत्त व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं

8

9

10

आवश्यक :

किसी मायताप्राप्त विश्वविद्यालय या बोर्ड से आठवां स्तर उत्तीर्ण।

लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए लिए 2 वर्ष

वांछनीय :

(क) होमगार्ड या नागरिक रक्षा बाल्टियर के रूप में 3 वर्ष सेवा, और

(ख) होम गार्ड या नागरिक रक्षा में 'आधारिक' और 'पुनर-चर्चा' पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण।

धर्मों की पद्धति/धर्मों सीधे होगी या प्रोपगेंडा द्वारा या प्रतिनिधुक्ति/स्वामान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिष्ठता

प्रोत्पत्ति/प्रतिनिधित्व/स्थानान्तरण द्वारा शर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ
जिनमें प्रोत्पत्ति/प्रतिनिधित्व/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

यानान्तरण जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

स्थानान्तरण .

टिप्पण :—चपरासी के पत्र पर नियुक्ति के पश्चात् होमगार्ड के रूप में प्रशिक्षण बाध्यकर होगा। किन्तु, भारीरिक्त रूप से असुविधाग्रस्त व्यक्ति ऐसा प्रशिक्षण प्राप्त करना आवश्यक नहीं है।

(क) 25 प्रतिष्ठित रिक्त पद भारत के नियंत्रक-महानिदेशा परीक्षक के कार्यालय में सफाईवाला, फराश, सौकीदार और समस्त पंक्ति के अन्य समूह 'घ' कर्मचारियों से स्थानांतरण द्वारा नियुक्ति के लिए प्रारक्षित किए जाएंगे जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष या किन्हीं श्रेणियों में 5 वर्ष सम्मिलित नियमित सेवा की है और जो प्रारम्भिक रूप से साक्षर है तथा अंग्रेजी या हिन्दी पढ़ने की योग्यता का समूह देवे है।

टिप्पण.—यदि स्थानांतरण के लिए पात्र व्यक्ति अपवृद्ध नहीं होते हैं, तो रिक्त पदों को सीधी भर्ती द्वारा भरा जाएगा और यदि आवश्यक समझा जाए, तो विभागाध्यक्ष द्वारा भावी समा-
 ओजन किया जाएगा।

(ख) 75 प्रतिशत रिक्त पद भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक के कार्यालय में महासूचना, फरण, चौकीदार और यंत्रसल्य केननमान में ऐसे श्रम्य समूह 'श' कर्मचालियों के स्थानान्तरण द्वारा जिनके पास सीधी शर्तों के लिए बिलि श्रद्धाए हैं, जिसके न हो सकने पर सीधी शर्तों द्वारा ।

यदि विभागीय प्रोत्थति समिति है तो उसकी संरचना

अती काने मे कान परिस्रनियो मे संघ लोक सेवा आयोग मे परामर्श
दिया जाएगा।

13

14

गमूह 'घ' विभागीय प्रोन्नति समिति

लागू नहीं होता ।

(पृष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) जिसमें निम्नलिखित होंगे.—

1. प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन का भारसाधक) ।
2. कोई अन्य प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन के भारसाधक से भिन्न) ।
3. स्थानीय क्षेत्र कार्यालयों से लेखा अधिकारी/लेखा परीक्षा अधिकारी ।

टिप्पण :—उक्त तीनों अधिकारियों में से, जिनका उल्लेख ऊपर किया गया है, ज्येष्ठतम अधिकारी अध्यक्ष होगा।

1

‘

3

4

5

9

—

2. मफाईधाला

11*

साधारण केन्द्रीय सेवा 750-12-870-५०रो
समूह 'घ' अग्राज- 14-940 रुपए।
पश्चित।

सागू नहीं
होता।

३२१

18 वर्ष में 25 वर्ष के बान
टिप्पण :--आयु सीमा 1 अवधारित
करने के लिए निर्णायक
तारीख वह अंतिम तारीख होगी
जिस तक रोजगार कार्यालय
में नाम भर्जने के लिए
कहा गया है।

५

10

षास्त्रभूयः

किसी मयतप्राप्त विद्यालय से पाँचवाँ स्तर पूर्ण हो।

लागू नहीं होता । । ५

2 वर्ष

11	12
सीधी भर्ती	लागू नहीं होता

13	14
समूह 'घ' विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) जिसमें निम्नलिखित होंगे :— (i) प्रशासनिक अधिकारी प्रशासन का भारसाधक (ii) कोई अन्य प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन के भारसाधक से भिन्न) (iii) स्थानीय क्षेत्र कार्यालय से लेखा अधिकारी/लेखापरीक्षा अधिकारी टिप्पण :—ऊपर उल्लिखित तीन अधिकारियों से ज्येष्ठतम अधिकारी अध्यक्ष होगा।	लागू नहीं होता।

1	2	3	4	5	6	7
3. फराण	10* (1988) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराजपत्रित	750-12-870-र. रो.-14-940 रुपये	लागू नहीं होता	नहीं	18 वर्ष से 25 वर्ष के बीच टिप्पण :—आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भजने को कहा गया है।

8	9	10
वांछनीय : किमी मान्यता प्राप्त विद्यालय से पाँचवां स्तर उर्त्तर्ण।	लागू नहीं होता।	सीधी भर्ती के लिए दो वर्ष।

11	12
स्थानान्तरण, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक के कार्यालय में नियमित आधार पर नियुक्त सफाईवाला से स्थानान्तरण।

13	14
समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) जिसमें निम्नलिखित होंगे :— 1. प्रशासनिक अधिकारी प्रशासन का भारसाधक 2. कोई अन्य प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन के भारसाधक से भिन्न) 3. स्थानीय क्षेत्र कार्यालयों से लेखा अधिकारी/लेखापरीक्षा अधिकारी टिप्पण :—ऊपर उल्लिखित तीन अधिकारियों में से ज्येष्ठतम अधिकारी अध्यक्ष होगा।	लागू नहीं होता।

1	2	3	4	5	6	7
4. चौकीदार	10* (1988) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराजपत्रित	750-12-870-र. रो.-14-940 रुपये	लागू नहीं होता।	नहीं	18 वर्ष से 25 वर्ष के बीच टिप्पण :—आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भे लिए कहा गया है।

8	9	10				
घोष्ठनीय : (क) किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से पाँचवीं स्तर उत्तीर्ण और (ख) सशस्त्र सेनाओं में अनुभव या होमगार्ड या नागरिक रक्षा वालंटियर के रूप में आध्यात्मिक और पुनरुत्थान पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण के साथ तीन वर्ष की सेवा ।	लागू नहीं होता ।	2 वर्ष				
11	12					
सीधी भर्ती द्वारा ।	लागू नहीं होता ।					
13	14					
समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति (पृष्ठ के संबंध में विचार करने के लिए) जिसमें निम्नलिखित होंगे :-- 1. प्रशासनिक अधिकारी प्रशासनिक भारसाधक 2. कोई अन्य प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन के भारसाधक से भिन्न) 3. स्थानीय क्षेत्र कार्यालय से लेखा अधिकारी/लिखापरीक्षा अधिकारी टिप्पण :--ऊपर उल्लिखित तीनों अधिकारियों में से ज्येष्ठतम अधिकारी अध्यक्ष होगा ।	लागू नहीं होता ।					
1	2	3	4	5	6	7
5. वयसरी	19* (1988) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है ।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराजपत्रित	775-12-955-ख. रो. -14-1025 रुपए	अवयव	नहीं	18 वर्ष से 25 वर्ष के बीच टिप्पण :--आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निम्नलिखित तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है ।
8	9	10				
आवश्यक : किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय/बोर्ड से आठवां स्तर उत्तीर्ण । घोष्ठनीय : काइल लिखने और जिव्बंवी कार्य में अनुभव ।	नहीं	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए दो वर्ष ।				
11	12					
प्रोन्नति, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रोन्नति : अयोग्य को अस्वीकृत किए जाने के अधीन रहते हुए ज्येष्ठता के आधार पर ऐसे अपरासी जिन्होंने उस श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की हो ।					

13

14

समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति जिनमें निम्नलिखित होंगे :—

लागू नहीं होता।

(1) प्रशासनिक अधिकारी

प्रशासन का भारसाधक

(2) कोई अन्य प्रशासनिक अधिकारी प्रशासन के भारसाधक से भिन्न

(3) स्थानीय क्षेत्र कार्यालय में लेखा अधिकारी/लेखा परीक्षा अधिकारी

टिप्पण :—ऊपर उल्लिखित तीनों अधिकारियों में से ज्येष्ठतम

अधिकारी अध्यक्ष होगा।

1	2	3	4	5	6	7
8. जगादार	13* (1988) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराजपत्रित	775-12-055-र. रो.-14-1025 रुपए	अचयन	लागू नहीं होता।	लागू नहीं होता।

8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	कुछ नहीं

11	12
प्रोन्नति	प्रोन्नति : प्रयोग्य को अस्वीकृत किए जाने के अधीन रहते हुए ज्येष्ठता के आधार पर ऐसे अपराधी जिन्होंने उस श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की है।

13

14

समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति (पूटि के संबंध में विचार करने के लिए)

लागू नहीं होता।

जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

1. प्रशासनिक अधिकारी

प्रशासन का भारसाधक

2. कोई अन्य प्रशासनिक अधिकारी प्रशासन के भारसाधक से भिन्न

3. स्थानीय क्षेत्र कार्यालय में लेखा अधिकारी/लेखा परीक्षा अधिकारी

टिप्पण :—ऊपर उल्लिखित तीनों अधिकारियों में से ज्येष्ठतम अधिकारी अध्यक्ष होगा।

1	2	3	4	5	6	7
7. कनिष्ठ गेस्टेटर प्रापरेटर	2* (1988) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराजपत्रित	800-15-1010-र. रो.-20-1150 रुपए	अचयन	नहीं	18 वर्ष से 23 वर्ष के बीच : टिप्पण :—प्रायु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

8	9	10
<p>आवश्यक : किसी माय्यता प्राप्त विद्यालय/बोर्ड से आठवाँ स्तर उत्तीर्ण बांछनीय : अनुलिपि और विद्युत् स्टेंसिल कटार चलाने और उसके अनुरक्षण में प्रवीणता</p>	नहीं	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए दो वर्ष
11	12	
प्रोन्नति, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	<p>प्रोन्नति : अयोग्य को प्रस्वीकृत करने के प्रचीन रहते हुए ज्येष्ठता के आधार पर एस वफ्तरी/जमादार जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है और जिन्हें अनुलिपि और विद्युत् स्टेंसिल कटार चलाने और अनुरक्षण में प्रवीणता है।</p>	
13	14	
<p>समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) जिसमें निम्नलिखित होंगे :— 1. प्रशासनिक अधिकारी 2. कोई अन्य प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन के भारसाधक से भिन्न) 3. स्थानीय क्षेत्र कार्यालय से लेखा अधिकारी/लेखा परीक्षा अधिकारी। टिप्पण :—ऊपर उल्लिखित तीनों अधिकारियों में से ज्येष्ठतम अधिकारी अध्यक्ष होगा।</p>	लागू नहीं होता।	

[फा. सं. ए.-12018/15/88-ईजी-1]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Expenditure)

New Delhi, the 27th October, 1988

G.S.R. 874.—In exercise of the powers conferred by clause (5) of article 148 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General of India, hereby makes the following rules to regulate the method of recruitment to the posts of Group 'D' in the Headquarters Office of the Comptroller and Auditor General of India, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indian Audit and Accounts Department (Headquarters office Group 'D' posts) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column (1) of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of posts, classification and scales of pay.—The number of the said posts, its classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed to these rules.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be specified in Columns (5) to (14) of the said Schedule.

5. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said post:

Provided that the Comptroller and Auditor General of India, satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such a person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, may exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Comptroller and Auditor General of India is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, he may, by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation or age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard as applicable to persons in the Indian Audit and Accounts Department.

8. Liability of persons appointed as Peons to undergo Training as Home Guards.—Notwithstanding anything contained in these rules, every person appointed as a Peon under these rules except those who are physically handicapped to undergo such training, shall undergo training as a Home Guard for a period of three years;

Provided that the Commandant General, Home Guards, may, having regard to the performance of and standard of training achieved by any person during the period of training, reduce such period to two years for reasons to be recorded in writing.

SCHEDULE

Name of the Post	Number of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection Post	Whether benefit of added years of service under rule 30 of CCS (Pension) Rules, 1972 admissible.	Age limit for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
1. Peon	*65 (1988) *Subject to variation dependent on work load	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted.	Rs. 750-12-870-EB-14-940.	Not applicable	No	Between 18 and 25 years Note.—The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit names.
Educational and other qualifications for direct recruits.		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply for promotees.		Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation /percentages of vacancies to be filled by various methods.	
8		9		10	11	
Essential : Passed eighth standard from a recognised School or Board. Desirable : (a) 3 years Service as Home Guard or Civil Defence volunteer and (b) Training in Basic and Refresher course in Home Guard or Civil Defence.		Not Applicable		2 years for direct recruits.	Transfer failing which by direct recruitment. NOTE : After appointment to the post of peon, training in Home Guard will be obligatory, except in the case of those who are physically handicapped to undergo such training.	
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.		If a departmental promotion committee exists, what is its composition.		Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.		
12		13		14		
Transfer (a) 25 % of the vacancies shall be reserved for appointment by transfer from the grade of Safaiwala, Farash, Chowkidar and other Group 'D' employees in the equivalent scale in the Office of the Comptroller and Auditor General of India who have rendered 5 years regular service in the grade or combined regular service of 5 years in any of the grades and possess atleast elementary literacy and give proof of ability to read English or Hindi.		Group 'D' Departmental Promotion Committee (for confirmation) consisting of :— 1. Administrative Officer (Incharge of Administration) 2. Any other Administrative Officer (Other than incharge of Administration) 3. Accounts/Audit Officer from local field office(s) NOTE : The senior most officer amongst the three officers referred to above will be the Chairman.		Not applicable.		

Note :—If eligible persons for transfer are not available the vacancies may be filled by direct recruitment and future adjustment may be made by the Head of the Department if considered necessary.

- (b) 75 % of the vacancies by transfer of Safaiwala, Farash, Chowkidar and other Group 'D' employees in the equivalent scale in this Office of the Comptroller & Auditor General of India who possess the qualifications prescribed for direct recruitment, failing which by direct recruitment.

1	2	3	4	5	6	7
2. Safaiwala	*11 (1988) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted.	Rs. 750-12-870- EB-14-940.	Not applicable	No	Between 18 and 25 years. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit names.
8	9		10		11	
Desirable : Passed fifth standard from a school.	recognised		Not applicable		Two years	
	12		13		14	
Not applicable	Group 'D' Departmental Promotion Committee (for confirmation) consisting of a— (i) Administrative Officer-Incharge of Administration. (ii) Any other Administrative Officer (other than incharge of Administration) (iii) Accounts/Audit Officer from Local field Office(s) Note : The senior most Officer amongst the three officers referred to above will be the Chairman.		Not applicable.			
1	2	3	4	5	6	7
3. Farash	*10 (1988) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted.	Rs. 750-12-870- EB-14-940.	Not Applicable	No	Between 18 and 25 years Note :—The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which Employment Exchange is asked to submit names.

8	9	10	11
Desirable : Passed fifth standard from a recognised school.	Not applicable	Two years for direct recruitment	Transfer, failing which by direct recruitment.

12	13	14
Transfer from Safajwala in the Office of the Comptroller & Auditor General of India appointed on regular basis.	Group 'D' Departmental Promotion Committee (for confirmation) consisting of :— 1. Administrative Officer-Incharge of Administration. 2. Any other Administrative Officer (other than incharge of Administration). 3. Accounts/Audit Officer from Local field offices. Note : The Senior most officer amongst the three officers referred to above will be the Chairman.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7
4. Chowkidar	*10 (1988) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted.	Rs. 750-12-870- EB-14-940.	Not applicable	No	Between 18 and 25 year. Note :—The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit names.

8	9	10	11
Desirable : (a) Passed fifth standard from a recognised school and (b) Experience in Armed Forces or three years service as Home Guard or Civil Defence volunteer with training in Basic and Refresher course in Home Guard or Civil Defence.	Not Applicable.	2 years	Direct recruitment.

12	13	14
Not Applicable.	Group 'D' Departmental Promotion Committee (for confirmation) consisting of :— 1. Administrative Officer Incharge of Administration. 2. Any other Administrative Officer (other than incharge of Administration). 3. Accounts/Audit Officers from local field office(s). Note :—The Senior most officer amongst the three officers referred to above will be the Chairman.	Not Applicable.

1	2	3	4	5	6	7
5. Daftry	*19(1988) *Subject to variation dependent on workload	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted	775-12-955-BB-14-1025	Non-Selection	No	Between 18 and 25 years. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit names.
8	9	10	11			
Essential : Passed Eighth Standard from a recognised school/Board. Desirable : Experience in stitching of files and binding work.	No	Two years for direct recruitment.	Promotion failing which by direct recruitment.			

12	13	14
Promotion : Peon with three years regular service in that grade on seniority basis subject to rejection of unfit	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of :— (1) Administrative Officer-Incharge of Administration. (2) Any other Administrative Officer other than in-charge of Administration. (3) Accounts/Audit Officer from Local field Office. Note : Senior most Officer amongst the three officers referred to above will be the Chairman.	Not Applicable.

1	2	3	4	5	6	7
6. Jamadar	*13 (1988) *Subject to variation dependention workload.	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted.	Rs. 775-12-995-BB-14-1025	Non-Selection	Not applicable.	Not applicable.
8	9	10	11			
Not applicable	Not applicable	Nil	Promotion			

12	13	14
Promotion : Peon with Three Years regular service in that grade on seniority basis subject to rejection of unfit.	Group 'D' Departmental Promotion Committee (for confirmation) consisting of :— (1) Administrative officer incharge of Administration. (2) Any other Administrative Officer (other than In-charge of Administration. (3) Accounts/Audit Officer from local field office(s) Note : Senior most officer amongst the 'Three officers referred to above will be the Chairman.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7
7. Junior Operator	*2(1988) *Subject to variation dependent on workload	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted.	Rs. 800-15-1010- EB-20-1150	Non-Selection	No	Between 18 and 25 years.
						Note : The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit names.

SCHEDULE

8	9	10	11
Essential : Passed Eighth Standard from a recognised School/Board.	No	Two years for direct recruits.	Promotion, failing which by direct recruitment.
Desirable : Proficiency in operating and maintaining duplicating machine and electric stencil cutter.			

SCHEDULE

12	13	14
Promotion : Daftri/Jamadar with 3 years regular service in that grade of seniority basis subject to rejection of unfit who have proficiency in operating and maintaining duplicating machine and electric stencil cutter.	Group 'D' Departmental Promotion Committee (for confirmation) consisting of :— (1) Administrative Officer (2) Any other Administrative Officer (other than Incharge of Administration). (3) Accounts/Audit Officers from local field office(s) Note : The senior most officer amongst the three officers referred to above will be the Chairman.	Not applicable.

[F. No. A-12018/15/88-E.G.I]
Sd/-

शुद्धि पत्र

सा.का.नि. 875.—भारत के राजपत्र दिनांक 24 सितम्बर, 1988 में प्रकाशित वित्त मंत्रालय, (व्यय विभाग) की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 749 दिनांक 8 सितम्बर 1988, जिसमें भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग (प्रमाणित लेखाकार) भर्ती नियम, 1988 अधिसूचित किए गए हैं, की अनुसूची में स्तम्भ 13 की मध (1) में "गुणित उप-महालेखाकार" को "ज्येष्ठ उप महालेखाकार" पढ़ा जाए।

[फा.स. ए-12018/13/88-ई.जी.-I]

डी. त्यागेश्वरन, प्रवर सचिव

CORRIGENDUM

G.S.R. 875.—In the Ministry of Finance (Department of Expenditure) Notification No. GSR 749 dated 8th September, 1988 published in the Gazette of India dated 24-9-1988 notifying the Indian Audit and Accounts Department (Divisional Accountant) Recruitment Rules, 1988, in the schedule.

(1) In Col. 11 in the first line of Note 3 the word "of" may be inserted between the words "The period" and "deputation" and the word "in" may be inserted between the word "deputation" and "another".

(2) In Col. 13, the word "officer" may be added after the word "or" at the end of the first line of item (2) and in the second line of this item the word "firm" within brackets may be substituted by the word "from".

[F. No. A-12018/13/88-E.G.I]
D. THYAGESWARAN, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

Central Boilers Board

New Delhi, the 28th October, 1988

G.S.R. 876.—Whereas certain regulations, further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, were published as required by sub-section (1) of section 31 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923) at page 2433 to 2440 of the Gazette of India, Part-II Section 3 Sub-Section (i) dated the 13th August, 1988, under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (Central Boilers Board) No. GSR 651, dated the 22nd July, 1988, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 30th September, 1988;

And whereas, the said Gazette was made available to the public on the 17th August, 1988;

And whereas no objections or suggestions have been received;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950.

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Fourth Amendment) Regulations, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950 (hereinafter referred as said Regulations), in regulation 2,—

(i) for clause (dd), the following shall be substituted, namely:—

“(dd) ‘Competent Authority’ means an authority recognised by the Central Boilers Board in the manner as laid down in regulation 4A to 4H, as competent to issue certificates to welders for the purposes of regulation 4(b)(ii) and regulation 605;”;

(ii) after clause (e), the following shall be inserted namely:—

“(ee) ‘Evaluation Committee’ means a committee constituted by the Central Government consisting of,—

(a) Technical Adviser (Boilers) —Chairman

(b) Chief Inspector (Boilers) of the State where the unit is located. —Member

(c) a representative of the manufacturers of boilers/ ancillaries in public sector. Member.”.

(iii) for clause (g), the following shall be substituted, namely:—

“(g) ‘Inspecting Authority’ means an authority recognised by the Central Boilers Board in the manner as laid down in regulations 4A to 4H, as competent to grant a certificate in Form IIA or IIB;”;

(iv) after clause (b), the following shall be inserted, namely:—

“(hh) ‘Liaison Sub-Committee’ means a committee constituted by the Central Boilers Board under bye-law 3(i)(e) of the Bye-Laws of the Central Boilers Board;”;

(v) after clause (m), the following shall be inserted, namely:—

“(n) ‘Technical Adviser (Boilers)’ means Technical Adviser (Boilers) to the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development);”.

3. In regulation 4 of the said regulations, for paragraph 2 of sub-clause (iv) of clause (c), the following shall be substituted, namely :—

“In the case of steel made and tested by well-known steel makers recognised by the Central Boilers Board in the manner as laid down in regulations 4A to 4H and listed in Appendix G, the certificate of well known steel maker in form IV or certificate of manufacture and test of well known tube/pipe makers recognised by the Central Boilers Board in the manner as laid down in regulations 4A to 4H, listed in Appendix H, in Form IIIA or IIIB, as the case may be, as prescribed in regulation 26, may be accepted in lieu of a certificate from an Inspecting Authority in so far as it relates to testing of steel as specified in Form II.”.

4. After regulation 4 of the said regulations, the following shall be inserted, namely :—

“Procedure for recognition of Competent Authority, Inspecting Authority, Well-known Steel Maker, Well-known Foundry/Forge and Well-known Tube/Pipe Maker.—

4A. Application for recognition .—

(1) An application for recognition as Competent Authority, Inspecting Authority, Well-known Steel Maker, Well-known Foundry/Forge and Well-known Tube and Pipe Maker shall be made by a firm to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), New Delhi, for recognition as one of the aforementioned areas of activity in which that firm is engaged.

(2) On receipt of applications under sub-regulation (1), the Secretary, Central Boilers Board shall send a questionnaire in any of the Forms (Form XVA to XVE) applicable to the area of activity to the applicant who shall send the same after duly completed, to the Secretary, Central Boilers Board.

(3) Any firm applying for recognition under sub-regulation (1) shall have a minimum experience of two years in the area of activity for which recognition is applied for.

4B. Scrutiny of applications by the Evaluation Committee.

(1) The Secretary, Central Boilers Board shall send all the applications received under sub-regulation (1) of regulation 4A, along with replies to the questionnaire under sub-regulation (2) of regulation 4A, to the Evaluation Committee.

(2) The Evaluation Committee shall examine all the applications and replies to the Questionnaire under sub-regulation (1) and —

(i) where the application is for recognition as Competent Authority or Inspecting Authority, the Evaluation Committee may, (a) call any of the applicants if it considers necessary, to appear before it to give clarification for additional information that may be required by the said Committee; (b) visit any of the applicant firms on a specific request in writing from such firm to evaluate the performance of the said firm;

(ii) Where the applicants are for recognition as well-known steel maker, well-known foundry/forge and well-known tube and pipe maker, the Evaluation Committee shall inspect the factories of such steel makers, foundry/forge and tube/pipe makers where the manufacturing activities are being carried out in order to evaluate the performance quality of the product manufactured.

- (3) The Evaluation Committee after satisfying itself that the requirements specified in sub-regulations (1) and (2) are fulfilled, shall submit a report along with its recommendations to the Liaison Sub-Committee.

4C. Recognition of a firm as Competent Authority Inspecting Authorities etc.

- (1) The Liaison Sub-Committee shall consider the reports and the recommendations of the Evaluation Committee submitted under sub-regulation (3) of regulation 4B and after examining all the aspects of such report shall either accord recognition to a firm or refuse recognition to such firm.

- (2) In case the Liaison Sub-Committee decides to accord recognition to a firm, a certificate of recognition in one of the Forms (Form XVIA to XVIG) applicable to the area of activity shall be issued by the Secretary, Central Boilers Board and in case the Liaison Sub-Committee decides to refuse recognition, it shall inform the applicant in writing giving reasons therefor.

4D. Validity of certificate of recognition. A certificate of recognition issued under regulation 4C, shall be valid for a period of three years.

4E. Renewal of certificate of recognition. Before the expiry of the certificate of recognition of a firm, the firm shall apply for renewal of the certificate to the Secretary, Central Boilers Board who, after following the procedure laid down in the aforementioned regulations, renew the certificate of recognition and such renewal shall be valid for a further period of three years.

4F. Application for registration of existing Competent Authority etc.—All the existing firms recognised as Competent Authority, Inspecting Authority, Well-known Steel maker, well-known foundry/forge and well-known tube and pipe maker, shall make an application to the Secretary, Central Boilers Board, within one year from the commencement of the Indian Boiler (4th Amendment) Regulations, 1988, and in case no application is made within the time specified the recognition of such firm shall be deemed to have been withdrawn :

Provided that the firm which has been granted recognition and has not completed a period of three years, shall continue to be so recognised as such till the expiry of the period of three years :

Provided further that if an application is not made in time, the same may be entertained by the said authority that there was sufficient cause for not making application in time.

- 4G. Appeal. (1) Any firm not satisfied with the reasons given by the Liaison Sub-Committee for refusing to accord recognition may file an appeal in writing to the Chairman, Central Boilers Board, for reconsidering its application.

(2) All applications received by Chairman, Central Boilers Board, under sub-regulation (1), shall be decided in the meeting of the Central Boilers Board and the decision of the Board thereon shall be final.

4H. Function of Evaluation Committee.

The Evaluation Committee shall evaluate the performance of a firm applying for recognition in accordance with the provisions of these regulations, in particular, in the following areas, namely:—

- (i) Quality System;
- (ii) Organisation;
- (iii) Review of quality system;
- (iv) Documentation—
 - (a) Inspection and test procedures;
 - (b) Records;
 - (c) Technical data;

(v) Inspection equipment;

(vi) Inspection of purchased material or services—

- (a) purchasing
- (b) purchasing data;
- (c) receiving inspection,
- (d) verification of purchased material;

(vii) In-process inspection;

(viii) Workmanship;

(ix) Corrective action;

(x) Inspection and test of completed items;

(xi) Sampling procedure;

(xii) Control of non-conforming material;

(xiii) Indication of inspection status;

(xiv) Protection and preservation of product quality :

(a) material handling;

(b) Storage;

(c) Delivery;

(xv) Training."

5. In Form III-C of the said regulations, for the existing Note, the following shall be substituted, namely :—

"Note :—In the case of valve chest made and tested by well-known Foundries or Forges recognised by the Central Boilers Board in the manner as laid down in regulations 4A to 4H, listed in Appendix K, particulars regarding the material as certified by them, in any form, shall be noted in the appropriate columns or paragraphs in the certificate and in case of certificates from well-known Foundries or Forges is produced, such certificate may be accepted in lieu of the certificate from inspection authority in so far as it relates to the testing of material specified in the Form";

6. After Form XIV of the said regulations, the following shall be inserted, namely :—

FORM XV-A

[Regulation 4A (2)]

QUESTIONNAIRE TO BE ANSWERED BY FIRMS SEEKING RECOGNITION BY THE CENTRAL BOILERS BOARD TO BECOME AN INSPECTING AUTHORITY UNDER THE INDIAN BOILER REGULATIONS, 1950

1. The registered name and address of the association.
2. Address to be notified for the purpose of recognition.
3. The year in which the association was established.
4. Is your association recognised by the Government?
5. Have you any Branch or Associate Office? if so, please give their names and addresses.
6. How long has your Association been functioning as an Inspecting Authority? If it is a registered company, please give the date of registration.
7. Please give details of classes of machinery which you have so far been authorised to examine and code under which this is being done.
8. Please state the types, size and the range of working pressure of the boilers which you have so far inspected during construction as an Inspecting Authority, also state the classes of service you render, namely :—
 - (a) Please name the various stage of manufacture at which inspection are carried out.
 - (b) Excluding inspection at the steel Works.

(c) Only hydraulic test after the manufacture of the boiler has been completed.

9. How many Inspecting Officers have you in your employment? Please give details of the qualifications held by those Officers.
10. Have you any Testing Laboratory of your own to conduct all destructive and non-destructive tests required in connection with the manufacture of Boilers?
11. Are you prepared to conduct the work of Inspection of boilers, economisers and their accessories strictly in conformity with the Indian Boiler Regulations, 1950?
12. Are you prepared to accept full responsibility for the certificate issued by you?
13. Has your request for recognition as an Inspecting Authority been rejected by any Authority? If so, please give details.
14. Are you prepared to issue certificates for the products, you inspect, in the formats of the Indian Boiler Regulations?
15. Are you aware that the recognition is for a period of 3 years only which is renewable after every 3 years on fresh assessment?

FORM XV-B

[Regulation 4A (2)]

QUESTIONNAIRE FOR ELICITING INFORMATION REGARDING THE COMPETENCY OF A FIRM TO BE REGOINISED AS "COMPETENT AUTHORITY" UNDER

REGULATION 4A (2) OF THE INDIAN BOILER REGULATIONS

1. Registered name and address of the firm.
2. Address to be notified for the purpose of registration.
3. Year in which the Organisation was established.
4. Address of branch or associate office, if any.
5. Principal work of the organisation.
6. Does the organisation have any training section for the welders? If so, details of the scheme to be stated.
7. Does the organisation regularly conduct tests on welds done by its welders? If so, the code followed and the details of tests carried out may please be stated.
8. What are the facilities that can be provided or availed of by the organisation for conducting the tests?
9. Is the organisation prepared to undertake testing of welders employed by other organisation?
10. Whether the organisation is prepared to conduct tests as per requirements of the IBR?
11. The amount of fee which the organisation would charge a candidate for conducting a test for the issue of certificate. Estimates under the following heads may be given:
 - (a) For the supply of tests pieces, electrodes and/or filler rods.
 - (b) For the use of welding machine.
 - (c) For machining the test pieces and preparation of specimen.
 - (d) For conducting mechanical tests (including specimens preparation).
 - (e) For non-destructive testing.
12. Is the organisation prepared to examine and issue certificates to welders in accordance with the requirements of the IBR, 1950?

13. Is the organisation prepared to take full responsibility for certificates issued by it?

14. Are you aware that the recognition is for a period of 3 years only which is renewable after every 3 years on fresh assessment.

FORM XV-C

[Regulation 4A (2)]

QUESTIONNAIRE TO BE ANSWERED BY STEEL MAKER SEEKING RECOGNITION BY CENTRAL BOILERS BOARD TO BE NOTIFIED AS "WELL KNOWN STEEL MAKERS" UNDER REGULATION 4A (2) OF THE INDIAN BOILER REGULATIONS, 1950

1. Registered Name and address of the firm.
2. Address to be notified for the purposes of recognition.
3. The year in which the factory was established:
4. Capacity for production of Steel:
5. Process of Manufacture of Steel
6. Variety of Steel Products;
7. Range of Steel produced in each variety:
8. Various National and International Standards to which the Steel products are manufactured:
9. Testing facilities available within the Works:
10. Types of tests conducted:
11. If so, by whom conducted:
12. Are the tests conducted by the firm acceptable to the other organisations of the Country? If so, by whom?
13. Is the firm prepared to conduct tests in accordance with the IBR?
14. Have they been recognised as "Well known Steel Maker" in any other country?
15. Whether they manufacture steel from the Ore itself or from ore and Scrap or from Scrap only:
16. Whether the firm is agreeable to show their manufacturing process and in House testing facilities to a team consisting of three members appointed by the Board.
17. Whether the firm is agreeable to show their manufacturing process and in House testing facilities to a team consisting of three members appointed by the Board.
1. Are you aware that the recognition is for a period of 3 years only which is renewable after every 3 years on fresh assessment?

FORM XV-D

[Regulation 4A (2)]

QUESTIONNAIRE TO BE ANSWERED BY FOUNDRY/FORGE SEEKING RECOGNITION BY CENTRAL BOILERS BOARD TO BE NOTIFIED AS "WELL KNOWN FOUNDRY/FORGE" UNDER REGULATION 4A (2) OF THE INDIAN BOILER REGULATIONS, 1950

1. The Registered name and address of the firm.
2. Address to be notified for the purpose of recognition.
3. The year in which the factory was established.
4. Capacity of the Foundry/Forge;
5. (i) Capacity for production of Forging/Castings;
(ii) Maximum weight and size of Forgings/Castings.
6. Detailed description of the type of job done by them.

7. Materials of Castings/Forgings (ferrous-plain or alloy steel, non-ferrous alloys).
8. Range of forgings/casting produced in each variety.
9. Testing facilities available within the works.
10. Details of testing facility, namely chemical and physical tests etc.
11. Types of tests conducted.
12. If so, by whom conducted ?
13. Are the tests conducted by the firm itself acceptable to the other organisation of the country ? If so, by whom?
14. Is the firm prepared to conduct tests in accordance with the Indian Boiler Regulations, 1950 ?
15. Have they been recognised as "Well known Foundry/ Forge" in any other country.
16. Whether the firm is in a position to produce Forgings/ Casting in accordance with any national/International specifications fulfilling the minimum requirements of IBR, 1950.
17. Whether the firm has any previous experience to produce Forgings/Casting in accordance with the provision of IBR under the inspection of any recognised inspecting authority.
18. Whether the firm is prepared to furnish Certificates under the provision of IBR, 1950.
19. Whether the firm is agreeable to show their process of manufacture, in House testing facilities to a team of members appointed by Central Boilers Board.
20. Are you aware that the recognition is for a period of 3 years only which is renewable after every 3 years on fresh assessment?

FORM XV-E

[Regulation 4A (2)]

QUESTIONNAIRE TO BE ANSWERED BY TUBE/PIPE MAKER SEEKING RECOGNITION BY CENTRAL BOILERS BOARD AS "WELL KNOWN TUBE/PIPE MAKER"

UNDER IBR, 1950

1. Registered name and address of the firm :
2. Address to be notified for the purpose of recognition:
3. Registration No. and year of registration.

4. Capacity of production of Tube/Pipe and the tonnage details per year from the beginning.
5. Reasons for seeking recognition under IBR.
6. Steel grades of Tube/Pipes under production:
7. Size range of Tube/Pipe under production:
8. Process of manufacture of Tube/Pipes :
9. (a) Whether the firm is producing the raw material or purchasing the raw material.
(b) If the raw material is purchased, give the details of purchase so far.
(i) from well known steel maker under I.B.R.
(ii) from non-recognised firm.
10. If purchase is as per 9(b) (ii) state whether the raw material is tested at Tube maker's/Pipe maker's premises under IBR.
11. If the firm is producing raw material, state whether the firm is recognised as well known steel maker under IBR.
12. Major Manufacturing facilities available with the firm:
13. Testing facilities available with the works:
14. Types of tests conducted on Tube/Pipes (enclose complete quality control plan from raw material stage to finished stage alongwith the quality control & inspection personnel of the firm).
15. The details of failure and rejection.

ask (agin T.se

(1) By NDT

(2) By Destructive Testing

16. Whether the firm is in position to manufacture Tube/ Pipes and also provide for their necessary testing facilities in accordance with the provision of IBR, 1950.
17. The name of the firms to whom the firm has supplied Tubes/Pipes:
18. Whether the firm is agreeable to show their manufacturing process and in House facilities to a team consisting of three members appointed by the Board.
19. Whether the firm is aware of the fact that the recognition is for a period of three years only which is renewable after every three years term on fresh assessment.

FORM XVI-A

[Regulation 4C(2)]

Serial No.

(National Emblem to be printed here)

CENTRAL BOILERS BOARD

CERTIFICATE OF APPROVAL FOR INSPECTING AUTHORITY

This is to certify that the Inspection and Quality Management System of :

M/s.....

.....

.....

.....

has been evaluated by the Central Boilers Board and has been granted recognition under regulation 4C(2) of the Indian Boiler Regulations, 1950, as an INSPECTING AUTHORITY.

This Certificate is valid for three years, i.e. upto

Validity is subject to the adherence to the quality control prescribed under the provisions of the Indian Boiler Regulations.

Approval

Certificate No.

Date of Issue

Secretary.

FORM XVI-B
[Regulation (C.2)]

Serial No.

(National Emblem to
be printed here)

CENTRAL BOILERS BOARD

CERTIFICATE OF APPROVAL FOR COMPETENT AUTHORITY

This is to certify that the Examination of Welder System of:

M/s.

has been evaluated by the Central Boilers Board and has been granted recognition under regulation 4C(2) of the Indian Boiler Regulations, 1950, as a COMPETENT AUTHORITY.

This Certificate is valid for three years) i.e. upto

Validity is subject to the adherence to the quality control prescribed under the provisions of the Indian Boiler Regulations.

Approval

Certificate No.

Date of Issue

Secretary.

FORM XVI-C
[Regulation 4C(2)]

Serial No.

(National Emblem to
be printed here)

CENTRAL BOILER SBOARD

CERTIFICATE OF APPROVAL FOR WELL KNOWN STEEL MAKER

This is to certify that the Inspection and Quality Management System of :-

M/s.

has been evaluated by the Central Boilers Board and has been granted recognition under regulation 4C(2) of the Indian Boiler Regulations, 1950, as a WELL KNOWN STEEL MAKER, for the manufacture of

This certificate is valid for three years, i.e. upto

Validity is subject to the adherence to the quality control prescribed under the provisions of the Indian Boiler Regulations.

Approval

Certificate No.

Date of Issue

Secretary.

FORM XVI D
[Regulation 4C(2)]

Serial No.....

(National Emblem to
be printed here)

CENTRAL BOILERS BOARD
CERTIFICATE OF APPROVAL FOR WELL KNOWN FOUNDRY

This is to certify that the Inspection and Quality Management System of :

M/s.....

.....

.....

.....

has been evaluated by the Central Boilers Board and has been granted recognition under regulation 4C(2) of the Indian Boiler Regulations, 1950, as a WELL KNOWN FOUNDRY.

This Certificate is valid for three years, i.e. upto.....

Validity is subject to the adherence to the quality control prescribed under the provisions of the Indian Boiler Regulations.

Approval

Certificate No.....

.....
Date of Issue

.....
Secretary.

FROM XVI-E
[Regulation 4C(2)]

Serial No.....

(National Emblem to
be printed here)

CENTRAL BOILERS BOARD
CERTIFICATE OF APPROVAL FOR WELL KNOWN FORGE

This is to certify that the Inspection and Quality Management System of :

M/s.....

.....

.....

has been evaluated by the Central Boilers Board and has been granted recognition under regulation 4C(2) of the Indian Boiler Regulations, 1950 as a WELL KNOWN FORGE.

This Certificate is valid for three years, i.e. upto.....

Validity is subject to the adherence to the quality control prescribed under the provisions of the Indian Boiler Regulations.

Approval

Certificate No.....

.....
Date of Issue

.....
Secretary.

FROM XVI-F

[Regulation 4C(2)]

Serial No.

(National Emblem)

CENTRAL BOILERS BOARD

CERTIFICATE OF APPROVAL FOR WELL KNOWN TUBE MAKER

This is to certify that the Inspection and Quality Management System of :

M/s.

.....

.....

.....

has been evaluated by the Central Boilers Board and has been granted recognition under regulation 4C(2) of the Indian Boiler Regulations, 1950, as a WELL KNOWN TUBE MAKER for the manufacture of Tubes of Sizes from..... to.....

This Certificate is valid for three years, i.e. upto.....

Validity is subject to the adherence to the quality control prescribed under the provision of the Indian Boiler Regulations.

Date of Issue

Approval

Certificate No.

Secretary

FROM XVI-G

[Regulation 4C(2)]

Serial No.

(National Emblem)

CENTRAL BOILERS BOARD

CERTIFICATE OF APPROVAL FOR WELL KNOWN PIPE MAKER

This is to certify that the Inspection and Quality Management System of :

M/s.

.....

.....

.....

has been evaluated by the Central Boilers Board and has been granted recognition under regulation 4C(2) of the Indian Boiler Regulations, 1950, as a WELL KNOWN PIPE MAKER for the manufacture of pipe of sizes from..... to.....

This Certificate is valid for three years, i.e. upto.....

Validity is subject to the adherence to the quality control prescribed under the provisions of the Indian Boiler Regulation.

Approval

Certificate No.

Date of Issue

Secretary

[F.No. 6(6)/87-Boilers]

V.K. GOEL, Secy

Footnote: In 1988 three amendments have so far been issued to the principal regulations as follows:

Amendment No.

GSR No.

Date

1.	754	24th Sept., 1988
2.	771	1st October, 1988
3.	891	8th October, 1988

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1988

सा.का.नि. 877.—इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम 1985 (1985 का न. 50) की धारा 25(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रबंधक बोर्ड विजिटर की सहमति से अधिनियम की दूसरी अनुसूची में शामिल करने के लिए संविधि बनाता है।

1. दीक्षांत समारोह

डिग्रियां तथा उपाधियां प्रदान करने अथवा मान्य प्रयोजनों के लिए विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह अध्यादेशों (आडिमेंसी) में निर्धारित ढंग से किया जाएगा।

[स. ए. डी./3/5]

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY

New Delhi, the 27th October, 1988

G.S.R. 877.—In exercise of the powers conferred by Section 25(2) of IGNOU Act, 1985 (No. 50 of 1985), the Board of Management makes the following Statute 21, with the assent of the Visitor, to be included in the 2nd schedule of the Act ibid.

“21. Convocation.—Convocations of the University for the conferring of degrees or diplomas or for other purposes may be held in such manner as may be prescribed by the Ordinances.”

[No. AD/3/5]

सा.का.नि. 878.—इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 1985 (1985 का न. 50) की धारा 25(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए प्रबंधक बोर्ड विजिटर की सहमति से अधिनियम की दूसरी अनुसूची में शामिल करने के लिए संविधि 23 बनाता है।

23. सामान्य भविष्य निधि एवं पेंशन एवं उपदान और अंशदायी भविष्य निधि एवं उपदान :

1. निम्नलिखित योजनाओं का प्रबंध प्रबंधक बोर्ड को सौंपा जायेगा—

सामान्य भविष्य निधि एवं पेंशन एवं उपदान	(क) सामान्य भविष्य निधि एवं पेंशन एवं उपदान योजना (परिशिष्ट 'क')
अंशदायी भविष्य निधि एवं उपदान	(ख) अंशदायी भविष्य निधि एवं उपदान योजना (परिशिष्ट 'ख')

2. इस संविधि के उपबंध 20 मितम्बर 1985 से प्रभावी समझे जायेंगे। किन्तु योजनाओं में उपदान और पेंशनों (असाधारण पेंशन सहित) से संबंधित उपबंध 1-1-1986 से प्रभावी होंगे।
परिभाषाएं

3. इन योजनाओं में जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ के प्रतिकूल न हो—

(क) कर्मचारी का मतलब है विश्वविद्यालय द्वारा अपन रूपांक के सदस्य के रूप में नियुक्त कोई भी व्यक्ति और इसमें शिक्षक और विश्वविद्यालय का अन्य शैक्षिक रूपांक भी शामिल है।

(ख) 'परिलब्धियों' का मतलब है खंड 3(ज) में परिभाषित वेतन' महुंगाई वेतन, जो कर्मचारी अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख या अपनी मृत्यु की तारीख से तत्काल पूर्व ले रहा था। इसमें सेवानिवृत्ति पेंशन और उपदान के प्रयोजन के लिए तदर्थ महुंगाई भत्ता और अन्तरिम राहत भी शामिल है।

टिप्पणी:

(1) तारीख 1-1-86 से लागू संशोधित वेतनमानों के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों के संबंध में परिलब्धियों का मतलब है उस तारीख को कर्मचारी को मिल रहा केवल मूल वेतन।

(2) यदि कोई कर्मचारी अपनी सेवानिवृत्ति या सेवा छोड़ने से पहले संवेतन (भत्ता सहित), ड्यूटी पर हो तो सेवा उपदान या मृत्यु या सेवानिवृत्ति उपदान परिकलित करने के प्रयोजनों में उसकी 'उम्र परिलब्धियों' को लिया जायेगा जिन्हें वह उस स्थिति में आहारित करता रहता जब वह ड्यूटी से अनुपस्थित न रहता।

किन्तु उपदान की राशि वस्तुतः अनाहारित वेतन में वृद्धि होने के कारण नहीं बढ़ाई जाती और उच्चतर स्थानापन्न या अस्थायी वेतन का लाभ केवल तभी दिया जाता है यदि वह प्रमाणित हो जाय कि यदि वह ड्यूटी पर न जाता तो वह उच्चतर स्थानापन्न या अस्थायी पद पर बना रहता।

(3) किसी कर्मचारी द्वारा विभागीय सेवा में रहने के दौरान आहारित वेतन को परिलब्धियों नहीं समझा जायेगा। किन्तु यदि वह विभागीय सेवा में न जाता तो उस स्थिति में विश्वविद्यालय में केवल उसके द्वारा आहारित वेतन को ही परिलब्धियों समझा जायेगा।

(4) वेतन में आविधि पद (पदों) पर आहारित वेतन भी शामिल है।

(ग) औसत परिलब्धियों का मतलब है उपर परिभाषित परिलब्धियों का औसत जिसका परिकलन सेवा के अन्तिम दस महीनों के वेतन के आधार पर किया जाता है।

किन्तु यदि कोई कर्मचारी सेवा में अन्तिम 10 महीनों के दौरान अवेतन छुट्टी पर अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित रहता है या ऐसी परिस्थितियों में सेवा से निलंबित रहता है कि निलंबन की अवधि की सेवा के रूप नहीं गिना जाता तो इस प्रकार की अवधि भी औसत परिलब्धियों का परिकलन करने के आशय से नहीं गिना जायेगा और इस अवधि से पहले की 10 महीनों की अवधि को इस आशय से गिना जायेगा।

(घ) सामान्य भविष्य निधि और अंशदायी भविष्य निधि के प्रयोजन के लिए 'परिवार' का मतलब है।

(1) पूर्ण अभिदाता के मामले में अभिदाता की पत्नी या पत्नियां और बच्चे और अभिदाता के मृत पुत्र की विधवा या विधवाएं और बच्चे, किन्तु यदि अभिदाता यह सिद्ध कर देता है कि उनकी पत्नी उससे न्यायिक तौर पर अलग हो गई है या अपने समाज की रुढ़िजन्य विधि के अधीन निर्वाह की दृष्टिकोण नहीं रही है तो उसे इन नियमों से संबंध मामलों में अभिदाता के परिवार का सदस्य नहीं समझा जायेगा बशर्त कि जब तक कि अभिदाता ने बाद में चित्त अधिकारी को यह लिखित सूचना दी हो कि उसे इस प्रयोजन के लिए परिवार का सदस्य समझा जाये।

- (2) महिला अभिदाता के मामले में अभिदाता का पति या बच्चे और अभिदाता के मूल पुत्र की बिधवा या बिधवारों और उनके बच्चे किन्तु यदि अभिदाता ने वित्त अधिकारी को लिखित नोटिस देकर यह इच्छा व्यक्त की हो कि उसके पति को उसके परिवार में से अपवर्जित कर दिया जाये तो उसके पति की इन नियमों से सबंध मामलों में अभिदाता के परिवार का सम्बन्ध नहीं समझा जायेगा बशर्ते कि अभिदाता न बाद में इस नोटिस को लिखित रूप में से रह न कराया हो।

टिप्पणी :

‘बच्चे’ का मतलब है विधिवान्व बच्चे और जहाँ अभिदाता पर लागू स्वीय विधि में गोद लेना मान्य हो तो वहाँ इसमें उनके गोद लिये बच्चे भी शामिल हैं।

(घ) ‘वित्त अधिकारी’ का मतलब है विश्वविद्यालय का वित्त अधिकारी।

(च) ‘निधि’ का मतलब है सदस्यों के अनुसार विश्वविद्यालय की सामान्य भाविष्य निधि द्वारा मान्य किसी भी प्रकार की छुट्टी।

(ज) ‘वेतन’ का मतलब है किसी भी कर्मचारी द्वारा वेतन के रूप में हर मास आहरित राशि जो उसके द्वारा मूलतः या स्थानापन्न हैमियत से धारित पद के लिये मंजूर की गई है और इसके अन्तर्गत विशेष वेतन, वैयक्तिक वेतन और प्रतिनियुक्ति भत्ता यदि कोई है भी शामिल है।

टिप्पणी :

तारीख 1-1-86 से लागू संशोधित वेतनमान के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों के संबंध में वेतन का मतलब है केवल ‘मूल वेतन’।

(I) ‘वैयक्तिक वेतन’ का मतलब है किसी भी कर्मचारी को—

(1) वेतन संशोधन के कारण किसी स्थायी पद के मूल वेतन के नुस्खान या अनुशासनिक उपायों के अतिरिक्त अन्यथा ऐसे मूल वेतन से किसी कटौती से बचाने, या

(2) अन्य व्यक्तिगत कारणों से अपवादमक परिस्थितियों में अतिरिक्त वेतन प्रदान करना।

(इ) ‘अर्हक सेवा’ का मतलब है किसी भी कर्मचारी द्वारा मूल पद पर की गई सेवा जिसमें उसकी परिवर्धनीय अवधियां भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय में पूर्वकालिक आधार पर बिना अवरोध स्थायी या स्थानापन्न हैमियत से की गई सभी सेवाओं को अर्हक सेवा के रूप में गिना जायेगा, जिन पर या किसी अन्य पद पर वह कर्मचारी बाद में स्थायी हुआ है। किन्तु इसमें से सेवा अवधियां शामिल नहीं होंगी जिनमें आकांक्षिक निधि से भुगतान किया जाता हो।

स्पष्टीकरण I : छुट्टी की अवधि के अर्हक सेवा के रूप में गिनता।

(1) वेतन व भत्तों सहित छुट्टी की सभी अवधियों भी अर्हक सेवा के रूप में गिना जायेगा।

(2) किसी विशेष प्रयोजन के लिये प्रतिनियुक्ति या प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि को अर्हक सेवा के रूप में गिना जायेगा इसम प्रतिनियुक्ति के वेश से आने और जाने की अवधियां भी शामिल हैं। यदि कर्मचारी ने प्रतिनियुक्ति की अवधि के दौरान बिना भत्ते के कोई असाधारण छुट्टी न ली है तो उस असाधारण छुट्टी की अवधि को स्पष्टीकरण II के उप-खंड (ii) के नीचे दी गई टिप्पणी में यथा उपबंधित के सिवाय निकाल दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण II अर्हक सेवा के रूप में न गिनी जाने वाली अवधियां

(1) रटॉफ के किसी सदस्य के आहरण के संबंध में जांच होने तक निलंबनावधि जहाँ जांच का निर्णय होने पर उसे पूर्णतः शोष-मुक्त न किया गया हो या निलंबन को पूर्णतः अनुचित न ठहराया गया हो, जब तक कि प्रबंधक वर्ग ने उस समय यह

स्पष्ट घोषणा न की हो कि इसे गिना जायेगा और तब इसे केवल प्रबंधक बोर्ड द्वारा घोषित होगा तक गिना जायेगा।

(2) भत्तों के बिना असाधारण छुट्टी।

टिप्पणी :

निम्नलिखित परिस्थितियों में नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकाधिकार पर असाधारण छुट्टी को इसमें गिनने की अनुमति दी जा सकती है :—

(1) यदि यह छुट्टी किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्था या किसी अन्य प्राधिकरण में नियुक्ति होने पर ली हो और वह विश्वविद्यालय/संस्था/प्राधिकरण या संबंधित व्यक्ति अपनी पेंशन के लिए आवश्यक भ्रंश भान कर रहा हो।

(2) यदि यह चिकित्सा प्रमाण पत्र पर ली गयी हो।

(3) यदि यह निवृत्ति विरोध या प्राकृतिक आपदा या उसके नियंत्रण से परे के किसी अन्य कारण की वजह से छुट्टी पर कार्यभार ग्रहण करने या पुनः कार्यभार ग्रहण करने से संबंधित व्यक्ति की असमर्थता के कारण ली गई हो बशर्ते कि उसके पास किसी अन्य तरह की छुट्टी न गेप हो और

(4) यदि वह किसी ऐसे शैक्षिक या अर्थगत संबंधी कार्य के लिए ली गई हो जिसका सीधा संबंध विश्वविद्यालय में कर्मचारियों के शिक्षण/अनुसंधान कार्य से हो।

(3) प्राधिकृत छुट्टी के क्रम में अनाधिकृत छुट्टी।

(4) 18 वर्ष की आयु से कम आयु में नौकरी।

स्पष्टीकरण-III—अर्हक सेवा में परिवर्धन

कोई भी कर्मचारी अधिवापिता पणन के लिये अर्हक अपनी सेवा में, अपनी कुल सेवावधि की अधिकतम एक-चौथाई वास्तविक अवधि या वह वास्तविक अवधि जो भर्ती के समय उसकी 25 वर्ष की आयु से अधिक थी या 5 वर्ष का अवधि, इनमें जो भी कम हो, जोड़ सकता है, बशर्ते कि पद ऐसा हो कि—

(क) जिसके लिये स्नातकोत्तर अनुसंधान या विशेषज्ञ समिति अर्हता या वैज्ञानिक या प्रौद्योगिकीय या व्यावसायिक क्षेत्र में अनुभव होना आवश्यक हो, और

(ख) जिस पर साधारणतया 25 वर्ष से अधिक आयु के उम्मीदवार भर्ती किए जाते हैं किन्तु यह रियायत ऐसे किसी भी कर्मचारी को स्विकार्य नहीं होगी जिसकी विश्वविद्यालय की सेवा छोड़ने के समय वास्तविक अर्हक सेवा दस वर्ष से कम न हो। प्रबंधक बोर्ड यह रियायत प्रदान करने का निर्णय कर्मचारी की भर्ती के समय लेगा।

स्पष्टीकरण-IV :

(क) प्रबंधक बोर्ड निम्नलिखित परिस्थितियों में सेवा में एक वर्ष की अवधि तक के व्यवधान की माफी दे सकता है।

(1) व्यवधान कर्मचारियों के नियंत्रण से परे के कारणों की वजह से हुआ हो।

(2) एक या अधिक व्यवधानों, यदि कोई हो, को छोड़कर कुल सेवा 5 वर्ष से कम अवधि की नहीं होनी चाहिए।

(3) व्यवधान, दो या दो से अधिक व्यवधानों के शामिल करते हुए, एक वर्ष से अधिक अवधि का नहीं होना चाहिए।

(क) ‘विशेष वेतन’ का मतलब है किसी पद या व्यक्ति की परि-लब्धियों में वेतन के रूप में वृद्धि जो उसे किसी विशेष रूप से कठिन कार्य करने या उसके कार्य या दायित्व में विशेष रूप से वृद्धि करने के प्रतिकूल स्वरूप प्रदान किया जाता है।

(ख) ‘भावधि पद’ का मतलब है एक ऐसा स्थायी पद जिस पर कोई कर्मचारी सीमित अवधि से अधिक समय तक नहीं रह सकता।

(ग) 'सेवा' का मतलब है विश्वविद्यालय का शिक्षित होना।

(घ) 'विश्वविद्यालय' का मतलब है इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय।

(ङ) 'रेजिस्ट्रार' का मतलब है प्रशासन के कार्यों के संबंध में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का रेजिस्ट्रार।

(च) 'कुलपति' का मतलब है इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति।

4 (क) संविधि का लागू होना :

विश्वविद्यालय की सेवा में 20 सितम्बर 1985 को या उसके बाद कार्यभार ग्रहण करने वाले कोई भी कर्मचारी उस संविधि के परिशिष्ट 'क' और 'ख' में निर्धारित को वैकल्पिक योजनाओं में से किसी एक का विकल्प होगा। इस उपबंध में निर्धारित विकल्प सामान्य भविष्य निधि एवं पेंशन एवं उपदान योजना और अंशदायी भविष्य निधि एवं उपदान योजना की अधिसूचना की तारीख से 3 महीने के भीतर या नये प्रवेशकों के मामले में विश्वविद्यालय सेवा में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 3 महीने के भीतर देना होगा और उसकी सूचना निश्चित रूप से रेजिस्ट्रार को देनी होगी और एक बार दिया गया विकल्प अस्मरित होगा।

3 महीने की उपरोक्त अवधि के भीतर विकल्प न देने वाले व्यक्ति के संबंध में यह समझ लिया जाएगा कि उसने परिशिष्ट 'क' से निर्धारित सामान्य भविष्य निधि एवं पेंशन एवं उपदान का विकल्प दिया है।

(ख) विश्वविद्यालय की सेवा में अस्थायी रूप पर कार्य करने वाले व्यक्ति एक वर्ष की निम्नतर सेवा के बाद, सेवा प्रारंभ करने की तारीख से इस संविधि के परिशिष्ट 'क' में निर्धारित सामान्य भविष्य निधि एवं पेंशन एवं उपदान योजना या इस संविधि के परिशिष्ट 'ख' में निर्धारित अंशदायी भविष्य निधि एवं उपदान योजना के अपने विकल्प के अनुसार लाभ पाने का हकदार हो जायेगा।

5. इस संविधि में उपबंध विरुद्ध रूप में अस्थाई और विहाई कर्मचारियों, समेकित वेतन या विशेष शर्तों पर नियुक्त कर्मचारियों और प्रतिनियुक्त कर्मचारियों पर लागू नहीं होंगे। अधेवापिता के बाद पुनः नियोजित पेंशनभोगी केवल अंशदायी भविष्य निधि के हकदार होंगे।

सविधा पर निर्धारित अवधि के लिए नियुक्त व्यक्तियों पर इस संविधि के परिशिष्ट 'ख' के उपबन्ध लागू होंगे। अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान की अनुमति प्राप्त किसी भी व्यक्ति को सामान्य भविष्य निधि में अंशदान करने का हक नहीं होगा।

किन्तु जिस व्यक्ति की प्रारंभ में नियुक्ति सविधा के आधार पर हुई हो और बाद में उसे स्थायी रूप में रख दिया गया हो तो उसे अपनी सविधा अवधि को रद्द करने के बाद परिशिष्ट 'क' और 'ख' में निर्धारित दोनों योजनाओं में से किसी एक का विकल्प देने का हक होगा और इन योजनाओं में से किसी एक का विकल्प देने का हक होगा और इन योजनाओं के प्रयोजन के लिये उसे सविधा पर की गई सेवा के लाभ प्राप्त होंगे बशर्ते कि उसने सविधा अवधि के अधीन प्राप्त सेवानिवृत्ति लाभ विश्वविद्यालय को लौटा दिये हों।

6(i) केन्द्र सरकार, केन्द्रीय विश्वविद्यालय या केन्द्र सरकार के स्वायत्त निकायों में कर्मचारियों का स्थानान्तरण

जब केन्द्र सरकार/केन्द्रीय विश्वविद्यालय/केन्द्र सरकार के स्वायत्त निकाय इसमें सांविधिक निकाय भा. शामिल है, का कोई कर्मचारी विश्वविद्यालय में स्थायी रूप से खपा लिया जाता है तो उसकी उस गिरफ्तारी सेवा की जो, उक्त सरकार/संगठन में सेवानिवृत्ति लाभों के लिये मिलती है, निम्नलिखित शर्तों पर विश्वविद्यालय द्वारा देय सेवानिवृत्ति लाभों के लिये देना जाएगा।

(क) स्थानान्तरण मूल कार्यालय की सहमति में और कोकटिन में हुआ हो।

(ख) कर्मचारी के पुनः भर्ती/संलग्न के लिये आवश्यक सेवानिवृत्ति लाभ देने का विकल्प न दिया हो।

(ग) केन्द्र सरकार/केन्द्र सरकार के स्वायत्त निकायों, जिसमें सांविधिक निकाय भी शामिल हैं, से विश्वविद्यालय में खपा लिये जाने की तारीख तक की सेवा के लिए यथानुदान पेंशन/सेवा उपदान/मिश्रित उपदान और सेवानिवृत्ति उपदान एक मूल्य अथवा करके पेंशन की अवधि जिम्मेदारी को मौप भी हो।

यदि कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि योजना के अन्तर्गत आता है तो मूल सरकार/संगठन उस कर्मचारी के विश्वविद्यालय में स्थायी रूप से खपा लिये जाने के समय अंशदायी भविष्य निधि खाने में जमा राशि और उपदान की पूराकृत राशि यदि कोई हो, विश्वविद्यालय को अन्तरित कर देती है। किन्तु यदि किसी कर्मचारी ने स्थायी रूप से खपा लिये जाने के एक वर्ष के भीतर कुछ निकाय में की गई गिरफ्तारी सेवा को पूर्ववर्ती नियोजन के समान अंशदायी भविष्य निधि अंशदान सहित पेंशन के लिये अर्हक सेवा के रूप में मिले जाने का विकल्प दिया हो तो मूल-संगठन में यह संचित राशि तथा उपदान का पूराकृत मूल्य स्थायी रूप से खपा लिये जाने के समय विश्वविद्यालय को अन्तरित कर दिया जायेगा।

जब राज्य सरकार/राज्य विश्वविद्यालय के किसी कर्मचारी को विश्वविद्यालय में स्थायी रूप से खपा लिया जाता है।

विश्वविद्यालय में स्थायी रूप से खपा लिये जाने पर राज्य सरकार/राज्य विश्वविद्यालय के कर्मचारी की फ़िल्ली उन सेवाओं को विश्वविद्यालय द्वारा दिये जाने वाले सेवानिवृत्ति लाभों के लिये मिली जाती चाहिए जिन्हें राज्य सरकार/राज्य विश्वविद्यालय में सेवानिवृत्ति लाभों के लिये मिला जाता था किन्तु स्थानान्तरण लोकोहित में हो और इस संबंध में विश्वविद्यालय का प्रबंधक कोई एकमात्र निर्णायक होगा। शर्त यह होगी कि —

(क) स्थानान्तरण राज्य सरकार/राज्य विश्वविद्यालय की सहमति में हुआ हो।

(ख) संबंधित राज्य सरकार/राज्य विश्वविद्यालय, उनके विश्वविद्यालय में स्थायी रूप से खपा लिये जाने की समय विश्वविद्यालय का उक्त संगठन में कर्मचारी की गिरफ्तारी सेवा में संबंधित सेवानिवृत्ति लाभों का पूराकृत मूल्य अथवा करे।

(ग) यदि संबंधित कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि योजना के अन्तर्गत आता है तो राज्य सरकार/राज्य विश्वविद्यालय उसके अंशदायी निधि खाने में संचित राशि उस विश्वविद्यालय को उसके स्थायी रूप से खपा लिये जाने के समय अन्तरित कर देगा।

जब विश्वविद्यालय का कोई कर्मचारी राज्य सरकार, केन्द्र सरकार स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और राज्य सरकार के अधीन स्वायत्त निकायों में स्थानान्तरित होता है।

केन्द्र सरकार के कर्मचारियों को स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि में स्थानान्तरण/स्थायी रूप से खपा लिए जाने की स्थिति में उन्हें स्वायत्त निकायों के अधीन संयुक्त सेवा के लाभ या यथानुदान सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करने में संबंधित कार्य सरकार द्वारा जारी तथा समय-समय पर संशोधित आदेश आदेश्यक पत्रवार्ता सहित केन्द्र सरकार स्वायत्त निकायों आदि में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के स्थानान्तरण के मामलों में भी लागू होंगे।

(i) स्थायी रूप से खपाने के उन सभी मामलों में प्रस्तावित व्यवस्था के संबंध उक्त निकाय का पूर्वानुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए जहाँ सेवानिवृत्ति लाभों की दरविता विश्वविद्यालय के प्रतिनिधित्व किसी निकाय द्वारा बहुत की जाती हो।

7. जब भी केन्द्र सरकार सामान्य भविष्य निधि अंशदाया भविष्य पेंशन, उदाहरण आदि से संबंधित अपने नियमों में संशोधन करेगी वे संशोधन उनी तारीख से इन संबंधियों में भी शामिल समझे जायेंगे जिससे वे संशोधन केन्द्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के संबंध में लागू किए हों।

सामान्य (खिविध)

8 (1) इस खिविध के अधीन स्वीकार्य सेवानिवृत्ति लाभों की स्वीकृति और अदायगी प्रबंधक बोर्ड द्वारा जारी कार्यविधि संबंधी अनुदेशों के अनुसार विनियमित की जाएगी।

(2) निर्वचन व्याख्या : इस खिविध के निर्वचन के संबंध में यदि कोई प्रश्न उठता है तो उसे अनिविध की भेजा जाएगा, जिसका उस संबंध में निर्णय अन्तिम होगा।

परिशिष्ट 'क'

सामान्य भविष्य निधि एवं पेंशन-एवं उपादान योजना

परिच्छेद-I

सामान्य भविष्य निधि

(1) नामांकन

1.1 कोई भी अभिदाता निधि में शामिल होने के समय वित्त अधिकारी को निर्धारित फार्म में नामांकन भेजेगा जिसमें वह निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी राशि देय हो जाने या देय हो जाने किन्तु अदा न किए जाने से पहले अपनी मृत्यु हो जाने की स्थिति में उक्त राशि पाने का अधिकार एक या अधिक व्यक्तियों को प्रदान करेगा।

1.1.1 किन्तु शर्त यह है कि यदि नामांकन करते समय अभिदाता का परिवार है तो या वह अपने परिवार के सदस्यों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के नाम से नामांकन नहीं सकता।

1.1.2 अगली शर्त यह भी कि अभिदाता द्वारा किसी भी अन्य निधि, जिसमें वह भविष्य निधि में शामिल होने से पहले अंशदान कर रहा था। के संबंध में किए गए नामांकन को उस समय तक इस नियम के अधीन विधिवत् किया गया नामांकन समझा जाएगा जब तक कि वह इस नियम के अनुसार नामांकन करे बशर्ते कि ऐसी अन्य निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी राशि निधि से उसके क्रेडिट में अन्तर्गत कर दी गई हो।

1.2 यदि अभिदाता नियम 1.1 के अधीन एक से अधिक व्यक्तियों का नामांकन करता है तो उसे नामांकन में प्रत्येक नामित की देय राशि या हिस्से का हम ढंग से उल्लेख करना होगा कि उसके अंतर्गत किसी भी समय निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी पूर्ण राशि आ जाए।

1.3 प्रत्येक नामांकन संलग्न फार्म 1 में किया जाएगा।

1.4 कोई भी अभिदाता किसी भी समय वित्त अधिकारी को एक लिखित सूचना भेजकर नामांकन को रद्द कर सकता है। अभिदाता इस सूचना के साथ या अलग से इस नियम के उपबंधों के अनुसार एक नया नामांकन भेजेगा।

1.5 कोई भी अभिदाता नामांकन में यह व्यवस्था कर सकता है

(क) किसी विनिर्दिष्ट नामित के संबंध में उसकी अभिदाता से पहले मृत्यु हो जाने की स्थिति में उक्त नामित को प्रदत्त अधिकार नामांकन में विनिर्दिष्ट अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों को चला जाएगा किन्तु यदि अभिदाता के परिवार के अन्य सदस्य हों तो यह/ये नामित व्यक्ति व्यक्ति का/के सदस्य हो होगा/होंगे। जहां अभिदाता ने हम खंड के अधीन यह अधिकार एक से अधिक व्यक्तियों को प्रदान किया हो तो वह ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को देय राशि या हिस्से का हम ढंग से उल्लेख करेगा कि उसमें नामितियों को देय संपूर्ण राशि आ जाए।

(ख) उसमें विनिर्दिष्ट आकस्मिक घटना के घटित होने पर यह नामांकन अधिविधमान्य हो जाएगा।

किन्तु यदि नामांकन करते समय अभिदाता का परिवार न हो तो वह नामांकन में यह प्रावधान रखेगा कि बाद में उसके परिवार हो जाने की स्थिति में यह नामांकन अधिविधमान्य हो जाएगा।

किन्तु यह भी शर्त है कि यदि नामांकन करते समय अभिदाता के परिवार में केवल एक ही सदस्य हो तो वह नामांकन में यह प्रावधान रखेगा कि बाद में उसके परिवार में अन्य सदस्य हो जाने पर खंड (क) के अधीन स्थापित नामित को प्रदत्त अधिकार अधिविधमान्य हो जाएगा।

1.6 उस नामित की मृत्यु हो जाने पर, जिसके संबंध में, नियम के खंड (क) के अधीन नामांकन में कोई प्रावधान नहीं दिया जा सकता है या ऐसी कोई घटना घटित होने पर, जिसके कारण नियम 1.5 के खंड (ख) या उसके परन्तुक के कारण नामांकन अधिविधमान्य हो जाता है, अभिदाता मरकाम वित्त अधिकारी को नामांकन रद्द करने की लिखित सूचना भेजेगा और उसके साथ ही वह इस नियम के उपबंधों के अनुसार किया गया नया नामांकन भी भेजेगा।

1.7 अभिदाता द्वारा किया गया प्रत्येक नामांकन और नामांकन रद्द करने की प्रत्येक सूचना जिन सीमा तक वे विधिवत् है वित्त अधिकारी को प्राप्त करने की तारीख से प्रभावी होगी।

(2) विश्वविद्यालयन तो जैसे किसी भी समूह/देश या निष्ठादिन या सृजित किये जाने वाले किसी भी ऐसे ऋण भार को माफ़ता होगा और न ही उसके लिये बाध होता जिससे उन अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी राशि के निरन्तर पर पमान पड़ता हो जायेंगे मृत्यु उन राशि के देय हो जाने से पहले हो गई है।

(3) अभिदाता खाता :

3.1 प्रत्येक अभिदाता के नाम में एक खाता खोला जायेगा जिसमें

(i) उसका अभिदाता

(ii) अभिदान पर दिनांक 6 में राजपत्रित बाब, और

(iii) निधि से वेसिंग और प्रावधान विज्ञापित जायेंगे।

3.2 यदि निधि के लाभों को स्वीकार करने वाला कर्मचारी पहले केन्द्र सरकार राज्य सरकार या सरकार द्वारा नियमित स्वायत्त या विनिर्दिष्ट निकाय या विश्वविद्यालय/विश्वविद्यालय के सदस्य है/होता है संस्था या समुदाय पंजीकरण अधिनियम, 1960 के प्रतीक/संज्ञा तितो स्वायत्त संगठन की किसी अंगदास गैर अंगदाता अधिकारिता का अभिप्राय रहा हो तो उनकी उन अंगदाता गैर अंगदाता भविष्य निधि में जमा राशि निधि में उनके क्रेडिट में अन्तर्गत कर दी जायेगी।

(4) अभिदान की शर्तें

4.1 प्रत्येक अभिदाता निर्वचनाधीन अग्रवि के सिवाय निधि में मासिक अभिदान देगा।

4.1.1 किन्तु कोई भी अभिदाता ऐसी छुट्टी के दौरान अपनी मर्जी से अभिदान नहीं देगा जिसमें उसे कोई छुट्टी वेतन न मिलता हो या जिसमें उस अग्रवि वेतन के बराबर या उससे कम छुट्टी वेतन मिलता हो।

4.1.2 किन्तु यह भी कि किसी भी अभिदाता को निर्वचनाधीन अग्रवि भौत जाने के बाद बहाली हो जाने पर उक्त अग्रवि के त्रिदेय अभिदान की अधिकतम बकाया राशि एकमुश्त या किसी में अदा करने का विकल्प देने की अनुमति होगी।

4.2.1 अभिदाता छुट्टी पर जाने से पहले वित्त अधिकारी का संबंधित पक्ष में छुट्टी के दौरान अभिदान न करने के अपने चयन की सूचना देना निश्चित और समय पर सूचना न देने पर वह समय लिया जायेगा कि उसने अभिदान करना स्वीकार किया है। इस उप-नियम के अधीन सूचित अभिदाता का विकल्प अन्तिम होगा।

(5) अभिदान की दर

5.1 अभिदान की राशि अभिदाता स्वयं निर्धारित करेगा बशर्त कि:—

5.1.1 अभिदान की दर न तो उसकी कुल परिलब्धियों के 6 प्रतिशत से कम होनी चाहिए और न ही उसकी कुल परिलब्धियों से अधिक हो। इस प्रकार परिकल्पित राशि को निकटतम रुपये में पूर्णकृत किया जायेगा किन्तु स्पष्टतम या अधिकतम दरों पर अभिदान के मामले में यह पूर्णकृत कमरा अपने उच्चतर या निम्नतर रुपये तक किया जायेगा।

5.1.2 यह पूरे रुपये में होगा।

5.2 इस नियम के प्रयोजन के लिये अभिदाता की परिलब्धियों में निम्नलिखित शामिल होंगे।

5.2.1 उस अभिदाता के मामले में जो पिछले वर्ष की 31 मार्च की सेवा में था वे परिलब्धियाँ जिनका कि वह उस तारीख को हकदार था, परम्पु

(i) यदि वह उक्त तारीख को छुट्टी पर हो और अपने उस छुट्टी के दौरान अभिदान न करने का विकल्प दिया हो या उस तारीख को निलंबनाधीन हो तो उसकी परिलब्धियाँ वे परिलब्धियाँ होंगी जिनका कि वह छुट्टी पर लौटने की तारीख को हकदार था।

(ii) यदि अभिदाता उक्त तारीख को भारत से बाहर प्रतिनियुक्ति पर हो या उक्त तारीख को छुट्टी पर हो और लगातार छुट्टी पर रहे और उसने उस छुट्टी के दौरान अभिदान करने का चयन किया हो तो उसकी परिलब्धियाँ वे परिलब्धियाँ होंगी जिनका कि वह भारत में छुट्टी पर होने के दौरान हकदार होता।

5.2.2 उस अभिदाता के मामले में जो पिछले वर्ष की 31 मार्च की सेवा में नहीं था वे परिलब्धियाँ जिनका कि वह अपनी सेवा के पहले दिन के बाद किसी तारीख की तिथि में शामिल हुआ होता वे परिलब्धियाँ जिनका कि वह उस तारीख को हकदार था।

5.3 इस प्रकार निर्धारित अभिदान की राशि को (क) वर्ष के दौरान दो बार बढ़ाया या (ख) वर्ष के दौरान किसी भी समय एक बार घटाया जा सकता है किन्तु जहाँ अभिदान की राशि इस प्रकार घटाई होती है तो यह नियम 5.1.1 के अधीन निर्धारित स्पष्टतम राशि से कम नहीं होगी।

5.4 किन्तु यह भी कि यदि कोई अभिदाता कैलेंडर मास की अवधि में अवैतन छुट्टी या अवैतन छुट्टी पर रहता है और उसने उक्त छुट्टी के दौरान अभिदान न करने का विकल्प दिया है तो अभिदान की राशि छुट्टी यदि कोई हो, सहित छुट्टी पर बिताये गये दिनों की संख्या के अनुपात में होगी।

5क अभिदान की वसूली

5.क.1. जब परिलब्धियाँ विश्वविद्यालय से प्राप्त की जाती हैं तो इन परिलब्धियाँ और पेणशियाँ की मूल राशि और ब्याज के कारण अभिदान की वसूली परिलब्धियों में से ही की जायेगी

5क.2. जब परिलब्धियाँ किसी अन्य स्रोत से प्राप्त की जाती हैं तो अभिदाता अपनी मामिक देखरेख वित्त अधिकारी को अवैतन करेगा।

किन्तु सरकार द्वारा नियमित स्वाभिव्यक्ति या नियंत्रित निकाय में प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले अभिदाता के मामले में अभिदान की राशि वसूल कर ली जायेगी और उसे उस निकाय द्वारा वित्त अधिकारी को अवैतन कर दिया जायेगा।

6 ब्याज

6.1 विश्वविद्यालय प्रत्येक अभिदाता के खाने में हर वर्ष उसी पर ब्याज जमा करेगा जो भारत सरकार ने अविष्य निधि (केन्द्रीय लिखित सेवा) नियम 1960 के अधीन अभिदाताओं के खाने में हर वर्ष जमा करने के लिए निर्धारित किया है।

6.2 ब्याज नीचे बताये गये से हर वर्ष अन्तिम दिन के क्रेडिट हो जायेगा

6.2.1 चालू वर्ष के दौरान प्राप्त कोई भी खास कम करके पिछले वर्ष की 31 मार्च को अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी राशि पर 12 महीने का ब्याज

6.2.2 चालू वर्ष के दौरान प्राप्त राशि पर—चालू वर्ष की की पहली अप्रैल से आहरण मास से पूर्व मास की अन्तिम तारीख तक का ब्याज

6.2.3 ब्याज की कुल राशि राशि को निकटतम रुपये में पूर्णकृत कर दिया जायेगा (50 पैसे और उससे अधिक पैसों को अपने उच्चतर रुपये तक पूर्णकृत कर दिया जायेगा)।

6.3 किन्तु जब कि अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी राशि देय हो गई हो तो इन उपनियम के अधीन उस पर केवल यथास्थिति चालू वर्ष के प्रारम्भ में या क्रेडिट की तारीख से अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी राशि के देय हो जाने की तारीख की अवधि का ब्याज क्रेडिट किया जायेगा।

6.4 इन नियम के प्रयोजन से परिलब्धियों में से वसूली के उस मास की पहली तारीख को क्रेडिट की तारीख समझा जायेगा जिस मास में यह क्रेडिट की गई और अभिदाता द्वारा परिलब्धियाँ अवैतन करने के मामले में यदि वे वित्त अधिकारी को मास की पाँच तारीख से पहले प्राप्त हुई हैं तो आगामी मास की पहली तारीख को क्रेडिट की तारीख समझा जायेगा।

6.5 सभी मामलों में भुगतान मास से ठीक पहले मास के अन्त तक या राशि देय होने के मास के बाद छठे मास के अन्त तक, इन अवधियों में से जो भी अवधि कम हो, अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी शेष राशि से संबंध में ब्याज का भुगतान किया जायेगा किन्तु उस तारीख के बाद किसी भी अवधि का कोई ब्याज नहीं दिया जायेगा जिस तारीख को वित्त अधिकारी ने अभिदाता या उसके एजेंट को भुगतान करने की तारीख की सूचना दी हो।

छ महीने से अधिक किन्तु एक वर्ष तक की अवधितक निधि यदि शेष राशि पर ब्याज का भुगतान करने का प्राधिकार वित्त अधिकार इस बात की तसल्ली करने के बाद दे सकता है कि भुगतान विलम्ब अभिदाता के नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण हुआ और ऐसे प्रत्येक मामले में प्रशासनिक विलम्ब की पूर्णतः जांच की जायेगी और अवैतन कार्यवाई की जायेगी।

6.6 जिन मामलों में मास की परिलब्धियाँ उसी मास के अन्तिम कार्य दिवस को प्राप्त व संबन्धित की जाती

है उनमें अभिदान की वसूली के मामले में क्रेडिट की तारीख आगामी सात की पहली तारीख समझी जायेगी।

6.7 यदि किसी मामले में यह पता चलता है कि किसी अधिकारी ने आहरण की तारीख को निधि में अपने क्रेडिट में पड़ी राशि से अधिक राशि आहरित कर ली है तो उसे उस अधिक आहरित राशि को ब्याज सहित एक मूल्य अदा करना होगा या चुक करने की स्थिति में उक्त राशि अभिदाता की परिवर्धियों में से एक मुक्त कटौती करके वसूल करने की प्रविष्टि दिये जायेगे। यदि वसूली जाने वाली कुछ राशि अभिदाता की परिवर्धियों की आधी राशि से अधिक हो तो ये वसूली उनकी परिवर्धियों के अधियों की मासिक किस्तों में तब तक की जायेगी जब तक कि ब्याज सहित संपूर्ण राशि न हो जाये। अधिक आहरित राशि पर ली जाने वाली ब्याज की दर 6.1 के अन्तर्गत निर्धारित की गयी है। प्रभाव्य सामान्य दर से 2.3 प्रतिशत अधिक होगी। अधिक आहरित राशि पर ब्याज की राशि को विश्वविद्यालय के राजस्व लेख में क्रेडिट किया जायेगा।

7 निधि से पेशगियां

7.1 उपकुलपति या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी निम्नलिखित शर्तों पर किसी भी अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी उनकी संपाज अभिदान की राशि में से निधि से पेशगी के भुगतान की मंजूरी दे सकता है

7.1.1 ऐसा कोई भी पेशगी तब तक मंजूर नहीं की जायेगी जब तक कि मंजूरकर्ता प्राधिकारी को यह तसल्ली न हो कि यह आवेदक की आर्थिक परिस्थितियों में उचित है और इसे निम्नलिखित उद्देश्य या उद्देश्यों पर खर्च किया जायेगा अन्यथा नहीं :

- (i) अभिदाता और उसके परिवार के सदस्यों की बीमारी के संबंध में हुए खर्च को अदा करने ;
- (ii) अभिदाता और उसके परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य या शिक्षा के कारण समुच्चर यात्रा खर्च का अदा करने ;
- (iii) हाई स्कूल के बाद शैक्षिक तकनीकी पेशे या व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिये भारत में बाहर उच्चतर शिक्षा और हाई स्कूल के बाद किसी विविधता इंजिनियर या अन्य तकनीकी या विविध पाठ्यक्रमों के लिए भारत से बाहर जाने के खर्च को पूरा करने बगैर कि उक्त अध्ययन पाठ्यक्रम तीन वर्ष के कम अवधि का न हो।

टिप्पणी :

उपखंड के अधीन हर छ. महीने में एक बार पेशगी लेने की अनुमति दी जायेगी।

- (iv) विवाहों, वाहसंस्कारों या ऐसे समारोहों के संबंध में आवेदक की हेमियत के अनुरूप आवश्यक खर्च को अदा करने जो उसे धर्मानुसार खर्च करना हो।
- (v) अपने पदवीय कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए, उसके द्वारा किये गये किसी कार्य या करने के लिये तात्पर्य किसी कार्य के संबंध में उसके विरुद्ध लगाये किसी आरोप के संबंध में अपनी स्थिति को निदोष ठहराने के लिए आवेदक द्वारा संरक्षित विधिक कार्यवाही के खर्च को पूरा करना ;

किंतु इस उपनियम के अधीन ऐसे किसी भी आवेदक को पेशगी स्वीकार्य नहीं होगी जिसने अपने पदवीय कर्तव्यों के अतिरिक्त किसी अन्य मामले के संबंध में या किसी सेवागर्त या उस पर लगाये गये जुमाने के संबंध में विश्वविद्यालय के विरुद्ध न्यायालय में विधिक कार्यवाहियां संस्थित की हों।

(vi) जब विश्वविद्यालय ने आवेदक के किसी अधिकृत पदवीय कर्तव्य के संबंध में स्थापना में उक्त विरुद्ध चुकाना किया हो तो अपने बचाव में मुकदमा चलाने के खर्च को पूरा करने ;

(vii) कोई मकान या फ्लैट का निर्माण करने या प्लॉट के खर्च को पूरा करने या दिल्ली विकास प्राधिकरण या राज्य आवास बोर्ड या भवन निर्माण सहकारी समिति को प्लॉट या फ्लैट के आवंटन के लिए भुगतान करने ;

(viii) शैक्षिक सम्मेलन विचार गोष्ठियों में उपस्थित होने या शैक्षिक तकनीकी कार्य के लिए आवेदक की विदेश यात्रा के खर्च को पूरा करने के लिए जब कि प्रबंधक बोर्ड ने इसके लिये अनुमति प्रदान की हो।

टिप्पणी :

प्रबंधक बोर्ड विशेष परिस्थितियों से किसी अभिदाता की मंजूरी दे सकता है बगैर कि बोर्ड को इस बात की तसल्ली हो कि संबंधित अभिदाता नियम 7.1.1 में उल्लिखित कारणों के अतिरिक्त किसी अन्य कारण से पेशगी चाहता है।

7.1.2 पेशगी निम्नलिखित अधिकतम सीमाओं से अधिक नहीं होगी :

- (i) जब मंजूरी नियम 7.1.1 के खंड (i) से (viii) में उल्लिखित उद्देश्यों तीन मास का वेतन में से किसी भी उद्देश्य के लिए होगी

किंतु शर्त यह होगी कि किसी भी स्थिति में पेशगी की राशि निधि में अभिदाता के क्रेडिट में पड़े संदस्य के संपाज अभिदान के 50 प्रतिशत से अधिक न हो।

7.1.3 (i) किसी भी अभिदाता को, विशेष कारणों के अलावा जितने लिखित रूप में दर्ज किया जायेगा, नियम 7.1.2 निर्धारित सीमा से अधिक या इससे पहले ली गई किसी भी पेशगी की अंतिम किस्त चुकाने तक, कोई पेशगी प्रदान नहीं की जायेगी।

(ii) जब इस नियम के अधीन पिछली किसी पेशगी की अंतिम किस्त चुकाने से पहले कोई पेशगी की वसूल न की गई शेष राशि को इस प्रकार मंजूर की गई पेशगी की राशि में जोड़ दिया जायेगा और समेकित राशि के अनुसार वसूली किस्तें निर्धारित की जायेंगी।

टिप्पणी :

इस अंक के अधीन पेशगी की मंजूरी उपकुलपति या ऐसे किसी अधिकारी द्वारा दी जायेगी जिसे इस संबंध में शक्तियां प्रत्यायोजित की गई हैं।

7.1.4 मंजूरकर्ता अधिकारी पेशगी प्रदान करने के कारण लिखित रूप में दर्ज करेगा। किंतु यदि कारण गोपनीय स्वरूप के हो तो वित्त अधिकारी को उनकी सूचना व्यक्तिगत रूप से और/या गोपनीय रूप से दी जायेगी।

7.1.5 यदि पेशगी नियम 7.1.1 के खंडों (i) से (viii) में उल्लिखित किसी भी उद्देश्य के लिए मंजूर की गई है तो पेशगी की राशि को अधिकतम 24 बराबर मासिक किस्तों में वसूल किया जायेगा। उन शेष मामलों में जहां पेशगी की राशि अभिदाता के तीन मास के वेतन से अधिक है, उनमें मंजूरकर्ता प्राधिकारी 24 किस्तों से अधिक किंतु किसी भी स्थिति में अधिकतम 36 किस्तें निर्धारित करेगा। प्रत्येक किस्त पूर्ण रूपों में होगी और इन किस्तों का निर्धारण करने के लिये पेशगी की राशि को यथावश्यक बड़ा या कम कर दिया जायेगा। कोई भी अभिदाता अपनी गर्जी में, पेशगी प्रदान करने के समय स्वीकार किस्तों से कम किस्तों में या एक मुक्त पेशगी चुका सकता है।

7.1.6 वसूली अभिदाता की परिलब्धियों में से की जायेगी और पेशगी प्रदान करने के बाद पहली बार उस मास से आरम्भ की जायेगी जिस मास में अभिदाता पूर्ण मास की परिलब्धियाँ आहरित करता है।

7.1.7 इस नियम के अधीन भी कोई वसूलियाँ निधि में अभिदाता के खाते में क्रेडिट कर दी जायेगी।

7.2 इन नियमों में दी गई किसी भी बात को बाधन्य यह मंजूरकर्ता प्राधिकारी को यह विश्वास हो कि नियम 7.1 के अधीन निधि से पेशगी के रूप में आहरित राशि का इस्तेमाल उस प्रयोजन से इतर किसी और प्रयोजन के लिए किया जा रहा है जिसके लिए यह राशि आहरित की गई थी। अभिदाता को प्रत्येक राशि निधि में वापस करनी होगी या चुक करने की स्थिति में अभिदाता की परिलब्धियों में से एक मुश्त कटौती वसूल करने का आदेश दिये जायेगे, यदि वापस का जाने वाली कुल राशि अभिदाता की परिलब्धियों का आधी राशि से अधिक है तो उसकी परिलब्धियों के अधीन की मासिक किस्तों में, पूर्ण रकम वसूल हो जाने तक वसूल की जायेगी।

टिप्पणी :

इस नियम में प्रयुक्त "परिलब्धियाँ" अभिव्यक्ति में उसके अभिकथित कवचार के संबंध में जांच होने तक कर्मचारी के निलंबन के मामलों में प्रवृत्ति बाधक नहीं है।

8.1 इसमें विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन निधि के आहरणों की मंजूरी उपकुलपति या ऐसा कोई भी अधिकारी प्रदान करेगा जिसे इस संबंध में किसी भी समय शक्तियाँ प्रत्यायोजित की गई हों।

(क) अभिदाता की 20 वर्ष की सेवा (इसमें सेवा की भावना अवधियाँ भी शामिल हैं यदि कोई हों) के बाद या अधिदाता पर उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख से पहले 10 वर्षों के भीतर, इनमें से जो भी पहले हो, निम्नलिखित किसी एक या अधिक प्रयोजनों के लिए निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी राशि में से—

(क) निम्नलिखित मामलों में अभिदाता या अभिदाता के किसी बच्चे की उच्च शिक्षा, जिसमें यथावश्यक उनके यात्रा खर्च भी शामिल हैं, के खर्चों को पूरा करने के लिए, जैसे :—

(i) हाई स्कूल के बाद शैक्षिक तकनीकी, पेशेवर या व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए भारत से बाहर शिक्षा के प्रयोजन के लिए, और

(ii) हाई स्कूल के बाद भारत में ही किसी चिकित्सा, इंजीनियरी या अन्य तकनीकी या विशिष्ट पाठ्यक्रम के लिए

(ख) अभिदाता या उसके पुत्रों या पुत्रियों और ऐसी किसी भी महिला संबंधी, जो वस्तु उस पर आश्रित हो, की सगाई/विवाह से संबंधित खर्च को पूरा करने के लिए।

(ग) अभिदाता और उसके परिवार के सदस्यों या किसी भी व्यक्ति को, जो वस्तुतः उस पर आश्रित हो, की बीमारी, जिसमें यथावश्यक उनके यात्रा खर्च भी शामिल हैं, से संबंधित खर्च को पूरा करने के लिए।

(घ) अभिदाता की सेवा के दस वर्ष पूरे हो जाने के बाद (इसमें सेवा की भावना अवधियाँ, यदि कोई हों, भी शामिल हैं) या अधिदाता पर उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख से 10 वर्षों के भीतर, इनमें से जो भी पहले हो, निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी राशि में से, निम्नलिखित किसी एक या अधिक प्रयोजनों के लिए आहरण कर सकता है—

(क) अपने रहने के लिए उपयुक्त मकान बनाने या बना-बनाया फ्लैट लेने के लिए जिसमें स्थान की कीमत भी शामिल है।

(ख) अपने रहने के लिए उपयुक्त मकान बनाने या बना-बनाया फ्लैट लेने के लिए स्पष्टतः लिए गए कर्ज की बकाया राशि को चुकाने के लिए।

(ग) अपने रहने के लिए मकान बनाने के लिए जमीन खरीदने या इस प्रयोजन के लिए स्पष्टतः लिखे गए कर्ज की बकाया राशि को चुकाने के लिए।

(घ) अभिदाता द्वारा पहले से लिये या अर्जित मकान में पुनर्निर्माण कराने या उसमें परिवर्धन या परिवर्तन करने के लिए।

(ङ) झूटी के स्थान के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर अपने पूर्वजों के मकान में या झूटी के स्थान के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर विश्वविद्यालय से ली गयी सहायता से बनाये मकान में पुनर्निर्माण कराने परिवर्धन या परिवर्तन या उसकी मरम्मत कराने के लिए।

(च) खंड (ग) के अधीन खरीदी गई जमीन पर मकान बनाने के लिए।

(ग) अभिदाता की सेवा निवृत्ति की तारीख से 6 महीने पहले कृपि योग्य या कारोबार परिरक्षक या दोनों लेने के लिए।

(घ) एक वित्त वर्ष के दौरान एक बार, स्वयं वित्त पोषण और अंशदायी आधार पर यदि कोई हो, विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिय समूह योजना के लिए अभिदाता द्वारा प्रदत्त यह वर्ष के अभिदान के समकक्ष राशि।

टिप्पणी-1

जिस अभिदाता ने विश्वविद्यालय स्रोतों से मकान बनाने के प्रयोजन से पेशगी ले ली हो, वह नियम 8.2 में विनिर्दिष्ट सीमा के अध्याधीन उसमें विनिर्दिष्ट प्रयोजनों और विश्वविद्यालय से लिए किसी ऋण को चुकाने के प्रयोजन से भी खंड 'ख' के खंड (क), (ख), (ग) और (घ) के अधीन अंतिम आहरण पाने का हकदार होगा।

यदि किसी अभिदाता का कोई पुराना मकान या विश्वविद्यालय से लिए ऋण की सहायता से, अपने झूटी के स्थान के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर बनाया हुआ मकान है तो वह अपनी झूटी के स्थान पर कोई दूसरा मकान बनाने या बना बनाया मकान लेने या मकान बनाने के लिए जमीन खरीदने के लिए, खंड 'ख' के खंड (क), (ग) और (घ) के अधीन अंतिम आहरण करने का हकदार होगा।

टिप्पणी-2

खंड (ख) के खंड (क), (घ), (ङ) या (च) के अधीन आहरण की मंजूरी केवल बनाये जाने वाले या परिवर्तन किये जाने वाले मकान का नक्शा प्रस्तुत करने के बाद और केवल उन मामलों में ही दी जायेगी जहाँ नक्शे की वस्तुतः अनुमोदित कराया जाता हो और ये उस क्षेत्र के स्थानीय नगर निकाय द्वारा विधिवत अनुमोदित कराई जायेगी जहाँ वह जमीन या मकान स्थित हो।

टिप्पणी-3

खंड 'ख' के उपखंड (ख) के अधीन स्वीकृत आहरण की राशि, पिछले आहरण की राशि घटाकर खंड (घ) के अधीन किये गये पिछले आहरण की राशि सहित आवेदन की तारीख की बकाया राशि के 3/4 भाग से अधिक नहीं होगी। इस संबंध में यह फांसी अपनाया जायेगा

पिछले आहरण (आहरणों) की राशि घटाकर शेष राशि का 3/4 भाग जो उस तारीख को बकाया थी जमा संबंधित मकान के लिये ली गई आहरण (आहरणों) की राशि।

टिप्पणी-4

जिन मामलों में मकान की अर्जन या मकान परत/पति की नाममें है उनमें खंड 'ख' के उपखंड (ख) या (घ) के अधीन आहरण की भी अनुमति होगी बशर्त कि वह अभिदाता द्वारा किए गए नामांकन में भविष्य निधि राशि प्राप्त करने की/का नामित हो।

टिप्पणी-5

नियम 8.1 के अधीन उसी प्रयोजन के लिये केवल एक बार आहरण करने की अनुमति दी जायेगी। किंतु अलग-अलग बच्चों के विवाह/शिक्षा या समय-समय पर बीमारी को एक ही प्रयोजन नहीं समझा जायेगा। उसी मकान को पूरा करने पर खंड "ख" के खंड (क) या (घ) के अधीन दो बार या उसके बाद आहरण करने की अनुमति टिप्पणी 3 के अधीन निर्धारित सीमा तक दी जायेगी।

टिप्पणी-6

यदि कोई पेशगी एक ही प्रयोजन के लिये और एक ही समय में नियम 7 के अधीन मंजूरी की जाती है तो नियम 8.1 के अधीन आहरण की मंजूरी नहीं दी जायेगी।

8.2 आहरण की शर्तें

8.2.1 नियम 8.1 में विनिर्दिष्ट एक या अधिक प्रयोजनों के लिये एक बार में किसी अभिदाता द्वारा निधि में अपने क्रेडिट में पड़ी राशि में से आहरित राशि साधारणतया इस रकम के आधे या अभिदाता के (छ: मास) के वेतन से अधिक नहीं होगी। किंतु उपकुलपति या मंजूरकर्ता प्राधिकारी (i) आहरण करने के उद्देश्य (ii) अभिदाता की हैसियत और (iii) निधियों में उनके क्रेडिट में पड़ी राशि को ध्यान में रखते हुए इन सीमाओं से अधिक निधि में उनके क्रेडिट में पड़ी शेष राशि के 3/4 भाग तक राशि आहरित करने की मंजूरी दे सकता है।

8.2.2 किंतु किसी भी स्थिति में उप नियम 8.1 के खंड "ख" में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिये आहरण की अधिकतम राशि भवन निर्माण प्रयोजनों के लिये पेशगिया प्रदान करने के लिए समय-समय पर निर्धारित अधिकतम सीमा से अधिक नहीं होगी।

8.2.3 जिस अभिदाता ने विश्वविद्यालय की भवन निर्माण कर्जा योजना के अधीन पेशगी ले ली हो, भवन निर्माण प्रयोजन के लिये विश्व-विद्यालय की उक्त योजना के अधीन लिये गये अधिम सहित इस उप-नियम के अधीन आहरित राशि भवन निर्माण प्रयोजनों के लिये पेशगी प्रदान करने की निर्धारित अधिकतम राशि अधिक नहीं होगी।

8.3 जिस अभिदाता को इस नियम के अधीन निधि में से राशि आहरित करने की अनुमति दी गई है वह उसके द्वारा विनिर्दिष्ट संमुचित अवधि के भीतर उपकुलपति या मंजूरकर्ता प्राधिकारी को यह विश्वास दिलायेगा कि राशि का उपयोग उन्नी प्रयोजन पर किया गया जिसके प्रयोजन के लिये यह आहरित की गई थी। और यदि वह ऐसा करने में असमर्थ रहता है तो इस प्रकार आहरित संपूर्ण राशि या वह राशि जिसे उस प्रयोजन के लिये यह आहरित की गई थी, एक मुक्त चुका दी जायेगी और ऐसे भुगतान में धूक करने पर कुलपति या मंजूरकर्ता प्राधिकारी इस राशि को उसकी परिस्थितियों में से एक मुक्त या प्रबंधक बोर्ड द्वारा यथा-निर्धारित मासिक किस्तों में वसूल की जायेगी।

8.4 जिस अभिदाता को इस नियम के उपनियम 8(i) के खंड "ख" के उपखंड (ख) या उपखंड (घ) के अधीन निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी अभिदान की सव्याज राशि में से राशि आहरित करने की अनुमति दी गई है, उससे इस

प्रकार निमित्त या लिये गये मकान या बिक्री बंधक (विश्वविद्यालय के उपकुलपति को बंधक करने के अलावा) या उपहार के रूप में खरीदी गई जमीन का कब्जा उपकुलपति की पूर्वानुमति के बिना छीना नहीं जायेगा। उसमें मंजूरकर्ता प्राधिकारी की पूर्वानुमति के बिना अधिकतम तीन वर्ष की अवधि के पट्टे या विनियम के रूप में भी इस मकान या जमीन कब्जा छीना नहीं जायेगा। अभिदाता हर वर्ष 31 दिसम्बर तक इस आशय की एक घोषणा प्रस्तुत करेगा कि कान या यथास्थिति जमीन उसके कब्जे में है और यदि आवश्यक हो तो मंजूरकर्ता प्राधिकारी के समक्ष उक्त अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट तारीख तक या उससे पहले इस संबंध में मूल बिक्री बिलेख और अन्य ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत कर देगा जिनसे संपत्ति पर उसके हक का पता चले।

8.5 यदि सेवानिवृत्ति से पहले किसी भी समय वह यथास्थिति विश्वविद्यालय के उपकुलपति या मंजूरकर्ता प्राधिकारी की पूर्वानुमति लिये बिना मकान या जमीन का कब्जा छोड़ देना है तो अभिदाता आहरित राशि निधि में एक मुक्त चुका देगा और इस राशि को चुकाने में चु करने पर मंजूरकर्ता प्राधिकारी यह राशि उसकी परिस्थितियों में से एक मुक्त या उपकुलपति या मंजूरकर्ता प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित मासिक किस्तों में वसूल के आदेश देगा। इस नियम के प्रयोजन के लिये सेवार्थी का निर्धारण करते समय किसी दूसरे केंद्र/राज्य विश्वविद्यालय राज्य/केंद्रित सरकार या केंद्र सरकार के किसी स्वायत्त निकाय में की गई निरंतर सेवा को भी गिना जायेगा।

8.6 जिस अभिदाता ने उपनियम 8.1 में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों में से किसी प्रयोजन के लिये नियम 7 के अधीन कोई पेशगी पहले आहरित कर ली है या भविष्य में आहरित करेगा तो वह मंजूरकर्ता प्राधिकारी को लिखित अनुरोध करके अपनी मर्जी से बकाया राशि को अंतिम आहरण में परिवर्तित कर सकता है बशर्त कि वह नियम 8.1 और 8.2 में निर्धारित शर्तें पूरी करता है।

9. निधि में संचित राशि का अंतिम आहरण

9.1 जब कोई अभिदाता विश्वविद्यालय की सेवा छोड़ता है तो निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी राशि उसे देय हो जायेगी।

9.1.1 किंतु जिस अभिदाता को विश्वविद्यालय की सेवा में पदच्युत कर दिया गया हो और बाद में वह सेवा में बहाल हुआ गया हो तो यदि वह इस नियम के अनुसरण में यथा उपबंधित ढंग से इन नियमों में उप बंधित दर पर व्याज सहित निधि में से उसे प्रदान कोई भी राशि चुकाना चाहे तो वह उसे चुका देगा। इस प्रकार चुकाई गई राशि को निधि में उसके खाते में क्रेडिट कर दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण

जिस अभिदाता को अस्थायी छुट्टी मंजूर की गई हो उसके संबंध में यह समझ लिया जायेगा कि उसने आवश्यक सेवानिवृत्ति की तारीख से या सेवा बढ़ाने की अवधि समाप्त अवधि होने पर सेवा छोड़ दी है।

10 अभिदाता की सेवानिवृत्ति

10.1 जब कोई अभिदाता (क) सेवानिवृत्ति पूर्व छुट्टी पर चला गया हो या (ख) उसे छुट्टी पर रहने के दौरान सेवानिवृत्ति होने की अनुमति प्रदान कर दी गई हो या विश्वविद्यालय के परामर्शी चिकित्सा अधिकारी या इस संबंध में प्रबंधक बोर्ड द्वारा निर्धारित यथम चिकित्सा प्राधिकारी ने उसे आगे सेवा करने के अनुपयुक्त घोषित कर दिया हो तो निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी राशि इस संबंध में वित्त अधिकारी को आवेदन करने पर अभिदाता को देय हो जायेगी।

10.1.1 किंतु यदि कोई अभिदाता इसी पर लौट आता है और यदि वह इस नियम का अनुसरण करने हुए निधि में से उक्त प्रदान कोई

राशि पूर्णतः या अंशतः अपने खाते में जमा करना चाहे तो वह उसे उपबंधित वर पर व्याज सहित उन कुनवनि या मंजूरकर्ता प्राधिकारी के निदेशानुसार किस्तों में अपनी परिस्थितियों में से अन्यथा वसूली द्वारा या अन्यथा निधि में जमा करा देगा।

11. अभिदाता की मृत्यु हो जाने की स्थिति में कार्य विधि

11.1 अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी राशि देय हो जाने से पहले या राशि देय हो जाने किन्तु भुगतान से पहले उनकी मृत्यु हो जाने की स्थिति में :

11.1.1 जब अभिदाता का परिवार मौजूद हो:-

(क) यदि नियम 1.1 या उसके पहले प्रभावी तदनुवर्ती नियमों के उपबंधों के अनुसार अभिदाता द्वारा अपने परिवार के किसी सदस्य या सदस्यों के नाम में किया गया नामांकन मौजूद है तो निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी राशि या उसका कोई भाग जिसके संबंध में नामांकन है, नामांकन में विनिर्दिष्ट अनुपात में नामिती या नामितियों को देय हो जाएगी।

(ख) यदि अभिदाता के परिवार के किसी सदस्य या सदस्यों के नाम में ऐसा कोई नामांकन मौजूद नहीं है या यदि ऐसा नामांकन निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी राशि के केवल कुछ भाग के संबंध में ही है तो यथास्थिति संपूर्ण राशि या वह आंशिक राशि, जिसके संबंध में कोई नामांकन नहीं है उसके परिवार के किसी सदस्य या सदस्यों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के नाम में नामांकन होने के बावजूद भी उसके परिवार के सदस्यों को बराबर के हिस्सों में देय हो जाएगी।

किन्तु निम्न को उस राशि का कोई हिस्सा नहीं दिया जाएगा :

- जो पुत्र बालिग हो गए हो
- मृत पुत्र के बालिक पुत्र,
- विवाहित पुत्रियां जिनके पति जीवित हैं,
- मृत पुत्र की विवाहित पुत्रियां जिनके पति जीवित हैं।

यदि खंड (i), (ii), (iii) और (iv) में विनिर्दिष्ट सदस्यों के अतिरिक्त परिवार का कोई अन्य सदस्य।

किन्तु यह भी कि मृत पुत्र की विधवा या विधवाएं और बच्चा या बच्चे उस पुत्र के केवल उस हिस्से में बराबर के भागीदार होंगे जो उसे अभिदाता की मृत्यु के बाद में प्राप्त होता और यदि उसे प्रथम परस्त्रुक्त के खंड 1 के उपबंधों में छूट मिल जाती।

11.1.2 जब अभिदाता का कोई परिवार न हो:- यदि नियम 11 या इसके पहले प्रभावी तदनुवर्ती नियमों के उपबंधों के अनुसार, अभिदाता द्वारा किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के नाम में किया गया नामांकन मौजूद है तो निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी राशि या उसका कोई भाग, जिससे नामांकन संबंधित है, नामांकन में विनिर्दिष्ट अनुपात में उसके नामिती या नामितियों को देय हो जाएगा।

12. जमा बचत से जुड़ी बीमा योजना :

12.1 सेवा के दौरान किसी अभिदाता की मृत्यु हो जाने पर, अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी राशि का पाने का कि हकदार व्यक्ति को विल अधिकारी निम्नलिखित शर्तें पूरी करने पर कर्मचारी की मृत्यु से ठीक पहले तीन वर्षों के दौरान निधि में मृतक के खाने में पड़ी औसत बकाया राशि के बराबर अतिरिक्त राशि भुगतान करेगा :

(क) कर्मचारी के खाने में मध्याह्न अभिदान दशानि वाली जेब राशि, उसकी मृत्यु की तारीख से ठीक पहले तीन वर्षों के दौरान किसी भी समय, निम्नलिखित सीमाओं से कम नहीं होनी चाहिए :-

(1) शिक्षक, सहायक रजिस्ट्रार और समकक्ष और 4,000/- रु. अधिक वेतनमान के कर्मचारी

(2) अनुभाग अधिकारी और समकक्ष वेतनमान 2,500/- रु. के अन्य कर्मचारी

(3) (i) और (ii) में उल्लिखित कर्मचारियों 1,500/- रु. के अलावा अन्य कर्मचारी

(4) ऐसे वेतनमान के निम्न अधीनस्थ कर्मचारी 1,000/- रु. जिनके वेतनमान का अधिकतम 1.151 रु. और उससे कम हो

(ख) इस नियम के अधीन देय अतिरिक्त राशि 10,000/- रु. से अधिक नहीं होगी।

(ग) यह लाभ केवल तभी दिया जाएगा यदि मृत्यु के समय अभिदाता ने कम से कम पांच वर्षों की सेवा पूरी कर ली हो।

13. लेखा विवरण

13.1 वित्त अधिकारी प्रत्येक अभिदाता को हर वर्ष 31 मार्च के बाद यथाशीघ्र निधि में उसके खाने का विवरण भेजेगा जिसमें वर्ष की पहली अप्रैल को आरंभ वर्ष के दौरान जमा या निकाली गई कुल राशि, वर्ष की 31 मार्च को जमा की गई व्याज की कुल राशि और उस तारीख की अन्तः जेब दिखाया जाएगा। वित्त अधिकारी लेखा विवरण के साथ यह प्रश्न भी संलग्न करेगा कि क्या अभिदाता:-

(क) किण्ण नामांकन में कोई परिवर्तन करना चाहता है,

(ख) का परिवार बन गया है। उन मामलों में जहां अभिदाता ने नियमों के अधीन अपने परिवार के नाम में कोई नामांकन न किया हो।

13.1 अभिदाता को वार्षिक विवरण का यथावश्यकता के संबंध में अपनी पूर्ण तसल्ली कर लेनी चाहिए और यदि कोई अनुश्रुति हो तो उसकी सूचना विवरण प्राप्त होने की तारीख से छः महीने के भीतर वित्त अधिकारी को देनी चाहिए।

13.3 वित्त अधिकारी अभिदाता को उस मास के अन्त तक, जिस मास तक का खाता निष्ठा गया है, निधि में उसके क्रेडिट में पड़ी कुल राशि की सूचना देगा बशर्ते कि अभिदाता ने इसकी मांग की हो। सूचना वर्ष में एक बार दी जाएगी बार-बार नहीं।

14. निधि का निवेश :

14.1 नियमों के अधीन निधि में प्रवेश सभी एकमें विश्वविद्यालय के खाने में विश्वविद्यालय का सामान्य भविष्य निधि खाता नामक लेखों में क्रेडिट की जाएगी। प्रबंधक बोर्ड के निदेशानुसार बताए गए से ऐसे अनुसूचित बैंक में में एक जमा खाता खोल दिया जाएगा जिसका निर्णय समय-समय पर विश्वविद्यालय करेगा। वर्तमान आवश्यकताओं के लिए समुचित राशि आरक्षित रखने के बाद निधि की जेब को मासिक खाने बंद करने के बाद यथाशीघ्र राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों और या 1832 के भारतीय व्याज अधिनियम की धारा 20 के अन्तर्गत अपने बाले अन्य निदेशों में लगाया जाएगा। उपरोक्त निदेशों से प्राप्त व्याज को विश्वविद्यालय के राजस्व लेखों में प्राप्ति के रूप में जमा किया जाएगा।

14.2 जितने एककों का भुगतान इन नियमों के अधीन उनके देय हो जाते के बाद छः महीनों के भीतर नहीं किया गया है, उन्हें वर्ष के अन्त में "जमा" में अर्जित कर दिया जाएगा और उन पर जमा से संबंधित साधारण नियमों के अर्थात् कार्रवाई की जाएगी।

15. अलग-अलग मामलों में नियमों के उपबंधों में होन

जय प्रबंधक बोर्ड को यह विश्वास हो कि इन नियमों में से किसी नियम के लागू होने में किसी अभिदाता को कठिनाई नहीं है या होने की संभावना है तो बोर्ड को इन नियमों में किसी बात के बावजूद भी ऐसे अभिदाता के मामले पर हम हंग से कार्रवाई जो 'उचित और माम्या-पूर्ण' (Equitable) हो।

16. विश्वविद्यालय के कर्मचारियों पर इन नियमों को लागू करने समय सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियम, 1960 के संबंध में भारत सरकार द्वारा विण, गण, स्पष्टीकरण या विनियमों पर विचार किया जाएगा।

17. (क) पेशगियों/आणिक/अन्तिम आहरण/भविष्य निधि में शेष राशि के अन्तिम भुगतान के आवेदन (ख) आहरणों की संजुरी (ग) पेशगी का अन्तिम आहरण में परिवर्तन (घ) सामान्य सूचक रजिस्टर (ङ.) भविष्य निधि खाता पुठ (च) या. न. नि. आदि की साठ शीट के फार्म प्रबंधक बोर्ड द्वारा यथानिर्धारित रूप में होने।

परिच्छेद II

पेंशन

18.1 ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जिस पर परिशिष्ट 'क' के इस परिच्छेद के उपबंध लागू होते हैं इसमें इसके बाद बताए नियमों के अनुसार पेंशन पाने का हकदार होगा।

18.2 नीचे निर्धारित पेंशन की श्रेणियों पर लागू होने वाली शर्तों के अध्यधीन कोई भी कर्मचारी तब तक पेंशन पाने का हकदार नहीं होगा जब तक कि उसने विश्वविद्यालय में कम से कम दस वर्ष की अर्हक सेवा पूरी न की हो, किन्तु वह न्यूनतम आयु जिसके बाद की सेवा को पेंशन के लिए गिना जाता है, छठारह वर्ष होगी। यदि अर्हक सेवा दस वर्षों से कम रहती है तो सेवा की हर पूरी छमाही के संबंध में स्वीकार्य उपदान आधे मास की परिणधियों की एक समान दर पर परिकलित किया जाएगा। जो अस्थायी कर्मचारी अधिवापिता पर सेवानिवृत्त हुए हों या जिन्हें 18 वर्ष सेवा करने के बाद उपयुक्त चिकित्सा प्राधिकारी ने आगे और सेवा करने के लिए स्थायी रूप से अक्षम घोषित कर दिया हो वे स्थायी नियोजन में स्वीकार्य मान पर पेंशन पाने के हकदार होंगे।

19.1 कोई भी कर्मचारी मामले की परिस्थितियों के आधार पर निम्नलिखित में से किसी भी श्रेणी के पेंशन पाने का हकदार होगा बशर्ते उसने न्यूनतम अर्हक सेवा कर ली हो--

(क) प्रतिपूरक पेंशन--यदि कोई कर्मचारी कोई स्थायी पद समाप्त होने के कारण सेवानिवृत्त हुआ हो और उसे कोई बैकल्पिक नौकरी सेना संभव नहीं या उसे कोई निम्न पद दिया गया हो किन्तु उसने उसे स्वीकार न किया हो तो उसे नीचे नियम 20 में निर्धारित मान पर प्रतिपूरक पेंशन प्रदान की जाएगी।

(ख) अशक्तता पेंशन--नीचे नियम 20 में निर्धारित मान पर अशक्तता पेंशन ऐसे किसी भी कर्मचारी को ऐसी स्थायी शारीरिक या मानसिक अशक्तता के लिए विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त होने पर प्रदान की जाएगी जिसके कारण वह आगे सेवा करने के अयोग्य हो गया है बशर्ते कि प्रबंधक बोर्ड द्वारा यथानिर्धारित सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी ने उसे अयोग्य प्रमाणित किया हो।

अशक्तता पेंशन पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी के संबंध में अशक्तता पेंशन की राशि, इस परिशिष्ट के परिवार पेंशन के उप नियम 32.9 के अधीन स्वीकार्य परिवार पेंशन की राशि से कम नहीं होगी।

(ग) अधिवापिता पेंशन--अधिवापिता पेंशन उस कर्मचारी को प्रदा की जाएगी जो सेवानिवृत्ति की आयु होने के बाद सेवा से निवृत्त हुआ हो।

(घ) सेवानिवृत्ति पेंशन--सेवा निवृत्ति पेंशन उस कर्मचारी को प्रदान की जाएगी जिसे अर्हक सेवा के 20 वर्ष पूरे करने के बाद सेवानिवृत्ति होने की अनुमति मिली हो या अधिवापिता की आयु से पहले ही समय पूर्व सेवानिवृत्त हो गया हो।

किन्तु अर्हक सेवा के 20 वर्ष पूरे होने के बाद किन्तु अधिवापिता की आयु पूर्ण करने से पहले सेवानिवृत्त होने की दिवस में संश्लिप्त कर्मचारी इस संबंध में रजिस्ट्रार उस तारीख से कम से कम तीन महीने पहले एक लिखित नोटिस देगा, जिस तारीख को वह सेवानिवृत्त होना चाहता हो।

20.1 ऊपर उल्लिखित श्रेणियों में से किसी भी श्रेणी के अधीन पेंशन के लिये हकदार किसी भी कर्मचारी को कम से कम 30 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी करने के बाद, उसकी शीतल परिणधियों के 60 प्रतिशत पर मासिक पेंशन परिकलित की जायेगी बशर्ते कि वह न्यूनतम 3151-रु. प्रति मास और अधिकतम 4500-रु. प्रतिमाह हो। जिस कर्मचारी ने सेवानिवृत्ति के समय तक 10 वर्ष या उससे अधिक किन्तु 33 वर्ष से कम की अर्हक सेवा की है तो उसकी पेंशन की राशि उसकी अधिकतम अर्हक सेवा की 33 वर्ष की सेवा मानने हुए अधिकतम स्वीकार्य पेंशन के अनुपात में निर्धारित की जाएगी।

20.2 20 वर्ष की पूरी सेवा करने के बाद स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति के मामले में कर्मचारी की अर्हक सेवा में 5 वर्ष के लाभ और बहा दिये जायेंगे बशर्ते कि

(क) लाभ सहित कुल अर्हक सेवा 33 वर्ष से अधिक न हो।

(ख) यह अर्हक कर्मचारी के सामान्यतया अधिवापिता की तारीख के बाद न पड़ती हो।

(ग) सेवा का लाभ मिलने से कोई कर्मचारी, पेंशन और उदात्ता का परिकलन करने के प्रयोजनों के लिये, किसी कालान्तरिक वेतन के निर्धारण का हकदार नहीं हो जायेगा।

यह उपनियम ऐसे किसी भी कर्मचारी पर लागू नहीं होगा या किन्तु स्वायत्त निकाय या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में स्थायी तौर पर खराबि जाने के कारण विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त हुआ हो।

21. पेंशन का रूपान्तरण

किसी भी कर्मचारी को नीचे विनिर्दिष्ट शर्तों के अन्तर्गत, उसे अवल पेंशन की अधिकतम एक तिहाई राशि की एक भुण अदायगी से के लिय उसे संपादनित कराने की अनुमति होगी।

(i) प्रतिकर पेंशन, अधिवापिता या सेवानिवृत्ति पेंशन पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के मामलों के मित्या (हमें किसी निकाय या स्वायत्त निकाय में या उसके अधीन खपा लिये जाने वाले और मासिक पेंशन प्राप्त करने का विकल्प देने वाले कर्मचारी भी शामिल हैं) बोर्ड द्वारा निर्धारित सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी के चिकित्सा प्रमाणपत्र के बिना कोई रूपान्तरण मंजूर नहीं किया जायेगा बशर्ते कि रूपान्तरण का आवेदन सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर न किया गया हो।

(ii) रूपान्तरण पर एक मश राशि का परिकलन भारत सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों के लिये निर्धारित मूल्य की तालिका के अनुसार किया जायेगा और आवेदक पर उस तारीख से लागू होगा जिस तारीख को रूपान्तरण अर्थात् होता है।

(iii) पेंशन का रूपान्तरण रजिस्ट्रार द्वारा निर्धारित फार्म में आवेदन प्राप्त होने की तारीख को या सेवानिवृत्ति की तारीख के

अगले दिन, इनमें जो भी बाद में हो प्रसूत हो जाये। जिस चिकित्सा जांच के बाद स्वास्थरूप के मामले में यह तारीख वह तारीख होगी जिस तारीख को चिकित्सा अधिकारी ने चिकित्सा प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किये हैं।

(iv) रूपान्तरण के कारण पेंशन की राशि में कमी उक्त तारीख से लागू होगी जिस तारीख को पेंशन की रूपान्तरित राशि प्राप्त हुई है या पेंशन के रूपान्तरित मूल्य की अदायगी के लिए वित्त अधिकारी द्वारा प्राप्ति जारी करने के बाद तीन मास समाप्त हो जाने पर इनमें से जो भी बाद में हो, हम राशि में कमी की जाएगी।

22. विश्वविद्यालय के जिन पेंशनभोगियों ने अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख से 15 वर्ष पूरे कर लिये हैं उनकी पेंशन के रूपान्तरित भाग को पुनः स्थापित हो जाएगा।

23. विश्वविद्यालय के जो कर्मचारी केन्द्र/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/स्वायत्त निकायों में भ्रष्टाचार गये हैं और जिन्होंने अपनी पेंशन के रूपान्तरित एक तिहाई भाग या पेंशन का 1/3 भाग रूपान्तरित करने के बाद बाकी बर्षा पेंशन की शेष राशि के रूपान्तरित मूल्य के बराबर सेवानिवृत्ति लाभ प्राप्त कर लिये हैं या प्राप्त करने का विकल्प दिया है वे विश्वविद्यालय के पेंशन की भाग न रहने के कारण नियम 22 के अधीन कोई लाभ पाने की हकदार न होंगे।

24. उपर नियम 22 में हकदार प्रत्येक पेंशनभोगी को विधिवत पूर्ण निर्धारित फार्म में, विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी को आवेदन करना होता है जो पेंशन के रूपान्तरित भाग को पुनः स्थापित करेगा बशर्ते कि रूपान्तरित राशि का उल्लेख पेंशन अदायगी आदेश में किया गया हो और यदि कोई अकाया राशि है तो उसका भी भुगतान करेगा।

परिच्छेद III

उपदान

25.1 जिस कर्मचारी ने विश्वविद्यालय में ग्रहक सेवा के पांच वर्ष पूरे कर लिए हैं और जो उप नियम 18.1 और 18.2 के अधीन सेवा उपदान या पेंशन के लिए हकदार हो गया है या जो अस्थायी कर्मचारी 10 वर्ष की सेवा करने के बाद अधिवापिता दर पर अक्षम हो जाने पर सेवा निवृत्त हो गया है, उसे सेवा निवृत्ति होना पर नियम 26 में उल्लिखित मान के अनुसार सेवा निवृत्ति उपदान भी प्रदान किया जाएगा। उसकी मृत्यु हो जाने की स्थिति में यह उपदान मृतक के नामितों या नामितियों को (फार्म II और IIक में) निर्धारित ढंग से दिया जाएगा। विश्वविद्यालय की सेवा से इस्तीफा देने या पदत्याग होने या कवाचार दिवानिया या अप्रिय जो उम्र के कारण ही है, हो जाने के कारण सेवा से निष्कासित किये जाने पर कोई उपदान नहीं दिया जाएगा।

25.2 यदि ऐसा कोई नामांकन न हो या किया गया नामांकन मौजूब न हो तो उपदान नीचे बताये ढंग से अदा किया जाएगा।

(क) यदि नीचे उल्लेख (कक), (खख), (गग) और (घघ) में उल्लिखित परिवार के एक या अधिक उत्तरजीवी सदस्य हो तो सभी सदस्यों का बराबर बराबर हिस्सों में—

(कक) पुरुष कर्मचारी के मामले में पत्नी और पत्नियां,

(खख) महिला कर्मचारी के मामले में पति,

(गग) पुत्र हममें से जिनके पुत्र और दत्तक पुत्र भी शामिल हैं,

(घघ) अधिवाहित पुत्र से हममें से जिनके और दत्तक पुत्रियां भी शामिल

(ख) यदि ऊपर उल्लेख (क) से उल्लिखित परिवार का ऐसा कोई सदस्य घोषित न हो किन्तु नीचे उल्लेख (क) (खख) (गग) (घघ) (ङङ) (चच) और (छछ) में उल्लिखित एक या अधिक सदस्य हो तो सभी सदस्यों का बराबर हिस्सों में

(कक) विधवा पुत्रियां एवं सौतेली पुत्रियां और दत्तक पुत्रियां भी शामिल हैं,

(खख) पिता अथवा अलग मामलों में अनाथे गए माता पिता

(गग) माता जिनकी स्वीय विधि में दत्तक ने की अदायगी हो

(घघ) 18 वर्ष की आयु से कम आयु के भाई हममें से जिनके भाई भी शामिल हैं।

(ङङ) अधिवाहित बहनें और विधवा बहनें हममें से जिनके बहनें भी शामिल हैं।

(चच) विवाहित पुत्रियां

(छछ) पूर्व मृत पुत्र के बच्चे।

टिप्पणी 1

कर्मचारी की सेवा के दौरान या सेवा निवृत्ति के बाद मृत्यु हो जाने पर कर्मचारी के परिवार की सहित सदस्यों या भाई का उपदान का अपना हिस्सा पाने के अधिकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यदि महिला सदस्य का विवाह हो जाये या पुत्र विवाह हो जाये कर्मचारी की मृत्यु के बाद और उपदान का अपना हिस्सा लेने से पहले भाई की आयु 18 वर्ष हो जाये।

टिप्पणी-2

जहां इस नियम के अधीन मृतक कर्मचारी के परिवार के किसी नाबालिग सदस्य को उपदान प्रदान किया गया हो यह नाबालिग को ओर से उसके अभिभावक को दिया जायेगा।

टिप्पणी-3

जब किसी कर्मचारी की मृत्यु सेवाकाल के दौरान या सेवानिवृत्ति के बाद उपदान की राशि प्राप्त करने से पहले हो जाये, और

(क) उसका कोई परिवार न हो, या

(ख) उसने कोई नामांकन न किया हो, या

(ग) उसके द्वारा किया गया नामांकन मौजूब न हो तो इस नियम के अधीन उसे वेय मृत्यु एवं निवृत्ति उपदान की राशि विश्व-विद्यालय को व्यवगत हो जायेगी।

26. सेवानिवृत्ति उपदान की राशि, कर्मचारी को ग्रहक सेवा की हर पूरी छमाही को उसकी परिवर्धियों को एक चौथाई राशि के बराबर होगी बशर्ते कि वह परिवर्धियों से अधिकतम 16-1/2 गुणा हो।

किन्तु यह किसी भी स्थिति में 1,00,000/- रुपये से अधिक नहीं होगी।

किन्तु यह भी कि अग्रिम रूप से परिचालित सेवानिवृत्ति उपदान की राशि को अगले उच्चतर रुपये में पूर्णकृत कर दिया जाना चाहिए।

27. अधिशेष उपदान

यदि किसी ऐसे कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है जो पेंशन या उपदान का हकदार हो गया हो, विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद पांच वर्ष की अवधि के भीतर, जिसमें दंड स्वरूप आवश्यक सेवा-निवृत्ति भी शामिल है, और उपरोक्त अवधियों के अधीन उसे प्रदान उपदान की राशि सहित ऐसी पेंशन के रूप में उसकी मृत्यु के समय उसे प्राप्त वास्तविक राशि और उसके द्वारा रूपान्तरित कराई गई पेंशन की हिस्से

का कपातरहित मूल्य उसकी परिलब्धियों की बारह गुणा राशि से कम हो तो शेष उपदान राशि उसके द्वारा नामित व्यक्ति या व्यक्तियों को प्रदान की जायेगी।

28. मृत्यु उपदान

सेवाकाल में मृत्यु हो जाने की स्थिति में मृत्यु उपदान निम्नलिखित शर्तों पर स्वीकार्य होगी।

सेवावधि	उपदान की दर
1. एक वर्ष से कम	परिलब्धियों का तुल्य
2. एक वर्ष या उससे अधिक किन्तु 5 वर्ष से कम	परिलब्धियों का 6 गुणा
3. पांच वर्ष या उससे अधिक किन्तु 20 वर्ष से कम	परिलब्धियों का 12 गुणा
4. 20 वर्ष या उससे अधिक	कर्मचारी की अर्हक सेवा की हर पूरी छमाही की उसकी परिलब्धियों की आधी राशि बशर्ते कि वह अधिकतम परिलब्धियों के 33 गुणा तक हो किन्तु मृत्यु उपदान की राशि किसी भी स्थिति में एक लाख रुपये से अधिक नहीं होगी।

29. नियम 26 से 28 के अधीन सेवानिवृत्ति उपदान के प्रयोजनसे परिलब्धियों का हिसाब सविधि 22 के परिच्छेद-3 के उपखंड (ख) के अनुसार लगाया जाएगा किन्तु यदि किसी कर्मचारी को परिलब्धियाँ, जूमनि के अलावा किसी अन्य कारण से उसकी सेवा के अन्तिम 10 महीनों के दौरान कम हो गई हो तो सविधि 22 के परिच्छेद 3 के उपखंड (ग) में यथा विनिर्दिष्ट औसत परिलब्धियों को परिलब्धियों समझा जाएगा।

30. वे अस्थायी कर्मचारी जिन्होंने 10 वर्ष से कम सेवा की हो

30.1 सेवास्त उपदान

अधिवापिता पर सेवानिवृत्त होने वाला कोई भी अस्थायी कर्मचारी या जिसे 10 वर्ष की सेवा करने से पहले आगे सेवा करने के अयोग्य घोषित किया गया हो जिन सेवानिवृत्ति के कारण सेवानिवृत्त पर दिया गया हो वह नीचे उल्लिखित शर्तों पर उपदान पाने का हकदार होगा—

सेवावधि	स्वीकार्य सेवास्त उपदान
5 वर्ष और उससे अधिक किन्तु 10 वर्ष से कम	सेवा के हर पूरे वर्ष के वेतन की आधी राशि।

किन्तु शर्त यह है कि सेवा निरन्तर और सन्तोषजनक हो।

किन्तु जिन मामलों में कर्मचारी द्वारा की गई गलती को निपुण करने वाले सभ्य प्राधिकारी ने मंजूरजनक न माना हो तो वह अधिकारी आदेश देकर और उनमें उल्लिखित कारणों से उपदान को राशि प्रयोजित कटीती कर सकता है।

किन्तु यह भी कि इस उपनियम के प्रयोजन के दौरान उपदान की राशि उस राशि से कम नहीं होगी जो उसे आगे निरन्तर अस्थायी सेवा की तारीख से अंगदायी भविष्य निधि योजना का सदस्य होने की स्थिति में, भविष्य निधि में विधिविधान के अंतर्गत के बराबर प्राप्त होती बशर्ते कि कर्मचारी के बराबर विधिविधान का अंतर्गत उसके वेतन के 8 प्रतिशत से अधिक न हो।

30.2 किन्तु यह भी शर्त होगी कि प्रत्यासन्निक कार्रवाई के परिणामस्वरूप आवश्यक सेवानिवृत्ति के मामले में देय उपदान की दर उसके वेतन की दो तिहाई राशि से कम और किसी भी स्थिति में तदनुकूल निरन्तर सेवा के लिये विनिर्दिष्ट दर से अधिक नहीं होगी।

30.3 मृत्यु उपदान

जिन अस्थायी कर्मचारी की मृत्यु सेवा के दौरान हुई हो (जिनको न्यूनतम सेवा 10 वर्ष हो) उनके परिवार को उमी मान पर और नियम 28 में निर्धारित शर्तों के अधीन, मृत्यु उपदान दिया जायेगा।

इस नियम के अधीन ऐसे किसी भी कर्मचारी को कोई उपदान नहीं दिया जायेगा जो अधिवापिता या सेवानिवृत्ति पेंशन पर सेवानिवृत्ति के बाद पुनः नियोजित हो गया हो।

टिप्पणी :

इस नियम के प्रयोजन से

(क) 'वेतन' का मतलब होगा केवल मूल वेतन। इसमें विशेष वेतन, वैयक्तिक वेतन और वेतन के का वर्गीकृत प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप शामिल नहीं होगी। यदि संबंधित कर्मचारी अलों सहित या बिना छुट्टी पर हो तो इस प्रयोजन के लिये वेतन का मतलब होगा वह वेतन जो उसे उस समय मिलता रहता यदि वह छुट्टी पर न गया होता।

परिच्छेद 10

परिवार पेंशन

31. नीचे बताई परिवार पेंशन योजना पेंशन सेवा—अस्थायी या स्थायी—में कार्यरत नियमित कर्मचारियों पर लागू होगी।

32. यह नीचे बताये अनुसार लागू होगी :—

जिन कर्मचारियों ने सा.भ.नि. एवं पेंशन एवं उपदान योजना का विकल्प दिया है, उन पर निम्नलिखित उपबंध लागू होंगे।

32.2.1 परिवार, पेंशन, जिसकी राशि उपनियम 32.9 के नीचे दी गई तालिका के अनुसार निर्धारित की जायेगी, उग मृतक कर्मचारी के परिवार पर लागू होगा जिसकी मृत्यु सेवा के दौरान या सेवा से सेवानिवृत्त होने बाद हुई हो और मृत्यु की तारीख का जो सेवानिवृत्त अधिकारी पेंशन प्राप्त कर रहा हो सेवा के दौरान मृत्यु के मामले में कर्मचारी ने न्यूनतम एक घण्टी निरन्तर सेवाबधि पूरी कर ली हो या एक वर्ष की निरन्तर सेवा पूरी करने से पहले मृत कर्मचारी की आकटनी जांच की गई हो और नियुक्ति से तत्काल पूर्व उपयुक्त चिकित्सा प्राधिकारी ने उसे स्वस्थ पाया हो।

टिप्पणी :—

निरन्तर सेवा का मतलब है पेंशनी सेवा में अस्थायी या स्थायी हेतियत में की गई सेवा और उसमें (1) निलंबन की अवधि, यदि कोई हो, और (2) 18 वर्ष की आयु होने से पहले की गई सेवा की अवधि शामिल नहीं है।

32.2.2 इस योजना के प्रयोजन के लिये 'परिवार' में कर्मचारी के निम्नलिखित संबंधी शामिल होंगे—

- (क) पुंथ अधिकाारी के मामले में पत्नी
- (ख) महिला अधिकारी के मामले में पति
- (ग) पुत्र जो 21 वर्ष का न हुआ हो
- (घ) अधिवाहित पुत्रियाँ जो 30 वर्ष की न हुई हों।

टिप्पणी :

(1) (ग) और (घ) में सेवानिवृत्ति से पहले विधिक रूप में दत्तक लिये बच्चे भी शामिल हैं किन्तु इसमें सेवानिवृत्ति के बाद अन्य पुत्र या पुत्रियाँ शामिल नहीं हैं।

(2) इस योजना के प्रयोग के लिये सेवा निवृत्ति के बाद किया गया विवाह को भी मान्यता नहीं दी जायेगी।

32.3 पेंशन निम्न स्थितियों में स्वीकार्य होगी :—

(क) विधवा/विधुर के मामले में मृत्यु या पुनर्विवाह, इनमें जो भी पहले घटित हो की तारीख तक।

(ख) नाबालिक पुत्र के मामले में उसके 21 वर्ष का हो जाने तक।

(ग) अविवाहित पुत्री के मामले में 30 वर्ष की आयु होने या विवाह, में से जो भी पहले हो, तक।

किंतु यदि किसी कर्मचारी का पुत्र या पुत्री विमागी विकार या अशक्तता से पीड़ित हो या शारीरिक रूप से अपंग या अशक्त हो कि पुत्र के मामले में उसके 21 वर्ष की आयु हो जाने और पुत्री के मामले में उसकी 30 वर्ष की आयु हो जाने के बाद भी जीविकोपार्जन करने में असमर्थ हो तो ऐसे पुत्र या पुत्री को, निम्नलिखित शर्तों पर आजीवन परिवार पेंशन दी जायेगी, अर्थात् :—

(1) यदि यह पुत्र या पुत्री कर्मचारी के उन दो या अधिक बच्चों में से एक हो तो प्रारंभ में परिवार पेंशन इस नियम के उपनियम 32.4 की मद (ग) निर्धारित क्रम में नाबालिक बच्चे को तब तक दी जायेगी जब तक कि अन्तिम नाबालिक बच्चे की आयु यथास्थिति 21 या 30 वर्ष की न हो जाए और उसके बाद परिवार पेंशन उस पुत्र या पुत्री को देनी प्रारंभ कर दी जायेगी जो विमागी विकार या अशक्तता से पीड़ित है या जो शारीरिक रूप से अपंग या अशक्त है और यह उसे आजीवन दी जायेगी।

(2) यदि विमागी विकार या अशक्तता से पीड़ित या शारीरिक रूप से अपंग या अशक्त पुत्र या पुत्री एक से अधिक हों तो परिवार पेंशन निम्नलिखित क्रम में दी जायेगी अर्थात् :—

(क) प्रथमः पुत्र को और यदि ऐसे एक से अधिक पुत्र हों तो उनमें से छोटे पुत्र को केवल बड़े पुत्र की मृत्यु के बाद ही यह पेंशन दी जायेगी।

(ख) दूसरे पुत्री को, और यदि ऐसे एक से अधिक पुत्रियाँ हों तो उनमें से छोटी पुत्री को केवल बड़ी पुत्री की मृत्यु के बाद ही यह पेंशन दी जायेगी।

(3) ऐसे पुत्र या पुत्री को परिवार पेंशन उन्हें नाबालिक मानते हुए उनके अभिभावक के माध्यम से दी जायेगी।

(4) ऐसे किसी भी पुत्र या पुत्री को आजीवन परिवार पेंशन प्रदान करने की अनुमति देने से पहले मजूरकर्ता अधिकारी, इस बात की तसल्ली करेगा कि विकलांगता इस किस्म की है कि वह जीविकोपार्जन नहीं कर सकता और इसे कम से कम सिविल सर्जन के रैंक के चिकित्सा अधिकारी से प्राप्त किये गये प्रमाणपत्र द्वारा साक्षात्कृत करना होगा या शारीरिक स्थिति का भी उल्लेख करेगा।

(5) ऐसे पुत्र या पुत्री के अभिभावक रूप में परिवार पेंशन प्राप्त करने वाले व्यक्ति को (1) हर तीसरे वर्ष कम से कम सिविल सर्जन के रैंक के चिकित्सा अधिकारी का इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि वह अभी भी विमागी विकार या अशक्तता से पीड़ित है या वह अभी भी शारीरिक रूप से अपंग या अशक्त है। (2) हर महीने यथास्थिति इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा कि (क) लाभग्राही ने जीविकोपार्जन शुरू नहीं किया है (ख) पुत्री के मामले में यह प्रमाणपत्र कि उसका अभी विवाह नहीं हुआ है।

टिप्पणी :

जिन मामलों में मृत कर्मचारी की एक से अधिक विधवाएँ जीवित हों तो बराबर-बराबर हिस्सों में उन्हें पेंशन भुगतान की जायेगी। विधवा की मृत्यु या पुनर्विवाह हो जाने पर पेंशन का उसका हिस्सा उसके हकदार नाबालिक बच्चे को देय होगा। यदि विधवा की मृत्यु/पुनर्विवाह के समय उसका कोई हकदार बच्चा न हो तो पेंशन के उसके हिस्से की भुगतानी नष्ट की जायेगी।

जिन मामलों में मृत कर्मचारी की विधवा जीवित हों किंतु उसके किसी दूसरी पत्नी से हकदार कोई नाबालिक बच्चा हो तो हकदार नाबालिक बच्चे को पेंशन का वह हिस्सा भुगतान किया जायेगा जो उसकी माँ को कर्मचारी की मृत्यु के समय यदि वह जीवित होती तो उसे मिलता।

32.4 (क) उपनियम 32.3 के नीचे टिप्पणी (1) और (2) में यथाउपबोधित के सिवाय परिवार पेंशन एक समय में परिवार के एक से अधिक सदस्यों को नहीं दी जायेगी।

(ख) यदि मृत कर्मचारी या पेंशनभोगी की पत्नी विधवा या विधुर रह गया हो तो परिवार पेंशन विधवा या विधुर को देय हो जायेगी जिसके न होने पर हकदार बच्चे को देय होगी।

(ग) यदि पुत्र और अविवा

पुत्रियाँ तब तक परिवार पेंशन की हकदार नहीं होंगी जब तक पुत्रों की आयु 18 वर्ष की न हो जाए और उनके बाद वे परिवार पेंशन लेने की हकदार नहीं होंगी।

32.5 विधवा/विधुर की मृत्यु या पुनर्विवाह हो जाने की स्थिति में पेंशन नाबालिक बच्चों को उनके नैसर्गिक अभिभावक के माध्यम से प्रदान की जायेगी। किंतु विधवा/विधुर मामलों में भुगतानगिरा विधिक अभिभावक के माध्यम से की जायेगी।

32.6 जब पति और पत्नी दोनों ही कर्मचारी हों और उनमें से किसी एक सेवा के दौरान या सेवा निवृत्ति के बाद मृत्यु हो जाये, मृतक की परिवार पेंशन उत्तरजीवी पति/पत्नी की दो आसी है और पति या पत्नी की मृत्यु हो जाने की स्थिति में मृत युगल के बच्चों को नीचे विनिर्दिष्ट सीमाओं के अन्तर्गत मूल माना-पिता की दो परिवार पेंशन में प्रदान की जायेगी :—

(क) (1) यदि उत्तरजीवी बच्चा या बच्चे दो परिवार पेंशन पाने के हकदार हों और यदि दोनों या कोई एक परिवार पेंशन नीचे उपनियम 32.9 (ख) में उल्लिखित उच्चतर दर पर हो दोनों पेंशनों की राशि 2600/- रु. प्रतिमाह तक सीमित होगी।

(2) यदि दोनों परिवार पेंशन नीचे उपनियम 32.9(क) में उल्लिखित निम्न दर पर देय हों, दोनों पेंशनों की रकम 1250/- रु. प्रतिमाह तक सीमित होगी।

32.7 इन नियमों के अधीन स्वीकार्य परिवार पेंशन ऐसे किसी भी व्यक्ति को प्रदान नहीं की जायेगी जो परिवार पेंशन प्राप्त कर रहा हो या जो केन्द्र या राज्य सरकार और/या सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम/स्थायित्व निकाय/किन्त्र या राज्य सरकार के अधीन स्थानीय निधि के किन्हीं अन्य नियमों के अधीन इसका हकदार हो।

32.8 परिवार पेंशन की राशि मासिक दरों पर निर्धारित की जायेगी और पूर्ण रूपों में अभिव्यक्त की जायेगी और जहाँ परिवार पेंशन की राशि पूर्ण रूपों में न हो तो उसे अगले उच्चतर रूपों में पूर्णांकित कर दिया जायेगा किन्तु किसी भी स्थिति में अधिकतम निर्धारित राशि से अधिक परिवार पेंशन प्रदान करने की अनुमति नहीं होगी।

32.9

(क) योजना के अधीन मृतक का परिवार, परिवार पेंशन पाने का हकदार होगा जिसकी राशि नीचे दी गई तालिका के अनुसार निर्धारित की जायेगी।

तालिका

कर्मचारी का वेतन	मासिक परिवार पेंशन की राशि
(क) अधिकतम 1500/- रुपये	मूल वेतन का 30% बशर्ते कि न्यूनतम राशि 315/- रुपये हो।
(ख) 1500/- रुपये से अधिक किंतु अधिकतम 3000/- रुपये	मूल वेतन का 20% बशर्ते कि न्यूनतम राशि 430/- रुपये हो।
(ग) 3,000/- रुपये से अधिक	मूल वेतन का 15% बशर्ते कि न्यूनतम राशि 600/- रुपये और अधिकतम राशि 1200/- रुपये हो।

(घ) (i) किसी कर्मचारी की कम से कम सात वर्ष की निरन्तर सेवा करने के बाद सेवा के दौरान मृत्यु हो जाने की स्थिति में परिवार को देय परिवार पेंशन की दर अन्तिम प्राप्तिगत वेतन के 50% के बराबर या उपखंड (क) के अधीन स्वीकार्य परिवार पेंशन से हज़ारी राशि में से कम हो, देय होगी और इस प्रकार स्वीकार्य राशि, कर्मचारी की मृत्यु की तारीख से सात वर्ष अवधि के लिए या उस तारीख तक इनमें से जो भी अवधि कम हो दी जायेगी जिस तारीख की यदि वह जीवित रहता तो 63 वर्ष की आयु की हो जाता।

(ii) सेवानिवृत्ति के बाद मृत्यु हो जाने की स्थिति में उस तारीख तक बढ़ी दरों पर परिवार पेंशन दी जायेगी, जिस तारीख की यदि कर्मचारी जीवित रहता तो 63 वर्ष का हो जाता या सात वर्षों के लिये इनमें से जो भी अवधि कम हो, परिवार पेंशन दी जायेगी किन्तु किसी भी स्थिति में परिवार पेंशन की राशि, सेवानिवृत्ति के समय कर्मचारी को स्वीकृत पेंशन से अधिक नहीं होगी। किंतु जिन मामलों में ऊपर उपखंड (क) के अनुसार स्वीकार्य परिवार पेंशन की राशि, सेवानिवृत्ति के समय स्वीकृत पेंशन से अधिक हो तो इस उपखंड के अधीन स्वीकृत परिवार पेंशन की राशि उक्त राशि से कम नहीं होगी। सेवानिवृत्ति के समय स्वीकृत पेंशन वह पेंशन होगी जिसमें मृत्यु से पहले क्वालिफाइंग पेंशन का भाग भी शामिल होगा।

टिप्पणी :

उपनियम 32.9 के प्रयोजन के लिये 'वेतन' का मतलब है (i) संविधि 23 में यथापरिभाषित परिलब्धियों या (ii) संविधि 23 में यथा परिभाषित औसत परिलब्धियां बशर्ते कि मृत कर्मचारी की परिलब्धियां वंश के अलावा किसी अन्य कारण उसकी सेवा के अन्तिम दस महीनों के दौरान कम कर दी गई हो।

32.10 परिवार पेंशन का लाभ पाने वाले सभी कर्मचारियों को ऊपर उपनियम 32.2 में यथा परिभाषित अपने परिवार के व्योरे फार्म III में प्रस्तुत करने होंगे अर्थात् प्रत्येक सदस्य की जन्म की तारीख कर्मचारी के साथ उसका संबंध आदि। इस विवरण पर रजिस्ट्रार के प्रति-हस्ताक्षर होंगे और उसे कर्मचारी के सेवा अभिलेख में बिपकाया जायेगा। उसके बाद कर्मचारी को विवरण अद्यतन रचना होगा। रजिस्ट्रार समय-समय पर संबंधित कर्मचारी से सूचना प्राप्त होने पर इस विवरण में परिवर्तन या परिवर्धन करेगा।

32.11 जिन मामलों में किसी कर्मचारी की मृत्यु सेवा के दौरान हुई हो उनमें रजिस्ट्रार सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु की सूचना प्राप्त होने पर, फार्म 10 में निर्धारित पत्र मूलक के परिवार को भेजेगा और उसमें उल्लिखित आवश्यक दस्तावेज मंगावेगा। दस्तावेज प्राप्त होने

2b रजिस्ट्रार परिवार के हकदार सदस्य को पेंशन मंजूर करने की आवश्यक कार्रवाई करेगा।

परिच्छेद 7

असाधारण पेंशन

33.1 जब किसी कर्मचारी की कोई बोट पट्टे या किसी बोट के परिणामस्वरूप उसकी मृत्यु हो जाये या मारा जाये तो प्रबंधक बोर्ड एक सदस्य समिति की सलाह पर अशक्तता पेंशन, अशक्तता पेंशन के बचने में मुभावजा समेकित असाधारण पेंशन प्रदान करने की मंजूरी देगा। प्रबंधक बोर्ड इसे प्रदान करते समय उस कर्मचारी की गलती या लापरवाही को ध्यान में रखेगा जिसे बोट पट्टे की हो या जिसकी बोट परिणामस्वरूप मृत्यु हुई हो या जो मारा गया हो।

33.2 उक्त तदर्थ समिति के पांच सदस्य होंगे जिनमें से चार सदस्यों की नियुक्ति प्रबंधक बोर्ड अपने ही सदस्यों में से करेगा और पांचवां सदस्य वित्त मंत्रालय भारत सरकार का प्रतिनिधि होगा।

33.3 समय-समय पर यथाशीघ्र 8 राशि भारत सरकार केन्द्रीय सिविल सेवा (असाधारण पेंशन) नियमों में निर्धारित शर्तों और उन्हीं दरों पर देय होगी।

33.4 जब भी अशक्तता पेंशन या असाधारण परिवार पेंशन का कोई दावा उत्पन्न हो तो उसे निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ रजिस्ट्रार के माध्यम से प्रबंधक बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

(क) उन परिस्थितियों का पूर्ण विवरण जिन में बोट आई, बीमारी हुई या मृत्यु हुई।

(ख) निर्धारित फार्म में यथास्थिति अशक्तता पेंशन या असाधारण पेंशन के लिए आवेदन।

(ग) स्टाफ के साम्य सदस्य के मामले में चिकित्सा रिपोर्ट या स्टाफ के मृत सदस्य के मामले में निर्धारित फार्म में चिकित्सा रिपोर्ट। स्टाफ के मृत सदस्य के मामले में मृत्यु की चिकित्सा रिपोर्ट या यदि स्टाफ के सदस्य की ऐसी परिस्थितियों में मृत्यु हुई हो कि चिकित्सा रिपोर्ट प्राप्त न की जा सकती हो तो मृत्यु की वास्तविक घटना के संबंध में विश्वसनीय प्रमाण

परिशिष्ट-ख

अंशदायी भविष्य निधि एवं उपदान योजना

(1) जिन कर्मचारियों ने अंशदायी भविष्य निधि एवं उपदान योजना का विकल्प दिया है उन पर नीचे बताये अंशदायी भविष्य निधि नियम लागू होंगे।

(2) किंतु योजना के अधीन स्वीकार्य उपदान सामान्य भविष्य निधि एवं पेंशन एवं उपदान योजना परिच्छेद III परिशिष्टि "क" में यथानिर्धारित शर्तों और दरों पर स्वीकार्य होगा।

अंशदायी भविष्य निधि नियम

1. नियमों का लागू होना

ये नियम निम्नलिखित को छोड़कर विश्वविद्यालय के शैक्षिक और नैदानिक दोनों ही कर्मचारियों पर लागू होंगे।

क. विरुद्ध अस्थायी रिक्तियों के अधीन नियुक्त व्यक्ति अंशकालिक कर्मचारी और वे विहाही कर्मचारी जो अपनी सेवा शर्तों के अधीन निधि के लाभ पाने के हकदार नहीं हैं।

ख. केन्द्र सरकार या किसी भी राज्य सरकार के वे कर्मचारी जो विश्वविद्यालय में विभागेतर सेवा शर्तों पर कार्य कर रहे हो और जिनके संबंध में विश्वविद्यालय छुट्टी और पेंशन अभिदान प्रदा करता हो बशर्ते कि उनकी नियुक्ति के समय उनके प्रतिकूल कोई निर्णाय लिया गया हो।

ग नदिश पर नियुक्त कर्मचारी और जहाँ उनकी सेवा शर्तें संविदा की शर्तों में बताई गई हों किंतु जो कर्मचारी प्रारंभ में नदिश पर नियुक्त हुआ हो और बाद में विश्वविद्यालय का स्थायी कर्मचारी हो गया हो वह निधि के लाभ पाने का हकदार होगा बशर्ते कि उसने अपनी मविदा अवधि के संबंध में प्राप्त किये सेवानिवृत्ति लाभ विश्वविद्यालय को वापस कर दिये हों ।

टिप्पणी

(i) किसी भी सिविल या सेना विभाग या केन्द्र सरकार या सरकार द्वारा संचालित किसी स्थानीय निधि की सेवा या किसी अन्य संस्थान से सेवानिवृत्त होने वाले व्यक्ति की समय समय पर जारी अनुदेशों के अध्यायन विश्वविद्यालय में पुनः नियोजित प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय द्वारा निधि में प्रवेश करने को अनुमति दी जायेगी ।

(ii) इस नियमों के प्रयोजन में परिलब्धियों का मतलब वेतन, छुट्टी या निवृत्ति अनुदान और उसमें

- (क) विशेष वेतन 31-12-1985 तक और उन
(ख) वैयक्तिक वेतन कर्मचारियों के लिये जो 1986
(ग) स्विकार्य निवृत्ति अनुदान छुट्टी के पूर्व-संशोधित मान में वेतन वेतन या वेतन के अनुरूप महंगाई आहरित करते हैं ।
वेतन शामिल है ।

(घ) विश्वविद्यालय द्वारा उन कर्मचारियों को प्रत्येक कोई मजदूरी जिन्हें निर्धारित मासिक वेतन से पारिश्रमिक नहीं दिया जाता ।

(ङ) विभागेतर सेवा के संबंध में प्राप्त वेतन के रूप में कोई भी पारिश्रमिक ।

2. केन्द्र सरकार द्वारा नियमित, स्वामित्व या नियंत्रित या कितो स्वायत्त नियम के कितो कर्मचारी का स्थानान्तरण ।

यदि निधि के लाभों की अनुमति पाने वाला कोई कर्मचारी पहले किंग्स अन्य अंगरक्षणी नदिश निधि का अधिस्ता हो तो उसके अधिस्ता की राशि और अंगरक्षणी भविष्य निधि में कर्मचारियों के अधिदान की राशि निकाय का सहमति से निधि में उसके क्रेडिट में अन्तर्लिख कर दी जायेगी ।

3. नामांकन

कोई भी अधिस्ता निधि में शामिल होने के समय इस संविधि में परिशिष्ट "क" के परिच्छेद I के नियम 1 में उपबंधित ढंग से वित्त अधिस्तारों की एक नामांकन पत्र भेजेगा ।

4. अधिस्ता खाता

प्रत्येक अधिस्ता के नाम में एक खाता खोला जायेगा जिसमें निम्न-लिखित जमा किये जायेंगे :-

- (i) अधिस्ता का अधिदान
(ii) नियम 8 के अंतर्गत इस खाते में विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया अधिदान
(iii) अधिदान पर नियम 9 में यथाउपबंधित ब्याज
(iv) अंगदान पर नियम 9 में यथा उपबंधित ब्याज
(v) निधि में पेंशियाँ और आहरण

5. अधिदान की शर्तें

अधिदान की शर्तों पर इस संविधि के परिशिष्ट "क" के परिच्छेद I के नियम में यथाउपबंधित शर्तें लागू होंगी ।

6. अधिदान की दरें

6.1 निम्नलिखित शर्तों पर अध्याधीन अधिदान राशि अधिस्ता रक्षक निवृत्ति करेगा अर्थात्

6.1.1 यह पूर्ण रूपों में दिखाई जायेगी ।

6.1.2 यह राशि कितनी भी हो सकती है पर उसकी परिलब्धियों के 8 1/2 प्रतिशत से कम और उसकी परिलब्धियों से अधिक नहीं होगी ।

6.2 इस नियम के प्रयोजन के लिये अधिस्तारों की परिलब्धियाँ इस संविधि के परिशिष्ट "क" के परिच्छेद 1 के नियम 5 के उपनियम 5, 2, 1, 5, 2.2 में यथा उपबंधित ढंग से निर्धारित की जायेगी ।

6.3 इस प्रकार निर्धारित अधिदान की राशि को (क) वर्ष के दौरान दो बार बढ़ाया (ख) वर्ष के दौरान कितनी भी समय एक बार घटाया और (ग) ऊपर बताये अनुसार घटाया और बढ़ाया जा सकता है किंतु जब अधिदान की राशि को इस प्रकार कम किया गया है तो वह नियम 6.1.2 के अर्थात् निर्धारित राशि से कम नहीं होगी ।

किंतु यह भी कि यदि कोई अधिस्ता किसी कैलेंडर मास में कुछ समय अवैतन या अधिवैतन छुट्टी पर हो और उसने उस छुट्टी के दौरान अधिदान न करने का विकल्प दिया हो तो देय अधिदान की राशि छुट्टी यदि कोई हो, सहित इयूटी पर बित्तिये गये दिनों की संख्या के अनुपात में होगी ।

7. अधिदान की वसूली

अधिदान की वसूली पर इस संविधि के परिशिष्ट "क" के परिच्छेद I के नियम 5 क में यथा उपबंधित नियम लागू होंगे ।

8. विश्वविद्यालय द्वारा अंगदान :

8.1 विश्वविद्यालय हर वर्ष 31 मार्च से प्रत्येक अधिदान के खाते में अंगदान करेगा ।

8.1.1 किंतु यदि कोई अधिस्ता वर्ष के दौरान सेवा छोड़ देता है या उसकी मृत्यु हो जाती है तो पिछला वर्ष समाप्त होने और यह घटना घटित होने का तारीख के बीच की अवधि का अंगदान उसके खाते में क्रेडिट कर दिया जायेगा ।

8.1.2 किंतु ऐसा किसी भी अवधि के संबंध में कोई अंगदान नहीं दिया जायेगा जिसके लिये नियमों के अधीन अधिस्ता को निधि में अधिदान देने की अनुमति प्रदान की गई हो या उसने निधि में अधिदान न किया हो ।

8.1.3 किंतु यदि असाधारणी या अन्य कारण से अतिवृत्त राशि, नियम 6 के अधीन अधिस्ता द्वारा देय न्यूनतम अधिदान से कम हो और यदि अधिस्ता ने यह कम पड़ी राशि तथा उस पर उचित ब्याज ऐसी पेशगी मंजूर करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट न की गई हो, जिसके संबंध में नियम 10 के अधीन विशेष कारण बदलने आवश्यक हों तो विश्वविद्यालय द्वारा देय अधिदान अधिस्ता द्वारा वस्तुतः वक्त ठीक या विश्वविद्यालय द्वारा सामान्यतया देय राशि, इनमें जो भी कम हो के बराबर होगा बशर्ते कि किसी विशेष मामले में विश्वविद्यालय ने अन्य निदेश दिये हों ।

8.2 अंगदान यथास्थिति वर्ष या अवधि के दौरान इयूटी पर आहरित अधिस्ता की परिलब्धियों का 8 प्रतिशत होगा ।

8.3 यदि कोई अधिस्ता छुट्टी के दौरान अधिदान करने का विकल्प देता है तो इस नियम के प्रयोजन से उसका छुट्टी वेतन इयूटी पर आहरित परिलब्धियों की ही समझा जायेगा ।

8.4 देय अंगदान की राशि को निकटतम रुपये तक प्रणीकृत किया जायेगा (50 पैसे या उससे अधिक पैसे) को अंगले रुपये में प्रणीकृत कर दिया जायेगा) ।

6.5 विश्वविद्यालय विभागेतर सेवा की अवधि के संबंध में देय अधिदान की राशि अधिस्ता से वसूल करेगा बशर्ते कि वह विभागेतर नियोक्ता ने वसूल न की हो ।

8.6 यदि कोई अधिस्ता मितलन की अवधि में संबंध अधिदान की बकाया राशि अदा करने का विफल होता है तो उस अवधि या बकाया की समय स्वीकृत परिलब्धियों या परिलब्धियों के उस भाग को इस नियम के प्रयोजन के लिये इयूटी पर आहरित परिलब्धियाँ समझा जायेगा ।

8.7 यदि कोई अभिदाता भारत से बाहर हटने पर हो तो इसे नियम के प्रयोजन के लिए एक पंक्तिविधियों को हटाने पर प्राप्ति पंक्तिविधियाँ समाप्त जायेगी तो उस भाग में हटाने के दोषी प्राप्ति होंगी।

9. ब्याज

विश्वविद्यालय इस संविधि के परिशिष्ट 'क' परिच्छेद 1 के नियम 6 में दया उपबंधित ब्याज प्रत्येक अभिदाता के नाते से क्रेडिट करेगा।

10. निधि से पेशगियाँ

निधि से पेशगियाँ और उनकी वसूली पर, इस संविधि के परिशिष्ट 'क' परिच्छेद 1 के नियम 7 में उपबंधित नियम लागू होंगे।

11. निधि से प्राहरण

उपकुलपति या कोई अन्य अधिकारी जिसे इस संबंध में अधिकार प्रत्यायोजित की गई हों, निधि से प्राहरण की मंजूरी देना बगैर कि इस संविधि के परिशिष्ट 'क' के परिच्छेद 1 के नियम 8 में विनिर्दिष्ट शर्त पूरी करते हों।

12. पेशगी को प्राहरण में परिवर्तित करना

यदि किसी अभिदाता ने इस संविधि के परिशिष्ट 'क' के परिच्छेद 1 के नियम 8.1 के खंड 'ख' के उपखंड (क) उपखंड (ख) तथा उपखंड (ग) में विनिर्दिष्ट किसी भी प्रयोजन के लिये नियम 10 के प्रयोग पर हो पेशगी से ली हो या भविष्य में लेगा, वह तो उपकुलपति के मंजूरी-कर्ता अधिकारी को लिखित रूप से प्रत्येक करके अपने प्रोत्साहन बकाया राशि का अन्तिम प्राहरण में परिवर्तित करा जाता है यथा कि वह नियम 11 में निर्धारित शर्त पूरी करता हो।

13.1 निधि से संज्ञित राशि का अन्तिम प्राहरण

किसी अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी राशि का अन्तिम भुगतान इसमें संविधि के परिशिष्ट 'क' के परिच्छेद 1 के नियम 9, 10 और 11 में उल्लिखित परिस्थितियों में देना हो जायेगा।

13.2 संविधा पर नियुक्त या सेवा से सेवानिवृत्ति ऐसे कर्मचारी को छोड़कर जो बाद में पुन नियोजित हो गया है जब कोई अभिदाता सरकार द्वारा निर्मित स्वामित्व प्राप्त या नियंत्रित निकाय या समुदाय पंजीकरण अधिनियम 1948 के अधीन पंजीकृत किसी स्वायत्त संगठन में सेवा भंग करने हुए बिना अंतरित हो जाता है तो अभिदाता के अभिदाता और सरकार के भण्डान की सव्याज राशि उसके नये भविष्य निधि खाते में अंतरित कर दिया जायेगा बशर्त कि अभिदाता ऐसा करना चाहता हो और संबंधित संगठन ऐसे अंतरण के लिये सहमत हो।

स्थानांतरण से सेवा भंग हुए बिना और इस विश्वविद्यालय की उपयुक्त अनुमति से सरकार द्वारा नियंत्रित स्वामित्व प्राप्त या निर्मित निकाय के अधीन या समुदाय पंजीकरण अधिनियम 1980 के अधीन पंजीकृत किसी स्वायत्त निकाय में नियुक्ति प्राप्त होने के आशय से सेवा से हस्तांतरण देने के मामले भी शामिल होंगे। नये पद पर कार्यभार ग्रहण में लगे समय को सेवा भंग के काम में मना जाता है और ये कार्यभार ग्रहण करने की स्वीकार्य अवधि में अधिक न हो।

14. कटौतियाँ

यह शर्त होगी कि निधि में अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी राशि खर्च होने से पहले ऐसी कोई कटौती नहीं की जायेगी जिसमें क्रेडिट में नियम 8 और 9 के अधीन जमा की गई विश्वविद्यालय के भण्डान और उसके सव्याज की राशि से कम हो जाय उपकुलपति उनमें से कटौती करने और विश्वविद्यालय को--

(क) वे भण्डान और ब्याज वर्णित वाली सभी रकमें घटा करने के निर्देश दे सकता है बशर्त कि अभिदाता को कदाचार विचारित या अयोग्य होने के कारण सेवा में पर्युक्त किया गया हो।

किन्तु जहाँ उपकुलपति की यह विश्वास हो कि ऐसी कटौती करने से अभिदाता को विशेष कठिनाई होगी तो वह आदेश देकर यह कटौती रोक सकता है और उस भण्डान की दो तिहाई राशि तथा उमरा ब्याज जो अभिदाता ने चिकित्सा आधार पर सेवानिवृत्ति होने की स्थिति में देय होता, किन्तु यह भी कि यदि पर्युक्ति के ऐसे किसी आदेश को बाद में रद्द कर दिया जाता है तो इस प्रकार कटौती गई राशि उसके सेवा में बहाल होने पर निधि में उसके क्रेडिट में अंतरित कर दी जायेगी।

(ख) वे भण्डान और ब्याज वर्णित वाली सभी रकमें, बशर्त कि अभिदाता इस नियम से अपनी सेवारंम करने के पांच वर्षों के भीतर सेवा से हस्तांतरण दे दिया हो या मृत्यु अतिरिक्त के कारण या समक्ष चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा यह घोषित किया जाने के कि वह आगे सेवा करने के लिए नहीं है या पद समाप्त हो जाने पर स्थापन के लघुकरण के अतिरिक्त कि अन्य कारण से विश्वविद्यालय का कर्मचारी न रहा हो।

(ग) अभिदाता द्वारा विश्वविद्यालय के संबंध में ली गई देयता के अधीन अभिदाता से ली जाने वाली कोई राशि।

टिप्पणी :

(क) इस नियम के प्रयोजन के लिये पांच वर्ष की अवधि का हिसाब विश्वविद्यालय में अभिदाता की निरंतर सेवा प्रारंभ होने की तारीख से लगाया जायेगा।

(ख) इस नियम के प्रयोजन के लिये, किसी अन्य विश्वविद्यालय सेवा भंग हुए बिना नियुक्ति स्वीकार करने के लिए उपयुक्त अनुमति लेकर सेवा से हस्तांतरण देने की सेवा में हस्तांतरण नहीं मना जायेगा।

15. जमा से जुड़ी बीमा योजना

जमा से जुड़ी बीमा योजना के अधीन भुगतान पर इस संविधि के परिशिष्ट 'क' के खंड (1) के नियम 12 यथा उपबंधित नियम लागू होंगे।

16. निधि में राशि के भुगतान को प्रक्रिया

16.1 जब निधि में किसी अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी रकम या नियम 14 के अधीन कोई भी कटौती कर के बाद जमा राशि देर जाती है तो वित्त अधिकारी की यह जिम्मेदारी होगी कि वह तत्काली करने के बाद कि उक्त निधि के अधीन कोई कटौती कर के विरोध नहीं दिखे गये है इसका ध्यान रखे कि अधिनियम 16.3 से यथा उपबंधित लिखित आवेदन प्राप्त होने पर भुगतान करने के लिये कोई कटौती न की जाये।

16.2 इन नियमों के अधीन कोई राशि पाने वाला व्यक्ति यदि पागल हो या जिसकी संज्ञा प्राप्त करने के लिये भारतीय पागलपन अधिनियम 1912 का 10 के अधीन एक प्रबंधक नियुक्त किया गया हो तो भुगतान उन प्रबंधक को किया जायेगा पागल व्यक्ति को नहीं।

किन्तु जिन मामलों में कोई प्रबंधक नियुक्त न किया गया हो और जिस व्यक्ति को राशि दी जानी है उस आशयधर्मी ने पागल प्रमाणित किया हो तो समाहर्ता के आदेशों से भारतीय पागलपन अधिनियम 1912 की धारा 95 की उपधारा (1) के अनुसार ऐसे व्यक्तियों को अवाधनी की जायेगी जिस तक पागलपन व्यक्ति का प्रमाणित किया गया हो और विश्वविद्यालय का मंजूरी प्राधिकारी उस व्यक्ति को केवल उतनी राशि घटा करेगा जितनी वह उचित समझता है यदि कोई और राशि है तो वह उन पागल के परिवार के उन सदस्य के अनुदान के लिये घटा की जायेगी जो अंतरण के लिये उस पर अधिकृत हों।

16.3 इन नियम के अधीन दावा करने वाला कोई भी व्यक्ति वित्त अधिकारी को इस संबंध में लिखित आवेदन देगा। साहचर राशियों का भुगतान केवल धारक में ही किया जायेगा। जिन व्यक्तियों का राशि दी जानी है वे भारत में भुगतान पाने की व्यवस्था स्वयं करेंगे।

टिप्पणी :

जब किसी अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी राशि नियम 13 के अधीन देय हो गई हो तो वित्त अधिकारी अभिदाता के क्रेडिट में पड़ी राशि की शीघ्र अदायगी करेगा जिसके संबंध में कोई विवाद या संदेह न हो, शेष राशि को इसके बाद यथाशीघ्र समायोजित कर लिया जायेगा।

16.4 आहरित राशि की अदायगी तत्काल की जायेगी जिन व्यक्तियों को राशियां दी जानी हैं वे भारत में भ्रमरान पाने की अवस्था स्वयं करेंगे।

17. निधि का निवेश

जमा राशियां मासिक लेखे बन्द करने के बाद यथाशीघ्र विश्वविद्यालय के अंशदायी भविष्य निधि खाते में क्रेडिट की जायेंगी। निधि में शेष राशियों इस संविधि के परिशिष्ट (क) के परिच्छेद 1 के नियम 14 में बताये अनुसार रखा और लगाया जायेगा।

18. लेखा विवरण

प्रत्येक अभिदाता के क्रेडिट के खाते के विवरण उसे इस संविधि के परिशिष्ट 'क' के परिच्छेद 1 के नियम 13 में यथा उपबंधित ढंग से दिया जायेगा।

19. सामान्य

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों पर ये नियम लागू करने समय अंश-दायी भविष्य निधि केन्द्रीय सिविल सेवा) नियमों से संबंधित भारत सरकार द्वारा दिये गये स्पष्टीकरण या विनियमों को ध्यान में रखा जायेगा।

20. अलग-अलग मामलों में नियमों के उपबंधों में छील

जब प्रबंधक बोर्ड को यह विश्वास हो कि इन नियमों में से किसी नियम को लागू करके ये निरी अभिदाता के अनुचित कठिनाई होगी तो प्रबंधक बोर्ड इन नियमों में दो गई किसी बात के बावजूद ऐसे अभिदाताओं के मामले में हम ढंग से कार्यवाई करेगा जो उन्हें समुचित प्रतीत हो।

21. (क) पेशगी (अंशिक अन्तिम आहरण/अंशदायी भविष्य निधि में से शेष राशि का अन्तिम भुगतान (ख) आहरण की मंजूरी (ग) पेशगियों को आहरणों में परिवर्तित करने (घ) सामान्य मुक्त रजिस्टर (ङ.) भविष्य निधि खाता पत्रक (च) अंशदायी भविष्य निधि की ग्राह्य शीट (छ) अन्तिम भुगतान के मामलों के रजिस्टर के फार्म प्रादि परिच्छेद 1 के परिशिष्ट "क" के अधीन सामान्य मुख्य निधि के लिये निर्धारित फार्मों की तरफ ही होंगे।

फार्म-I.

परिशिष्ट "क" के परिच्छेद 1 के नियम 1.3 में निर्दिष्ट

नामांकन फार्म

(सामान्य अंशदायी भविष्य निधि के लिये)

खाता संख्या-----

मैं मोक्षे उल्लिखित व्यक्तियों को जो संविधि 23 के बंड 3 की उप-धारा (छ) में दी गई परिभाषा के अनुसार भेरा/भेरे परिवार का/के सदस्य है/हैं निधि में अपने क्रेडिट में पड़ी राशि के देय हो जाने या देय हो जाने किन्तु अदा न किये जाने से पहले अपनी मृत्यु हो जाने की स्थिति में नीचे बताये अनुसार प्राप्त करने के लिए नामित करता/करती हूँ।

4

नामिती (तियों) का/के पूरा/पूरे नाम तथा पता	अभिदाता के साथ संबंध	नामिती (तियों) की आयु	प्रत्येक नामिती की वेय हिस्सा	वे आकस्मिक घटनाएं जिनके घटित होने पर नामांकन अवैध हो जायेंगे	उस/उन व्यक्ति(यों) के नाम पता व संबंध यदि कोई हो, जिसे जिन्हें अभि-दाता से पहले उसकी मृत्यु हो जाने की स्थिति में नामिती का अधिकार अंश-दित किया जायेगा।	यदि नामिती नियम 2 में सदस्य नहीं है तो उसके कारण बतायें
--------------------------------------------	----------------------	-----------------------	-------------------------------	--------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------

1	2	3	4	5	6	7
तारीख	19			स्थान		
हस्ताक्षर के दो साक्ष्य				अभिदाता के हस्ताक्षर		
नाम व पता		हस्ताक्षर		नाम साफ दृक्षरों में		
1.				पदनाम		
2.				(फार्म के पिछली ओर)		
				वित्त अधिकारी के हस्तक्षेप के लिए स्थान		
बी/बीसली/कुमारी				वित्त अधिकारी के हस्ताक्षर		
का नामांकन				तारीख		
पदनाम						
नामांकन प्राप्त होने की तारीख						

काम-II

(परिशिष्ट "क" के परिच्छेद III के नियम 25.1 में निर्दिष्ट)

जब कर्मचारी का कोई परिवार न हो और वह एक या एक से अधिक व्यक्तियों को नामित करना चाहता हो।

मैं..... नीचे उल्लिखित व्यक्ति/व्यक्तियों को नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक उपदान की राशि, जिसके भरण का प्राधिकार मेरी मृत्यु हो जाने की स्थिति में हविग गोधी राष्ट्रीय मकल विश्वविद्यालय देगा, उस उपदान की राशि प्राप्त करने का अधिकार उसे/उन्हें प्रदान करता/करती हूँ जो मेरी सेवानिवृत्ति के समय स्वीकार हो या है पर मेरी मृत्यु हो तक खर्च रह जाये :-

मूल नामित

वैकल्पिक नामित

नामित/नामितियों का/के नाम ब पता पते	कर्मचारी के साथ संबंध	आयु	प्रत्येक को देय उपदान का हिस्सा या राशि	उस व्यक्ति या व्यक्तियों यदि कोई हों का/के नाम पते/पते संबंध और आयु जितने/जिन्हें नामित को प्रत्यक्ष अधिकार, कर्मचारी से पहले नामित की मृत्यु हो जाने या कर्मचारी की मृत्यु के बाद कस्तु उपदान की राशि भदा होने से पहले उतही मृत्यु हो जाने की स्थिति में उसका अधिकार संचरित हो जायेगा।
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
(6)				

इस नामांकन से इससे पहले तारीख-----को किया गया नामांकन रद्द होता है।

टिप्पणी—(i) कर्मचारी प्रतिम प्रविष्टि के नीचे छूट खाली स्थान में एक प्राप्ती देखा खींच देगा ताकि उसके हस्ताक्षर के साथ उसमें कोई नाम शामिल न किया जा सके।

(ii) जो लागू न हो उसे काट दें।

तारीख-----19

स्थान-----

हस्ताक्षर के साथ

1. -----
2. -----

कर्मचारी के हस्ताक्षर

(रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा भरा जाये)

नामांकन कला-----

रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर *

पदनाम-----

तारीख-----

कार्यालय-----

रजिस्ट्रार द्वारा नामांकन पत्र की पावती भेजने का प्रोत्साहन*

सेवा में

महोदय,

आपके तारीख-----के नामांकन काम में उपदान के संबंध में तारीख-----को इससे पहले किये गये नामांकन को रद्द करने की पावती देते हुए निवेदन है कि इसे अभिलेखों में पूरा-पूरा दर्ज कर लिया गया है।

रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर

(नाम)-----

तारीख-----

टिप्पणी: कर्मचारी को यह स्मरण हो जाती है कि नामांकन पत्रों और उसके संबंध सूचनाओं और पावतियों की प्रतियाँ सुरक्षित अभिलेख में रखना उनके नामितियों के हित में होगा कि उनकी मृत्यु के समय वे लाभ ग्रहणियों को मिल जाए।

* इस काम को इस प्रकार भरा जाये कि इसमें उपदान की सारी राशि आ जाये।

इस काम में दर्शाई गई उपदान की राशि/हिस्से में मूल नामित (तियों) को देय पूर्ण राशि हिस्सा आ जाना चाहिए।

फार्म-II क

(परिशिष्ट 'क' के परिच्छेद III के नियम 25.1 में निर्दिष्ट)

जब कर्मचारी के परिवार का कोई सदस्य न हो और व एक या एक से अधिक व्यक्ति नामित करना चाहता हो।

मैं..... नीचे उल्लिखित व्यक्ति/व्यक्तियों को नीचे निम्निष्ठ सीमा तक उस उपदान की राशि जिसके भुगतान का प्राधिकार मेरी मृत्यु हो जाने में* इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय होगा, उस उपदान की राशि प्राप्त करने का अधिकार उसे/उन्हें प्रदत्त करना/करती हूँ, जो मेरी सेवानिवृत्ति समय स्वीकार हो गयी हो पर मेरी मृत्यु होने तक भवत्त रह जायें।

मूल नामित

वैकल्पिक नामित

नामित/नामितियों का/के नाम उपदान व पता/पते	कर्मचारी के साथ संबंध	आयु	**प्रत्येक को देय उपदान का हिस्सा या राशि	उस व्यक्ति या व्यक्तियों यदि कोई हों, का/ क नाम, पते, संबंध और आयु जिसे/जिन्हें नामित को प्रदत्त अधिकार, कर्मचारी से पहले नामित की मृत्यु हो जाने या कर्मचारी की मृत्यु के बाद किन्तु उपदान की राशि भरा हो। से पहले उनकी मृत्यु हो जाने की स्थिति में उसका अधिकार अस्तित्व हो जायेगा।	प्रत्येक का देय उप- दान का हिस्सा या राशि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

इस नामांकन से पहले तारीख..... को किया गया नामांकन रद्द होता है।
टिप्पणी (i) कर्मचारी अंतिम प्रविष्टि के नीचे छूटे वाली स्थान में भारी रेखा खींच देगा ताकि उसके हस्ताक्षर के बाद उनमें कोई तान शामिल न किया जा सके।

(ii) जो लागू न हो उसे काट दें।

तारीख----- 19

स्थान-----

हस्ताक्षर

1. -----

2. -----

कर्मचारी के हस्ताक्षर

(रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा भरा जाए)*

नामांकन कर्ता -----

रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर*

पदनाम -----

तारीख -----

कार्यालय -----

रजिस्ट्रार द्वारा नामांकन पत्र की प्रतिलिपि भेजने का प्रोफार्मा

सेवा में

महोदय,

आपके तारीख----- के नामांकन फार्म----- में उपदान के संबंध में तारीख----- को इससे पहले किये गये नामांकन को रद्द करने की पावती देते हुए निवेदन है कि इसे अभिलेखों में पूरा-पूरा दर्ज कर लिया गया है।

रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर

स्थान -----

तारीख -----

टिप्पणी: कर्मचारी को यह सलाह दी जाती है कि नामांकन पत्रों और उससे संबंध सूचनाओं और पावतियों की प्रतियों सुरक्षित अभिरक्षा में रखना उनके नामितियों के हित में होगा ताकि उनकी मृत्यु के समय वे लाभ प्राप्ति को मिल जायें।

* इस कॉलम को इस प्रकार भरा जाये कि उसमें उपदान की सारी राशि भा जाये।

* इस कॉलम में दर्शाई गई उपदान की राशि हिस्से में मूल नामित (तियों) को देय पूर्ण राशि/हिस्सा भा जाना चाहिए।

फार्म-III

(परिशिष्ट 'क' के परिच्छेद 10 के पैरा 32.10 में निर्दिष्ट)

परिवार का व्यौरा

कर्मचारी का नाम

पदनाम

जन्म की तारीख

नियुक्ति की तारीख

तारीख-----मेरे परिवार* के सदस्यों के व्यौरे

क्रम संख्या	परिवार के सदस्यों के नाम	जन्म की तारीख	कर्मचारी के साथ संबंध	कार्यालयाध्यक्ष के प्राप्ताक्षर	प्रामाणिकता
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

1 से 9

मैं कार्यालयाध्यक्ष को किसी भी परिवर्धन या परिवर्तन की सूचना देकर उपरोक्त विवरणों का अद्यतन रखने का वचन देता/दिती हूँ।
तारीख-----

कर्मचारी के हस्ताक्षर

फार्म-IV

परिवार पेंशन का फार्म

परिशिष्ट "क" के परिच्छेद 10 के नियम 32.11 देखें)

विषय: स्वर्गीय श्री/श्रीमती-----के परिवार पेंशन की प्रदायगी

मुझे इस विश्वविद्यालय के श्री/श्रीमती----- (पदनाम)-----की मृत्यु पर खेद है और आपको यह सूचित करने का निदेश प्राप्त हुआ है कि परिशिष्ट "क" के परिच्छेद 10 के खंड 10 के प्रयोजन आजीवन/वयस्क होने तक परिवार पेंशन पाने के हकदार हैं।

तुझे उद्गृह्य यह भी बताने का निदेश मिलता है कि प्राप्त परिवार पेंशन प्रदान करने के औपचारिक दावे निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ संलग्न फार्म में प्रस्तुत कर दें:-

1. मृत्यु प्रमाणपत्र
2. राजपत्रित अधिकारी द्वारा विधिवत साक्ष्यांकित पास पोर्ट आकार की फोटो की दो प्रतियां
3. जहां पेंशन नाबालिग बच्चे को दी जानी हो, उनमें अभिभावकता प्रमाणपत्र।

सेवा में

(पदनाम)

* जहां परिवार पेंशन नाबालिग बच्चों को स्वीकार्य हो।

[फा. सं. ए डी /3/5(II) 376]

के. नारायणन, रजिस्ट्रार

(ii) When an employee of State Government/State University is permanently absorbed in the University.

On his permanent absorption in the University such of the past services of an employee of State Government/State University as would have counted for retirement benefit in State Government/State University should count for retirement benefits payable by the University provided that the transfer is deemed to be in public interest of which the Board of Management of the University shall be the sole judge, subject to the following :—

- (a) The transfer is with the consent of the State Govt./State University;
- (b) The State Government/State University concerned pays to the University at the time of his permanent absorption in the University, the capitalised value of the retirement benefits in respect of the past service of the employee in that organisation;
- (c) In case the employee in question is on Contributory Provident Fund Scheme the accumulations in his Contributory Provident Fund account shall be transferred by State Govt./State University to the University at the time of permanent absorption.

(iii) When an employee of the University is transferred to Central Government, Central Government Autonomous Bodies, Public Sector Undertakings and Autonomous Bodies under the State Government.

The orders issued by the Government of India and as may be amended from time to time, regarding grant of provident fund benefits or benefits of combined service under Autonomous Bodies, to the employees of Central Government in the event of their transfer/permanent absorption in the Autonomous Bodies, Public Sector Undertakings etc. will apply mutatis mutandis in case of transfer of employees of the University to Central Govt./Autonomous Bodies etc.

(iv) In all cases of absorption where the liability of retirement benefits is to be borne by a body other than the University, prior approval of that body to the arrangement proposed should be obtained.

7. As and when the Central Government amends its rules relating to the General Provident Fund, Contributory Provident Fund, Pension, Gratuity etc., such amendments shall be deemed to have been incorporated in the Statutes with effect from the date such amendments are brought into force by the Central Government with respect to its employees.

GENERAL (MISCELLANEOUS)

8(i) The sanction and payment of retirement benefits admissible under this Statute shall be regulated by such procedural instructions as would be issued by the Board of Management.

(ii) Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of this Statute it shall be referred to the visitor whose decision thereon shall be final.

APPENDIX 'A'

General Provident Fund-cum-Pension-cum-Gratuity Scheme

SECTION 1

General Provident Fund

(1) NOMINATIONS :

1.1 A subscriber shall, at the time of joining the Fund, send to the Finance Officer, a nomination in the prescribed form conferring on one or more persons the right to receive the amount that may stand to his credit in the Fund, in the event of his death, before that amount has become payable or having become payable has not been paid :

1.1.1 Provided, that if, at the time of making nomination, the subscriber has a family the nomination shall not be in favour of any person or persons other than the members of his family.

1.1.2 Provided further that the nomination made by the subscriber in respect of any other fund to which he was

subscribing before joining the Provident Fund shall, if the amount to his credit, in such other fund, has been transferred to his credit in the Fund, be deemed to be a nomination duly made under this rule until he makes a nomination in accordance with this rule.

1.2 If a subscriber nominates more than one person under Rule 1.1 he shall specify in the nomination the amount or share payable to each of the nominees in such manner as to cover the whole of the amount that may stand to his credit in the fund at any time.

1.3 Every nomination shall be in the Form 1 appended.

1.4 A subscriber may at any time cancel a nomination by sending a notice in writing to the Finance Officer. The subscriber shall, along with such notice or separately, send a fresh nomination made in accordance with the provisions of this rule.

1.5 A subscriber may provide in a nomination :

- (a) in respect of any specified nominee, that in the event of his predeceasing the subscriber, the right conferred upon that nominee shall pass to such other person or persons as may be specified in the nomination, provided that such other person or persons shall if the subscriber has other members of his family, be such other member or members. Where the subscriber confers such a right on more than one person under this clause, he shall specify the amount or share payable to each of such persons in such a manner as to cover the whole of the amount payable to the nominees.

- (b) that the nomination shall become invalid in the event of the happening of a contingency specified therein;

Provided that if at the time of making the nomination the subscriber has no family, he shall provide in the nomination that it shall become invalid in the event of his subsequently acquiring a family:

Provided further that if at the time of making the nomination the subscriber has only one member of the family he shall provide in the nomination that the right conferred upon the alternate nominee under clause (a) shall become invalid in the event of his subsequently acquiring other member or members of his family.

1.6 Immediately on the death of a nominee in respect of whom no special provision has been made in the nomination under clause (a) of Rule 1.5 or on the occurrence of any event by reason of which the nomination becomes invalid in pursuance of clause (b) of Rule 1.5 or the proviso thereto, the subscriber shall send to the Finance Officer a notice in writing cancelling the nomination, together with a fresh nomination made in accordance with the provisions of this rule.

1.7 Every nomination made and every notice of cancellation given by the subscriber shall, to the extent that it is valid, take effect on the date on which it is received by the Finance Officer.

(2) The University will not be bound by, nor shall it recognise, any assignment or encumbrance executed or attempted to be created which affects the disposal of the amount standing to the credit of a subscriber who dies before the amount becomes payable.

(3) Subscriber's Account

3.1 An account shall be opened in the name of each subscriber in which will be shown:—

- (i) his subscriptions;
- (ii) interest as provided in Rule 6 on subscriptions; and
- (iii) advances and withdrawals from the fund.

3.2 If an employee admitted to the benefit of the fund was previously a subscriber to any contributory/non-contributory provident fund of the Central Government/State Government or of a body corporate, owned or controlled by Government or Universities/Institutions of University Status

or an Autonomous Organisations registered under the Societies Registration Act, 1860, the amount of his accumulations in such contributory or non-contributory provident fund shall be transferred to his credit in the fund.

(4) CONDITIONS OF SUBSCRIPTION

4.1 Every subscriber shall subscribe monthly to the Fund except during the period when he is under suspension.

4.1.1 Provided that a subscriber may at his option not subscribe during leave which either does not carry any leave salary or carries leave salary equal to or less than half pay.

4.1.2 Provided further that a subscriber on reinstatement after a period passed under suspension shall be allowed the option of paying in one sum or in instalments any sum not exceeding the maximum amount of arrear of subscription payable for that period.

4.2 The subscriber shall intimate his election not to subscribe during leave by a written communication addressed to the Finance Officer before he proceeds on leave. Failure to make due and timely intimation shall be deemed to constitute an election to subscribe. The option of a subscriber intimated under this sub-rule shall be final.

(5) RATES OF SUBSCRIPTION

5.1 The amount of subscription shall be fixed by subscriber himself subject to the following conditions :

5.1.1 The rate of subscription may not be less than 6 per cent of his emoluments and not more than his total emoluments, the amount so calculated being rounded off to the nearest rupee, provided that in the case of subscriptions at the minimum or maximum rates, the rounding off will be to the next higher or the next lower rupee respectively.

5.1.2 It shall be expressed in whole rupees.

5.2 For the purpose of this rule, the emoluments of a subscriber shall be :

5.2.1 In the case of a subscriber who was in service on 31st March of the preceding year, the emoluments to which he was entitled on that date, provided as follows :—

- (i) if the subscriber was on leave on the said date and elected not to subscribe during such leave or was under suspension on the said date, his emoluments shall be the emoluments to which he was entitled on the first day after his return to duty;
- (ii) if the subscriber was on deputation out of India on the said date or was on leave on the said date and continues to be on leave and has elected to subscribe during such leave, his emoluments shall be the emoluments to which he would have been entitled had he been on duty in India;
- (iii) if the subscriber joined the Fund for the first time on a day subsequent to the said date, his emoluments shall be the emoluments to which he was entitled on such subsequent date.

5.2.2 In the case of a subscriber who was not in service on the 31st of March of the preceding year, the emoluments to which he was entitled on the first day of his service or, if he joined the Fund for the first time on a date subsequent to the first date of his service, the emoluments to which he was entitled on such subsequent date.

5.3 The amount of subscription so fixed may be (a) enhanced twice during the course of the year (b) or reduced once at any time during the course of a year (c) reduced and enhanced as aforesaid provided that when the amount of subscription is so reduced it shall not be less than the minimum prescribed under rule 5.1.1.

5.4 Provided further that if a subscriber is on leave without pay or leave on half pay for a part of a calendar month and he was elected not to subscribe during such leave, the amount of subscription payable shall be proportionate to the number of days spent on duty inclusive of leave, if any.

(5A) REALISATION OF SUBSCRIPTION

5A.1 When emoluments are drawn from the University, recovery of subscription on account of these emoluments and of the principal and interest of advances shall be made from the emoluments themselves.

5A.2 When emoluments are drawn from any other source the subscriber shall forward his dues monthly to the Finance Officer :

Provided that the case of a subscriber on deputation to a body corporate owned or controlled by Government, the subscriptions shall be recovered and forwarded to the Finance Officer by such body.

(6) INTEREST

6.1 The University shall pay to the credit of the account of each subscriber, interest for each year at the same rate as may be determined by the Govt. of India for each year for paying to the credit of the subscribers under General Provident Fund (Central Civil Service) Rules, 1960.

6.2 Interest shall be credited with effect from the last day in each year in the following manner;

6.2.1 On the amount at the credit of a subscriber on the 31st March of the preceding year less any sums withdrawn during the current year—Interest for twelve months;

6.2.2 On sums withdrawn during the current year—Interest from the 1st of April of the current year upto the last day of the month preceding the month of withdrawal;

6.2.3 On all sums credited to the subscriber's account after the 31st March of the preceding year—Interest from the date of credit up to the 31st of March of the current year;

6.2.4 The total amount of interest shall be rounded to the nearest rupee (50 p. and above counting as the next higher rupee).

6.3 Provided that when the amount standing at the credit of a subscriber has become payable, interest thereon shall be credited under this sub-rule in respect only of the period from the beginning of the current year or from the date of credit as the case may be, upto the date on which the amount standing to the credit of a subscriber becomes payable.

6.4 For the purpose of this rule, the date of credit shall in the case of recoveries from emoluments be deemed to be the first day of the month in which it is credited and in the case of emoluments forwarded by the subscriber shall be deemed to be the first day of the month of receipt if it is received by Finance Officer before the fifth day of the month and if received on or after the fifth date of that month, the first day of next succeeding month.

6.5 In all cases interest shall be paid in respect of balance at the credit of a subscriber upto the close of the month preceding that in which payment is made or up to the end of the sixth month after the month in which such amount becomes payable, whichever of these periods is less, provided that no interest shall be paid in respect of any period after the date on which the Finance Officer has intimated to the subscriber or his agent as the date on which he is prepared to make payments.

NOTE

Payment of interest on the balances in the fund beyond a period of six months up to the period of one year may be authorised by the Finance Officer after he has personally satisfied himself that the delay in payment was occasioned by circumstances beyond the control of the subscriber and in every such case the administrative delay involved shall be fully investigated and action required taken.

6.6 Where the emoluments for the month are drawn and disbursed on the last working day of the same month, the date of credit in the case of recovery of subscription be deemed to be the first day of succeeding month.

6.7 In case a subscriber is found to have overdrawn from the Fund an amount in excess of the amount standing to

the credit on the date of the drawal the overdrawn amount shall be paid by him with interest thereon in one lumpsum or in default be ordered to be recovered by deduction in one lumpsum from the emoluments of the subscriber. If the total amount to be recovered is more than half of subscriber's emoluments recoveries shall be made in monthly instalments of moieties of his emoluments till the entire amount together with interest is recovered. The rate of interest to be charged on overdrawn amount would be 2.5 per cent over and above the normal rate on Provident Fund balance under Rule 6.1. Interest on overdrawn amount shall be credited to the revenue account of the University.

(7) ADVANCES FROM THE FUND

7.1 The payment of advance from the fund may be sanctioned by the Vice-Chancellor or other officer authorised by him to a subscriber from the amount of his subscription and interest thereon standing to his credit, subject to the following conditions :

7.1.1 No advance shall be granted unless the sanctioning authority is satisfied that the applicant's pecuniary circumstances justify it, and that it will be expended on the following object or objects and not otherwise :

- (i) to pay expenses incurred in connection with the illness of the subscriber and members of his family.
- (ii) to pay for the overseas passage for reasons of health or education of the subscriber and the members of his family.
- (iii) to meet the cost of higher education outside India for academic, technical, professional or vocational courses beyond the High School stage and for any medical engineering or other technical or specialised course in India beyond the High School stage, provided, that the course of study is for not less than three years.

NOTE

Advances under the sub clause may be permitted once in every six months.

- (iv) to pay obligatory expenses on a scale appropriate to the applicant's status in connection with marriages, funerals or ceremonies which by his religion it is incumbent on him to incur.
- (v) to meet the cost of legal proceeding instituted by the applicant for vindicating his position in regard to any allegations made against him in respect of any act done or purporting to be done by him in the discharge of his official duty;

Provided that the advance under this sub-rule shall not be admissible to an applicant who institutes legal proceedings in any court of law either in respect of any matter unconnected with his official duty or against the University in respect of any condition of service or penalty imposed on him.

- (vi) to meet the cost of his defence where the applicant is prosecuted by the University in any court of law in respect of any alleged official misconduct on his part.
- (vii) to meet the cost of plot or construction of a house or flat for his residence or to make any payment towards the allotment of plot or flat to the Delhi Development Authority or a State Housing Board or a House Building Co-operative Society.
- (viii) to meet the cost of travel abroad of the applicant when permitted by the Board of Management to attend academic conferences, symposia or for academic/technical work.

NOTE

The Board of Management may in special circumstances, sanction the payment to any subscriber of the advance if the Board is satisfied that the subscriber concerned requires the advance for reasons other than those mentioned in Rule 7.1.1.

7.1.2 An advance shall not exceed the following ceiling limits :

- (i) when sanction for any of the—3 months pay of the objects mentioned in clause (i) to (viii) of Rule 7.1.1 Subscriber

Provided however, that in no case shall be amount of advance exceed 50 per cent of amount of the member's subscription and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund.

7.1.3(i) An advance shall, not, except for special reasons to be recorded in writing, be granted to any subscriber in excess of the limit laid down in Rule 7.1.2 herein or until repayment of the last instalment of any previous advance.

(ii) When an advance is sanctioned under this Rule before repayment of last instalment of any previous advance is completed, the balance of any previous advance not recovered shall be added to the advance so sanctioned and the instalments for recovery shall be fixed with reference to the consolidated amount.

NOTE :—The advance under this clause will be sanctioned by Vice-Chancellor or any Officer to whom powers in this regard had been delegated.

7.1.4 The sanctioning officer shall record in writing his reasons for granting the advance. Provided that if the reason is of confidential nature, it may be communicated to the Finance Officer personally and/or confidentially.

7.1.5 The amount of advance shall be recovered in not more than twenty four equal monthly instalments, if the advance was sanctioned for any of the objects mentioned in clauses (i) to (viii) of Rule 7.1.1. In special cases where the amount of the advance, exceeds three months' pay of the subscriber the sanctioning authority may fix such number of instalments to be more than 24 but in no case more than 36. Each instalment shall be a number of whole rupees, the amount of advance being raised or reduced, if necessary, to admit of the fixation of such instalments. A subscriber may at his option repay in a smaller number of instalments than that agreed upon at the time of grant of advance or in a lump sum.

7.1.6 Recovery shall be made from the emoluments of a subscriber and shall commence on the first occasion after the advance is made, on which the subscriber draws emoluments for a full month.

7.1.7 Recoveries made under this rule shall be credited as they are made to the subscriber's account in the Fund.

7.2 Notwithstanding anything contained in these rules, if the sanctioning authority is satisfied that money withdrawn as an advance from the Fund under Rule 7.1 has been utilised for a purpose other than, that for which sanction was given to the drawal of the money the amount in question shall be repaid by the subscriber to the Fund or in default be ordered to be recovered by deduction in one sum from the emoluments of the subscriber. If the total amount to be repaid be more than half the subscriber's emoluments, the recoveries shall be made in monthly instalments of moieties of his emoluments till the entire amount recoverable be repaid.

NOTE :—The term 'emoluments' as used in this rule does not include subsistence allowance, if any, granted in cases of suspension of an employee pending an enquiry into his alleged misconduct.

8. WITHDRAWAL FROM THE FUND

8.1 Subject to the conditions specified herein, withdrawals from the Fund may be sanctioned by the Vice-Chancellor or any officer to whom powers in this regard had been delegated at any time —

(A) After the completion of twenty years of service (including broken periods of service, if any) of a subscriber or within ten years before the date of his retirement on superannuation, whichever is earlier, from the amount stan-

ding to his credit in the Fund, for one or more of the following purposes :—

- (a) Meeting the cost of higher education, including where necessary, the travelling expenses of the subscriber or any child of the subscriber in the following cases, namely :—
 - (i) for education outside India for academic, technical, professional or vocational course beyond the High School stage, and
 - (ii) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the High School stage.
- (b) Meeting the expenditure, in connection with the betrothal/marriage of the subscriber or his sons or daughters, and any other female relations actually dependent on him.
- (c) Meeting the expenses in connection with the illness including where necessary, the travelling expenses, of the subscriber and members of his family or any person actually dependent on him.

(B) After the completion of ten years of service (including broken periods of service of any) of a subscriber or within ten years before the date of his retirement on superannuation whichever is earlier, from the amount standing to his credit in the Fund for one or more of the following purposes, namely :—

- (a) Building or acquiring a suitable house or ready-built flat for his residence including the cost of the site.
- (b) Repaying an outstanding amount on account of loan expressly taken for building or acquiring a suitable house or ready-built flat for his residence.
- (c) Purchasing a house-site for building a house thereon for his residence or repaying any outstanding amount on account of loan expressly taken for this purpose.
- (d) Reconstructing or making additions or alterations to a house already owned or acquired by a subscriber.
- (e) Renovating, additions or alterations or upkeep of an ancestral house at a place other than the place of duty or to a house built with the assistance of loan from University at a place of her than the place of duty.
- (f) Constructing a house on a site purchased under clause (c).
- (C) Acquiring a farm land or business premises or both within six months before the date of the subscriber's retirement.
- (D) Once during the course of a financial year an amount equivalent to one year's subscription paid for by the subscriber towards Group Insurance Scheme for the University employees on self financing and contributory basis, if any.

NOTE 1

A subscriber who has availed himself of an advance for house building purpose from the University source, shall be eligible for the grant of final withdrawal under clauses (a), (c) (d) and (f) of clause B for the purposes specified therein and also for the purpose of repayment of any loan taken from the University subject to the limit specified in rule 8.2.

If a subscriber has an ancestral house or built a house at a place other than the place of the duty with the assistance of loan taken from the University he shall be eligible for the grant of a final withdrawal under clauses (a), (c) and (f) of Clause B for purchase of a house site or for construction of another house or for acquiring a ready-built flat at the place of his duty.

NOTE 2

Withdrawal under clauses (a), (d), (e) or (f) of clause (B) shall be sanctioned only after a subscriber has submitted a

plan of the house to be constructed or of the additions or alterations to be made duly approved by the local municipal body of the area where the site or house is situated and only in cases where the claim is actually got to be approved.

NOTE 3

The amount of withdrawal sanctioned under sub-clause (b) of clause B shall not exceed $\frac{3}{4}$ th of the balance on date of application together with the amount of previous withdrawal under clause (d), reduced by the amount of previous withdrawal. The formula to be followed is : $\frac{3}{4}$ of balance (as on date plus amount of previous withdrawal (s) for the house in question) minus the amount of the previous withdrawal (s).

NOTE 4

Withdrawal under sub-clauses (a) or (d) of clause B shall also be allowed where the house-site or house is in the name of wife/husband provided she/he is the first nominee to receive Provident Fund money in the nomination made by the subscriber.

NOTE 5

Only one withdrawal shall be allowed for the same purpose under rule 8.1. But marriage/education of different children or illness on different occasions shall not be treated as the same purpose. Second or subsequent withdrawal under clauses (a) or (f) of clause B or completion of the same house shall be allowed upto the limit laid down under Note 3.

NOTE 6

A withdrawal under rule 8.1 shall not be sanctioned if an advance under rule 7 is being sanctioned for the same purpose and at the same time.

8.2 CONDITIONS FOR WITHDRAWAL

8.2.1 Any sum withdrawn by a subscriber at any one time for one or more of the purposes specified in Rule 8.1 from the amount standing to his credit in the Fund shall not ordinarily exceed one-half of such amount or (six months) pay of the subscriber, whichever is less. The Vice-Chancellor or sanctioning officer may, however, sanction the withdrawal of an amount in excess of these limits up to three-fourths of the balance at his credit in the Fund, having due regard to (i) the object for which the withdrawal is being made, (ii) the status of the subscriber, and (iii) the amount to his credit in the Fund.

8.2.2 Provided in no case the maximum amount of withdrawal for purposes specified in clause B of sub-rule 8.1 shall exceed the maximum limit prescribed from time to time for the grant of advances for house building purposes.

8.2.3 In the case of a subscriber who has availed himself of an advance under the Scheme of House Building Advance of the University, for the purpose of house building the sum withdrawn under this sub-rule together with the advance taken under the aforesaid scheme of the University shall not exceed the maximum prescribed for the grant of advance for house building purposes.

8.3 A subscriber who has been permitted to withdraw money from the Fund under this rule, shall satisfy the Vice-Chancellor or sanctioning officer within a reasonable period as may be specified by him that the money has been utilised for the purpose for which it was withdrawn and if he fails to do so, the whole of sums so withdrawn or so much thereof as has been not applied for the purpose for which it was withdrawn shall forthwith be repaid in one lump sum and in default of such payment it shall be ordered by the Vice-Chancellor or sanctioning officer to be recovered from his emoluments either in a lump sum or in such number of monthly instalments as may be determined by the Board of Management.

8.4 A subscriber who has been permitted under sub-clause (a) sub-clause (b) or sub-clause (c) of clause B of sub-rule (1) of this rule to withdraw money from the amount of subscription together with interest thereon standing to his credit in the Fund, shall not part with the possession of the house

so built or acquired or house-site so purchased by way of sale, mortgage (other than mortgage to the Vice-Chancellor of the University) or gift, without the previous permission of the Vice-Chancellor. He shall also not part with the possession of such house or house-site by way of exchange or lease for a term exceeding three years, without the previous permission of the sanctioning officer. The subscriber shall submit a declaration not later than the 31st day of December, of every year to the effect that the house or as the case may be, the house-site continues to be in his possession and shall, if so required produce before the sanctioning officer on or before the date specified by that officer in that behalf the original sale deed and other documents on which his title to the property is based.

8.5 If at any time before retirement, he parts with the possession of the house or house-site without obtaining the previous permission of the Vice-Chancellor of the University or sanctioning officer as the case may be, the sum withdrawn by him shall forthwith be repaid in one lump sum by the subscriber to the Fund and in default of such repayment it shall be ordered by the sanctioning authority to be recovered from his emoluments either in a lump sum or in such number of monthly instalments as may be determined by the Vice-Chancellor or sanctioning officer. Continuous service rendered in another Central/State University, State/Central Government or autonomous body under Central Government will be taken into account while determining the period of service for purpose of this rule.

8.6 A subscriber who has already drawn or may draw in future an advance under rule 7 for any of the purposes specified in sub-rule 8.1 may convert at his discretion by written request to the sanctioning officer, the balance outstanding into a final withdrawal on his satisfying the conditions laid down in rule 8.1 and 8.2.

9. FINAL WITHDRAWALS OF ACCUMULATIONS IN THE FUND

9.1 When a subscriber quits the service of the University, the amount standing to his credit in the Fund shall become payable to him.

9.1.1 Provided that a subscriber who has been dismissed from the service of the University and is subsequently reinstated in service, shall if required to do so, repay any amount paid to him from the Fund in pursuance of this rule with interest thereon at the rate provided in these rules in the manner provided. The amount so repaid shall be credited to his account in the fund.

EXPLANATION :

A subscriber who is granted refused leave shall be deemed to have quit the service from the date of compulsory retirement or on the expiry of an extension of service.

10. Retirement of a Subscriber.

10.1 When a subscriber (a) has proceeded on leave preparatory to retirement or (b) while on leave has been permitted to retire or has been declared by the Consulting Medical Officer of the University or by a competent medical authority that may be prescribed by the Board of Management in this behalf to be unfit for further service, the amount standing to his credit in the Fund shall upon an application made by him in that behalf to the Finance Officer becomes payable to the subscriber.

10.1.1 Provided that the subscriber if he returns to duty shall, if required to do so, repay to the Fund for credit to his account the whole or part of any amount paid to him from the Fund in pursuance of this rule with interest thereon at the rate provided by instalments or otherwise by recovery from his emoluments or otherwise as the Vice-Chancellor or the sanctioning officer may direct.

11. Procedure on the death of a subscriber.

11.1 On the death of a subscriber before the amount standing to his credit has become payable or where the amount has become payable before payment has been made.

11.1.1 When a subscriber leaves a family :

- (a) if a nomination made by a subscriber in accordance with the provisions of Rule 1.1 or of the corresponding rule heretofore in force in favour of a member or members of his family subsists the amount standing to his credit in the Fund or the part thereof to which the nomination relates shall become payable to his nominee or nominees in the proportion specified in the nomination ;
- (b) if no such nomination in favour of a member or members of the family of the subscriber subsists or if such nomination relates only to a part of the amount standing to his credit in the Fund, the whole amount or the part thereof to which the nomination does not relate, as the case may be, shall, notwithstanding any nomination purporting to be in favour of any person or persons other than a member or members of his family, become payable to the members of his family in equal shares.

Provided that no share shall be payable to :

- (i) sons who have attained majority ;
- (ii) sons of a deceased son who have attained majority ;
- (iii) married daughters whose husbands are alive ;
- (iv) married daughters of a deceased son whose husbands are alive.

If there is any member of the family other than those specified in clauses (i), (ii), (iii) and (iv).

Provided further that the widow or widows and the child or children of a deceased son shall receive between them in equal parts only the share which that son would have received if he had survived the subscriber and had been exempted from the provision of clause 1 of the first proviso.

11.1.2 When the subscriber leaves no family—If a nomination made by him in accordance with the provisions of Rule 1.1 or of the corresponding rule heretofore in force in favour of any person or persons, subsists, the amount standing to his credit in the Fund or the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his nominee or nominees in the proportion specified in the nomination.

12. Deposit-linked Insurance Scheme

12.1 On the death of a subscriber in service, the person(s) entitled to receive the amount standing to the credit of the subscriber shall be paid by the Finance Officer an additional amount equal to the average balance in the account of the deceased in the Fund during the three years immediately preceding the death of the employee subject to the fulfilment of the following conditions :—

(a) The balance representing subscription with interest thereon in the account of the employee should not have fallen below the following limits at any time during the three years preceding the date of death :

- | | |
|------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| (i) Teachers, Asstt. Registrars and officials of equivalent scale and above | Rs. 4,000 |
| (ii) Section officers and other officials in equivalent scale | Rs. 2,500 |
| (iii) Employees other than those mentioned in (i) and (ii) | Rs. 1,500 |
| (iv) Lower subordinate staff in scale the maximum of which is Rs. 1,151 and below. | Rs. 1,000 |

(b) The additional amount payable under this rule shall not exceed Rs. 10,000.

(c) The benefit would be admissible only if the subscriber has put in at least five years service at the time of death.

13. Statement of accounts

13.1 As soon as possible after the 31st March of each year the Finance Officer shall send to each subscriber a statement of his account in the Fund, showing the opening balance on the

1st of April of the year, the total amount credited and debited during the year, the total amount of interest credited as on the 31st of March of the year and the closing balance on that date. The Finance Officer shall attach to the statement of account an enquiry whether the subscriber:

- (a) desires to make any alteration in any nomination made by the subscriber;
- (b) has acquired a family (in cases where the subscriber has made no nomination in favour of his family under the rules).

13.2 Subscriber should satisfy themselves as to the correctness of the annual statement and errors should be brought to the notice of the Finance Officer within six months from the date of receipt of the statement.

13.3 The Finance Officer shall, if required by a subscriber, once, but not more than once in a year, inform the subscriber of the total amount standing to his credit in the Fund at the end of the last month for which his account has been written up.

14. Investment of Fund.

14.1 All sums paid into the Fund under the rules shall be credited in the books of the University to an account named "General Provident Fund Account of the University..."

A deposit account shall be opened in such Scheduled Bank as the University may decide upon from time to time to be operated in such manner as the Board of Management may direct. The balance of the Fund, after reserving suitable amounts for current needs, shall be invested in the National Savings Certificates and/or other investment covered by Section 20 of the Indian Trust Act of 1882 as soon as possible after monthly accounts are closed. The interest received from the above investments shall be credited as receipts in the revenue account of the University.

14.2 Sums of which payment has not been taken within six months after they become payable under those rules shall be transferred to "Deposits" at the end of the year and treated under the ordinary rules relating to deposits.

15. Relaxation of the provisions of the rules in individual case.

When the Board of Management is satisfied that the operation of any of these rules causes or is likely to cause undue hardship to a subscriber the Board may notwithstanding anything contained in these rules, deal with the case of such subscriber in such manner as may appear to be just and equitable.

16. While applying the rules to the employees of the University, the clarifications or ruling given by "Government of India" relating to GPF (Central Services) Rules, 1960 will be taken into consideration.

17. Forms for (a) Application for advances/part final withdrawal/Final payment of balances in the Provident Fund (b) Sanctions for withdrawals (c) Conversion of an advance into a final withdrawal (d) General Index Register (e) Provident Fund Ledger Folio (f) Broad sheet of GPF etc. shall be in such form as may be prescribed by the Board of Management.

SECTION II

PENSION

18.1 Every person governed by the provisions of this Section of Appendix 'A' shall be entitled to a pension according to the rules provided hereinafter.

18.2 Subject to such conditions as may be applicable to the categories of pension set out below, no person shall be eligible for pension unless he has put in a minimum of ten years qualifying service in the University; provided that the minimum age after which service counts for pension shall be eighteen years. In case the qualifying service falls below ten years, gratuity shall be admissible as calculated at a uniform rate of half month's emoluments for every completed six monthly period of service. Temporary employees who

retired on superannuation or permanently incapacitated for further service by the appropriate medical authority after rendering 10 years of service shall be eligible for pension on the same scale as admissible to those in permanent employment.

19.1 Subject to the minimum qualifying service, an employee shall be eligible for one or other of the following classes of pensions, depending upon the circumstances of the cases:—

- (a) Compensation Pension:—If an employee is discharged owing to the abolition of the permanent post and it is not possible to provide him with alternate employment or when a lower post is offered but not accepted by him, he shall be granted a compensation pension on the scale prescribed in Rule 20 below.
- (b) Invalid Pension:—An invalid pension shall be granted to an employee, on retirement from the service of the University for permanent physical or mental disability incapacitating him for further service, if certified by the competent Medical Authority as may be prescribed by the Board of Management, on the scale prescribed in Rule 20 below.

In respect of an employee who retires on invalid pension, the amount of invalid pension shall not be less than the amount of the family pension under sub Rule 32.9 of Family Pension of this Appendix.

- (c) Superannuation Pension:—A Superannuation pension shall be granted to an employee who is retired from service on his attaining the age of retirement.
- (d) Retiring Pension:—A retiring pension shall be granted to an employee who is permitted to retire after completing twenty years of qualifying service or retired prematurely in advance of the age of superannuation.

Provided that in the event of retirement after twenty years of qualifying service but before the completion of the age of superannuation the employee concerned shall give in this behalf a notice in writing in the Registrar at least three months before the date on which he wishes to retire.

20.1 An employee eligible for pension under any of the categories mentioned above shall be granted on retirement, after completing qualifying service of not less than thirty years monthly pension calculated at 50 per cent of the average emoluments subject to a minimum of Rs. 375 p.m. and maximum of Rs. 4,500 p.m. In the case of employees who at the time of retirement have rendered qualifying service of 10 years or more but less than 33 years the amount of their pension will be such proportion of the maximum admissible pension as the qualifying service rendered by them bears to the maximum qualifying service of 33 years.

20.2 In the case of voluntary retirement after the completion of twenty years, weightage upto five years will be added to the qualifying service of the official provided that:

- (a) the total qualifying service including the weightage does not exceed 33 years;
- (b) the period does not go beyond the date of normal superannuation of the official;
- (c) the weightage of service shall not entitle the employee to any notional fixation of pay for the purposes of calculating pension and gratuity.

This sub-rule shall not apply to an employee who retires from the University service for being absorbed permanently in autonomous body or public sector undertaking.

21. Commutation of Pension

An employee shall, subject to the conditions specified below be allowed to commute for lumpsum payment of a fraction not exceeding one third of his pension granted to him:

- (i) No commutation shall be sanctioned without the medical certificate of competent medical authority as may be prescribed by the Board, except in the cases of employees retiring on compensation pension, super-

annuation or retiring pension (including those on absorption in or under a Corporation or autonomous body and elect to receive monthly pension) provided the application for commutation is made within a year of the date of retirement.

- (ii) The lumpsum payable on commutation shall be calculated in accordance with the table of value prescribed by Government of India for its employees and application to the applicant on the date on which the commutation becomes absolute.
- (iii) The commutation of pension shall become absolute on the date of receipt of application, in the prescribed form by the Registrar or on the date following the date of retirement, whichever is later. In the case of commutation after medical examination the date will be the date on which the medical officer signs the medical certificate.
- (iv) The reduction in the amount of pension on account of commutation shall be operative from the date of receipt of the amount of commuted value of pension or at the end of three months after issue of authority by the Finance Officer for the payment of commuted value of pension, whichever is later.

22. Such University pensioners who will complete 15 years from their respective dates of retirement will have their commuted portion of pension restored.

23. University employees who get themselves absorbed under Central Public Sector Undertakings/autonomous bodies and have received/or opt to receive commuted value of 1/3rd of pension as well as terminal benefits equal to the commuted value of balance amount of pension left after commuting 1/3rd of pension are not entitled to any benefit under Rule 22 as they cease to be University pensioners.

24. Each pensioner, who is eligible as in Rule 22 above, is required to apply in the prescribed form, duly completed, to the Finance Officer of the University who will restore the commuted portion of pension if the commuted amount has been mentioned in the Pension Payment Order and will also pay the arrears, if any.

SECTION III

GRATUITY

20.1 An employee who has completed five years of qualifying service in the University and has become eligible for service gratuity or pension under such Rules 18.1 and 18.2 as well as temporary employee who retired on superannuation or on invalidation after rendering 10 years of service and had become eligible for pension, shall on his retirement be granted in addition Retirement gratuity in accordance with the scale indicated in Rule 26. In the event of his demise, this gratuity shall be payable to the nominee or nominees of the deceased in the manner prescribed (vide form II & II A). No gratuity shall be payable on resignation from the service of the University or dismissal or removal from it for misconduct, insolvency or inefficiency not due to age.

20.2 If there is no such nomination or if the nomination made does not subsist the gratuity shall be paid in the manner indicated below :

- (a) If there are one or more surviving members of the family as in the following sub-clauses (aa), (bb), (cc) and (dd) to all such members in equal shares :
 - (aa) wife and wives, in the case of a male employee;
 - (bb) husband in the case of female employee;
 - (cc) sons including step sons and adopted sons;
 - (dd) unmarried daughters including step daughters and adopted daughters.
- (b) If there are no such surviving members of the family as in Clause (a) above, but there are one or more members as in the following sub-clauses (aa), (bb), (cc), (dd), (ee), (ff) and (gg) to all such members in equal shares :

- (aa) widowed daughters including step daughters and adopted daughters.
- (bb) father including adoptive parents in the case.
- (cc) mother of individuals whose personal law permits adoption.
- (dd) brothers below the age of eighteen years including step brothers;
- (ee) unmarried sisters and widowed sisters including step sisters;
- (ff) married daughters; and
- (gg) children of pre-deceased son.

NOTE 1

The right of a female member of the family, or that of a brother, of an employee who dies while in service or after retirement, to receive the share of gratuity shall not be affected if the female member marries or re-marries or the brother attains the age of eighteen years, after the death of the employee and before receiving her or his share of the gratuity.

NOTE 2

Where gratuity is granted under this rule to a minor member of the family of the deceased employee, it shall be payable to the guardian on behalf of the minor.

NOTE 3

Where an employee dies while in service, or after retirement without receiving the amount of gratuity, and—

- (a) leaves behind no family; or
 - (b) has made no nomination; or
 - (c) the nomination made by him does not subsist;
- the amount of death-cum-retirement gratuity payable to him under this rule shall lapse to the University.

26. The amount of Retirement gratuity shall be one fourth of the emoluments of an employee for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 16 1/2 times the emoluments.

Provided that in no case it shall exceed Rs. 1,00,000.

Provided further that the amount of Retirement gratuity, finally calculated should be rounded off to the next higher rupee.

27. RESIDUARY GRATUITY

If an employee who has become eligible for a pension or gratuity dies within a period of five years after he retires from the service of the University, including compulsory retirement as a penalty and the sums actually received by him at the time of death on account of such pension together with the gratuity granted under the above provisions and the commuted value of any portion of the pension commuted by him are less than the amount equal to twelve times the emoluments, a gratuity to the deficiency shall be granted to the person or persons nominated by him.

28. DEATH GRATUITY

In the event of death in harness, the Death Gratuity shall be admissible at the following rates :

Length of Service	Rate of Gratuity
1. less than one year	2 times of emoluments
2. one year or more but less than five years	6 times of emoluments
3. five years or more but less than 20 years	12 times of emoluments
4. 20 years or more	Half the emoluments for every completed six months period of qualifying service subject to maximum so 33 times emoluments provided that the amount of Death Gratuity shall in no case exceed one lakh rupees.

29. The emoluments for the purpose of Retirement gratuity under Rule 26 to 28 shall be reckoned in accordance with sub-clause (b) of Clause 3 of Statute 22 provided that if the emoluments of an employee has been reduced during the last ten months of his service otherwise than as a penalty, average emoluments as referred to in sub-clause (c) of clause 3 of Statute 22 shall be treated as emoluments.

30. TEMPORARY EMPLOYEES WITH LESS THAN TEN YEARS OF SERVICE.

30.1 Terminal Gratuity

A temporary employee who retires on superannuation or is declared invalid for further service before completion of 10 years of service or is discharged on account of retrenchment will be eligible for a gratuity at the rates indicated below :—

Length of service	Terminal Gratuity admissible
5 years and above but less than 10 years	half the amount of pay for each completed year of service

Provided that the service is continuous and satisfactory.

Provided that where the service rendered by the employee is not held to be satisfactory, by the authority competent to appoint and such authority may be order and for reasons to be mentioned therein, make such reduction in the amount of gratuity as it may consider proper.

Provided also that the amount of terminal gratuity payable under this sub-rule shall not be less than the amount which the employee would have got as a matching University's Contribution to Provident Fund, if he were the member of Contributing Provident Fund Scheme from the date of his continuous temporary service, subject to the condition that the matching contributions shall not exceed 8 per cent of his pay.

30.2 Provided further, in the case of compulsory retirement as a disciplinary measure, the rate of gratuity payable in his case shall not be less than two thirds of pay, in no case exceeding the rate specified for corresponding continuous service.

30.3 DEATH GRATUITY

The family of a temporary employee, (with less than 10 years service) who dies while in service will be eligible for a death gratuity on the same scale and subject to the conditions as laid down in Rule 28.

No gratuity shall be admissible under this rule to an employee who is re-employed after retirement on superannuation or retiring pension.

NOTE

For the purpose of this rule.

- (a) 'Pay' will mean only basic pay. It will not include special pay, personal pay and other emoluments classed as pay. In case the employee concerned was on leave with or without allowance, pay for this purpose will be the pay which he would have drawn had he not processed on such leave.

SECTION IV FAMILY PENSION

31. The Family Pension Scheme as detailed below will be applicable to regular employees in pensionable service—temporary or permanent.

32. It will be administered as below :—

For those who opt. for G.P.F.-cum-Pension-cum-Gratuity Scheme, the following provisions will apply.

32.1 The family pension, the amount of which shall be determined in accordance with the Table below sub-rule 32.9 will be admissible to the family of the deceased in case of death of the employee while in service, or after retirement from service and on date of death, the retired officer was in receipt of pension. In case of death while in service, the employee should have completed a minimum period of one year of continuous service or before completion of one year of continuous service, the deceased employee was medically examined and found fit by the appropriate medical authority immediately prior to his appointment.

NOTE :

Continuous service mean service rendered in a temporary or permanent capacity in a pensionable service and does not include (1) period of suspension if any, and (2) period of service rendered before attaining the age of 18 years.

32.2 'Family' for purpose of this scheme will include the following relatives of the employee :

- wife in the case of male officer ;
- husband in the case of female officer ;
- son, who has not attained the age of 21 years ;
- unmarried daughter : who has not attained the age of 30 years.

NOTE :

(i) (c) and (d) will include children adopted legally before retirement but not include son or daughter born after retirement.

(ii) Marriage after retirement will not be recognised for the purpose of the scheme.

32.3 The pension will be admissible :—

- In the case of widow/widower upto the date of death or remarriage whichever is earlier ;
- In the case of a minor son until he attains the age of 21 years ;
- In the case of an unmarried daughter until she attains the age of 30 years or marriage whichever is earlier.

Provided that if the son or daughter of an employee is suffering from any disorder or disability of mind or is physically crippled or disabled so as to render him or her unable to earn a living even after attaining the age of 21 years in the case of son and 30 years in the case of daughter, the family pension shall be payable to such son or daughter for life subject to the following conditions, namely :

- If such son or daughter is one among two or more children of the employee, the family pension shall be initially payable to the minor children in the order set out in item (c) of sub-rule 32.4 of this rule until the last minor child attains the age of 21 or 30, as the case may be, and thereafter the family pension shall be resumed in favour of the son or daughter suffering from disorder or disability of mind or who is physically crippled or disabled and shall be payable to him/her for life ;
- If there are more than one such son or daughter suffering from disorder or disability of mind who are physically crippled or disabled, the family pension shall be paid in the following order, namely :
 - firstly, to the son, and if there are more than one son, the younger of them will get the family pension only after the life time of the elder ;
 - secondly, to the daughter, and if there are more than one daughter, the younger of them will get the family pension only after the life time of the elder.

- (iii) the family pension shall be paid to such son or daughter through the guardian as if he or she were a minor ;
- (iv) before, allowing the family pension for life to any such son or daughter, the sanctioning authority shall satisfy that the handicap is of such a nature as to prevent him or her from earning his or her livelihood and the same shall be evidenced by a certificate obtained from a medical officer not below the rank of Civil Surgeon setting out, as far as possible the exact mental or physical condition of the child ;
- (v) The person receiving the family pension as guardian of such son or daughter shall produce (i) every three years a certificate from a medical officer not below the rank of Civil Surgeon setting out, as far as he or she continues to suffer from disorder or disability of mind or continue to be physically crippled or disabled, (ii) every month a certificate (a) that the beneficiary has not started his/her livelihood (b) in case of daughter that she has not yet married, as the case may be.

NOTE :

Where an deceased employee is survived by more than one widow, the pension will be paid to them in equal shares. On the death or re-marriage of widow, her share of pension will become payable to her eligible minor child. If at the time of her death/re-marriage a widow leaves no eligible minor child, the payment of her share of pension will cease.

Where the deceased employee is survived by a widow out has left behind an eligible minor child from another wife, the eligible minor will be paid the share of the pension which the mother would have received if she had been alive at the time of the death of the employee.

32.4 (a) Except as provided in notes (1) and (2) below sub-rule 32.3 the family pension shall not be payable to more than one member of the family at the same time.

(b) If a deceased employee or pensioner leaves behind a widow or widower the family pension shall become payable to the widow or widower, failing which to the eligible child.

(c) If sons and unmarried daughters are alive, unmarried daughters shall not be eligible for family pension unless the son attains the age of eighteen years and thereby become eligible for the grant family pension.

32.5 In the event of re-marriage or death of widow/widower the pension will be granted to the minor children through their natural guardian. In disputed cases, however, payments will be made through a legal guardian.

32.6 When both husband and wife are employees and one of them dies while in service or after retirement, the family pension in respect of the deceased is payable to the surviving husband/wife and in the event of the death of husband or wife the children of the deceased couple will be granted two family pensions in respect of the deceased parents subject to the limits specified below :

- (i) if the surviving child or children is or are eligible to draw two family pensions and if both or one of the family pension is at the higher rates mentioned in sub-rule 32.9(b) below, the amount of both the pension shall be limited to Rs. 2,500 p.m.
- (ii) if both the family pension are payable at the lower rates mentioned in sub-rule 32.9(a) below, the amount of two pensions shall be limited to Rs. 1250 p.m.

32.7 Family pension admissible under these rules shall not be granted to a person who is receipt of family pension or is eligible therefore, under any other rules of the Central or a State Government and/or public sector undertaking/autonomous body/local Fund under the Central or State Government.

32.8 The amount of family pension shall be fixed at monthly rates and be expressed in whole rupees and where the family pension contains a fraction of a rupee it shall be rounded off to the next higher rupees, provided in no case a family pension in excess of the maximum prescribed shall be allowed.

32.9 (a) Under the scheme, the family pension of the deceased shall be entitled to a family pension the amount of which shall be determined in accordance with the table below :—

TABLE

Pay of the employee	Amount of monthly family pension
(a) Not exceeding Rs. 1,500/-	50% of basic pay subject to minimum of Rs. 375/-
(b) Exceeding Rs. 1,500/- but not exceeding Rs. 3,000/-	70% of basic pay subject to a minimum of Rs. 450/-
(c) Exceeding Rs. 3,000/-	15% of basic pay subject to a minimum of Rs. 600/- and a maximum of Rs. 1,250/-

(b)(i) In the event of the death of an employee while in service after having rendered not less than seven years continuous service, the rate of family pension payable to the family shall be equal to 50% of the pay last drawn or twice the family pension admissible under sub-clause (a) whichever is less and the amount so admissible shall be payable from the date of death of the employee, for a period of seven years or upto the date on which he would attain the age of 63 years had he survived whichever period is less.

(ii) In the event of the death after retirement the family pension at enhanced rates shall be payable upto the date on which the employee would have attained the age of 65 years had he survived, or for seven years whichever period is less but in no case the amount of family pension shall exceed the pension sanctioned to the employee at the time of retirement. However, in cases where the amount of family pension admissible as per the sub-clause (a) above exceeds the pension sanctioned at the time of the retirement, the amount of family pension sanctioned under this sub-clause shall not be less than that amount. The pension sanctioned at the time of retirement shall be the pension inclusive of any portion which may have been commuted before death.

NOTE :

'Pay' for the purpose of sub-rule 32.9 shall mean (i) the employments as defined in Statute 23 or (ii) the average emoluments as defined in Statute 23 if the emoluments of the deceased employee have been reduced during the last ten months of his service otherwise than as penalty.

32.10 All employees entitled to the benefit of family pension shall be required to furnish details of their 'family' as defined in sub-rule 32.2 above i.e. the date of birth of each member with his/her relationship with employee, in Form III. This statement shall be countersigned by the Registrar and pasted in the service record of the employee. The employee will thereafter be required to keep the statement upto date. Addition and alterations in this statement will be made by the Registrar from time to time on receipt of information from the employee concerned.

32.11 In cases where death occurs while in service the Registrar on receiving information of death of an employee while in service shall send a letter as prescribed in Form IV to the family of the deceased and ask for necessary documents mentioned therein. On receiving the documents the Registrar shall take necessary action to sanction the pension to the eligible member of the family.

SECTION V

EXTRAORDINARY PENSION

33.1 The grant of disability pension, compensation in lieu of disability pension, consolidated extraordinary family pension may be sanctioned by the Board of Management on the advice of an ad hoc committee when an employee sustains injury or dies as a result of an injury or is killed. In making the award the Board of Management will take into consideration the degree of the fault or contributory negligence on the part of an employee who sustains injury or dies as a result of an injury or is killed.

33.2 The said ad hoc committee shall consist of five members, four appointed by the Board of Management from amongst themselves and fifth member will be the representative from the Ministry of Finance, Government of India.

33.3 The amount payable will be at the same rates and on the same conditions as laid down by Government of India CCS (Extraordinary Pension) Rules as amended from time to time.

33.4 When a claim for any disability pension or extraordinary family pension arises it should be placed before the Board of Management through Registrar with the following documents :

- (a) a full statement of circumstances in which the injury was received, the disease was contracted or the death occurred ;
- (b) the application for disability pension or extraordinary family pension as the case may be in the form prescribed.
- (c) In the case of injured member of staff a medical report or in the case of deceased member of staff a medical report in the form prescribed. In the case of deceased member of the staff a medical report as to the death or reliable evidence as to the actual occurrence of the death if the member of the staff lost his life in such circumstances that a medical report cannot be secured.

APPENDIX 'B'

Contributory Provident Fund-cum-Gratuity Scheme :

- (1) The employees who opt for the Contributory Provident Fund-cum-Gratuity Scheme will be subject to the Contributory Provident Fund Rules as contained below.
- (2) Gratuity admissible under the Scheme, will however, be at the same rate and on the same conditions as laid down in Appendix A, Section III of General Provident Fund-cum-Pension-cum-Gratuity Scheme.

CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND RULES

1. Application of Rules

These rules shall apply to all the employees of the University, both academic and non-academic except the following :—

- (a) Persons appointed against purely temporary vacancies, part-time servants and daily wages staff who are not entitled to the benefit of the fund under their conditions of service.
- (b) Employees of the Central Government or any State Government who may be serving with the University on Foreign Service Terms and in respect of whom the University pays leave and pension contributions, unless any decision to the contrary is taken at the time of their appointment.
- (c) Employees appointed on contract and where conditions of service are laid down in the terms of contract provided that a person who is initially appointed on contract and is subsequently made permanent employee of the University shall be entitled to the benefits of the Fund if the retirement benefits received by him in respect of his contract period are paid back to the University.

NOTE :

(i) A person retired from any civil or military department on the Central Government or from services of any local funds administered by Government or from any other institution may on re-employment in the University be admitted to the fund by the University subject to such instructions as may be issued from time to time.

(ii) For the purpose of these Rules, emoluments means pay leave salary or subsistence grant and includes :

- | | |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------|
| <ol style="list-style-type: none"> (a) Special pay (b) Personal pay (c) Dearness pay appropriate to pay leave salary or subsistence grant if admissible. | } Upto 31-12-85 and for those who draw pay in pre-revised scales of 1986. |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------|

(d) Any wages paid by the University to employees not remunerated by fixed monthly pay.

(e) Any remuneration of the nature of pay received in respect of foreign service.

2. Transfer of an employee from a Central Government Corporate owned or controlled by Government or an autonomous organisation.

If an employee admitted to the benefits of the Fund was previously a subscriber to any other Contributory Provident Fund, the amount of his subscription and the employees' contribution in CPF together with interest thereon shall be transferred to his credit in the Fund with the consent of the body.

3. Nominations

A subscriber shall at the time of joining the fund send to the Finance Officer, a nomination in the manner provided in Rule 1 of Section 1 of Appendix 'A' to this Statute.

4. Subscriber's Account

An account shall be opened in the name of each subscriber, in which shall be credited :

- (i) The subscriber's subscriptions ;
- (ii) Contributions made under rule 8 by the University to this account ;
- (iii) Interest as provided by rule 9 on subscriptions ;
- (iv) Interest as provided by rule 9 on contributions ;
- (v) Advances and withdrawal from the fund ;

5. Conditions of subscriptions

The conditions of subscriptions will be governed as provided in Rule 4 of Section 1 of Appendix 'A' to this Statute.

6. Rates of subscription

6.1 The amount of subscription shall be fixed by the subscriber himself subject to the following conditions namely ;

6.1.1 It shall be expressed in whole rupees ;

6.1.2 It may be any sum, so expressed not less than @ 1/3 per cent of his emoluments and not more than his emoluments.

6.2 For the purpose of this rule, the emoluments of a subscriber shall be determined as provided in sub-rule 3.2.1, 3.2.2 of Rule 5 of Section 1 of Appendix 'A' to this Statute.

6.3 The amount of subscription so fixed may be (a) enhanced twice during the course of the year or (b) reduced once at any time during the course of a year and (c) reduced and enhanced as aforesaid provided that when the amount of subscription is so reduced it shall not be less than the minimum prescribed under Rule 6.1.2.

Provided further that if a subscriber is on leave without pay or leave on half pay for part of calendar month and he

has elected not to subscribe during such leave the amount of subscription payable shall be proportionate to the number of days spent on duty including leave, if any.

7. Realisation of subscriptions

The realisation of subscriptions shall be governed as provided in Rule 5-A of Section 1 of Appendix 'A' to this Statute.

8. Contribution by the University

8.1 The University shall with effect from the 31st March of each year make a contribution to the account of each subscriber.

8.1.1 Provided that if a subscriber quits the service or dies during a year contribution shall be credited to his account for the period between the close of the preceding year and the date of the casualty.

8.1.2 Provided that no contribution shall be payable in respect of any period for which the subscriber is permitted under the rules not to, or does not subscribe to the Fund.

8.1.3 Provided that if, through oversight or otherwise the amount subscribed is less than the minimum subscription payable by the subscriber under rule 6 and if the short subscription together with the interest accrued thereon is not paid by the subscriber within such time as may be specified by the officer competent to sanction an advance for the grant of which special reasons are required under rule 10 the contribution payable by the University shall be equal to the amount actually paid by the subscriber or the amount normally payable by University, whichever is less, unless, the University in any particular case, otherwise directs.

8.2 The contribution shall be 8 per cent of the subscriber's emoluments drawn on duty during the year or period as the case may be.

8.3 Should a subscriber elect to subscribe during leave, his leave salary for the purpose of this rule, be deemed to be emoluments drawn on duty.

8.4 The amount of contribution payable shall be rounded to the nearest whole rupee (fifty paise or more counting as the next higher rupee).

8.5 The amount of contribution payable in respect of a period of foreign service shall unless it is recovered from the foreign employer be recovered by the University from the subscriber.

8.6 Should a subscriber elect to pay arrears of subscriptions in respect of a period of suspension, the emoluments or portion of emoluments which may be allowed for that period or reinstatement, shall for the purpose of this rule, be deemed to be emoluments drawn on duty.

8.7 If a subscriber is on duty out of India the emoluments which he would have drawn had he been on duty in India shall, for the purpose of this rule be deemed to be emoluments drawn on duty.

9. Interest

The University shall pay to the credit of the account of each subscriber interest as provided in Rule 6 of Section 1 of Appendix 'A' to this Statute.

10. Advance from the Fund

Advances from the fund and recovery thereof shall be governed as provided in Rule 7 of Section 1 of Appendix 'A' to this Statute.

11. Withdrawal from the Fund

Withdrawal from the fund may be sanctioned, by the Vice-Chancellor or any other officer to whom the power has been delegated in this regard subject to the conditions specified in Rule 8 of Section 1 of Appendix 'A' to this Statute.

12. Conversion of an Advance into a Withdrawal.

A subscriber who has already drawn or may draw in future an advance under rule 10 for any of the purposes specified in sub-clause (a), sub-clause (b) or sub-clause (c) of clause B of Rule 8.1 of Section 1 of Appendix A to this Statute, may

convert, at his discretion by written request addressed to the Vice-Chancellor or sanctioning officer the balance outstanding against it into a final withdrawal on his satisfying the condition laid down in rule 11.

13.1 Final withdrawal of accumulations in the fund.

The final payment of the amount standing to the credit of the subscriber shall become payable in the circumstances stated in rule 9, 10 and 11 of Section 1 of Appendix 'A' to the Statute.

13.2 When a subscriber other than the one who is appointed on contract or one who has retired from service and is subsequently re-employed is transferred without any break to the service under a body corporate owned controlled by Government of an autonomous organisation registered under the Societies Registration Act, 1960, the amount of subscriptions and the Government contribution together with interest thereon shall be transferred to his new Provident Fund Account, if the subscriber so desires and the concerned organisation agrees to such transfer.

The transfer shall include cases of resignation from service in order to take up appointment under a body corporate owned or controlled by Government or an autonomous organisation registered under the Societies Registration Act, 1960 without any break and with proper permission of this University. Time taken to join the new post shall not be treated as a break in service if it does not exceed the joining time admissible.

14. Deductions

Subject to the condition that no deduction may be made which reduces the credit by more than the amount of any contribution by the University with interest thereon credited under Rule 8 and 9 before the amount standing to the credit of a subscriber in the Fund is paid out of the fund, the Vice-Chancellor may direct the deduction therefrom and payment to the University of—

- (a) all amount representing such contribution and interest if the subscriber is dismissed from service due to misconduct, insolvency or inefficiency.

Provided that where the Vice-Chancellor is satisfied that such deduction would cause exceptional hardship to the subscriber, he may, by order, exempt from such deduction and amount not exceeding two-third of the amount of such contribution and interest which would have been payable to the subscriber. If he had retired on medical grounds; provided further that if any such order of dismissal is subsequently cancelled the amount so deducted shall on his reinstatement in the service be replaced to his credit in the Fund :

- (b) All amounts representing such contribution and interests if the subscriber within five years of the commencement of his service as such, resigns from the service or ceases to be an employee under University otherwise than of reason of death, superannuation or declaration by a competent medical authority that he is unfit for further service, or the abolition of the post or the reduction of establishment ;

- (c) Any amount due from the subscriber under liability incurred by the subscriber to the University.

NOTE

(a) For the purpose of this rule the period of five years shall be reckoned from the commencement of the subscriber's continuous service under the University.

(b) Resignation from service with proper permission to take up appointment in another University without break in service will not constitute resignation of service for the purpose of this rule.

15. Deposit linked insurance scheme

The payment under deposit linked insurance scheme shall be governed as provided in Rule 12 of Section 1 of Appendix 'A' to this Statute.

16. Manner of payment of amount in the fund

16.1 When the amount standing to the credit of a subscriber the Fund, or the balance thereof after any deduction under

rule 14 becomes payable, it shall be duty of the Finance Officer after satisfying himself, when no such deduction has been directed under that rule, that no deduction is to be made to make payment on receipt of a written application as provided in sub-rule 16.3.

16.2 If the person to whom, under these rules, any amount is to be paid is a lunatic for whose estate a manager has been appointed in this behalf under the Indian Lunacy Act, IV of 1912 the payment will be made to such manager and not to the lunatic.

Provided that where no manager has been appointed and the person to whom the sum is payable is certified by a Magistrate to be a lunatic, the payment shall under the orders of the Collector, be made in terms of sub-section (1) of section 95 of the Indian Lunacy Act, 1912, to the person having charges of such lunatic and the sanctioning authority in the University shall pay only the amount which he thinks fit, to the person having charge of the lunatic and the surplus. If any, or such part thereof, as he thinks fit, shall be paid for the maintenance of such members of the lunatic family as are dependent on him for maintenance.

16.3 Any person who desires to claim under this rule shall send a written application in that behalf to the Finance Officer. Payment of amounts withdrawn shall be made in India only. The persons to whom the amounts are payable shall make their own arrangements to receive payment in India.

NOTE

When the amount standing to the credit of a subscriber has become payable under rule 13, the Finance Officer, shall effect prompt payment of that portion of the amount standing to the credit of a subscriber in regard to which there is no dispute or doubt, the balance being adjusted as soon after as may be.

16.4 Payments of the amount withdrawn shall be made immediately. The persons to whom the amounts are payable shall make their own arrangements to receive payment in India.

17. Investment of fund

The deposits shall be credited to the account named 'Contributory Provident Fund Account' of the University, as soon as possible after the monthly accounts are closed. The balance in the fund shall be kept and invested as provided in Rule 14 of Section 1 of Appendix 'A' of this Statute.

18. Statement of Accounts

The Statement of the account to the credit of each subscriber shall be furnished to him in the manner provided in Rule 13 of Section 1 of Appendix 'A' to this Statute.

19. General

Clarification or ruling given by Government of India relating to CPF Rules (India) 1962 will be taken into consideration while applying these rules to the employees of the University.

20. Relaxation of the provision of Rules in individual cases

When the Board of Management is satisfied that the operation of any of these rules is likely to cause undue hardship to a subscriber, the Board of Management may, notwithstanding anything contained in these rules deal with the cases such subscriber in such manner as may appear to be equitable.

21. Forms for (a) application for advances/part final withdrawal/Final Payment of Balance in the CPF (b) sanction for withdrawals (c) conversion of advances into withdrawals (d) general index register (e) Provident Fund Ledger Folio (f) Broad Sheet of CPF (g) Register of Final Payment cases etc. shall be in such form as may be prescribed for General Provident Fund under Appendix A to Section-1.

FROM I

(Referred to in Rule 1.3 of Section 1 of Appendix 'A')

FORMS OF NOMINATION

(For General/Contributory Provident Fund)

Account No.

I.....hereby nominate the person(s) mentioned below who is/are member(s)/non-members of my family as defined in Sub-section (d) of Clause 3 of Statute 23 to receive the amount that may stand to my credit in the Fund as indicated below in the event of my death before that amount has become payable or having become payable has not been paid.

Name & full address of the nominee(s)	Relationship with the subscribers	Age of the nominee(s)	Share payable to each nominee	Contingencies on the happening of which the nomination will become invalid.	Name, address & relation of the person(s) if any to whom the right of nominee shall pass in the event of his/her predeceasing the subscriber	If the nominee is not a member of the family as provided in rule 2 indicate the reasons
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)

Date this _____ day of _____ 19 ____ at _____

Two witnesses to
signature

Name & Address

Signature

Signature of the subscriber

Name in Block LETTERS

Designation

1.

(reverse of the Form)

2.

Space for use by the Finance Officer

Nomination by Shri/Smt./

Accepted

Kumari

Signature of Finance Officer

Designation

Date

Date of receipt of nomination

FORM II

(Referred in Rule 25.1 of Section III of App. A)

When the employee has no family and wishes to nominate one person, or more than one person, thereof.

I.....hereby nominate the person/persons mentioned below and confer on him/them the right to receive, to the extent specified below, any gratuity *the payment of which may be authorised by the IGNOU in the event of my death, to the extent specified below, any gratuity which having become admissible to me on retirement may remain unpaid at my death :—

Original nominee(s)				Alternate nominee(s)	
Name & addresses of nominee/nominees	Relationship with the employee	Age	Amount of share of gratuity to each**	Name, address relationship and age of the person or persons, if any to whom the right conferred on the nominee shall pass in the event of the nominee pre-deceasing the employee or the nominee dying after the death of the employee but before receiving payment of gratuity.	Amount of share of gratuity payable to each.*
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

This nomination supersedes the nomination made by me earlier on.....which stands cancelled.

† Note—(i) The employee shall draw lines across the blank space below the last entry to prevent the insertion of any name after he has signed.

(ii) Strike out which is not applicable.

Dated this.....day of.....198.....at

Witnesses to signature :

1.

2.

Signature of the employee

(To be filled in by the Registrar's office)*

Nomination by.....Signature of Registrar*

Designation.....Date:.....

Office.....

PROFORMA FOR ACKNOWLEDGING THE RECEIPT OF THE NOMINATION FORM BY THE REGISTRAR*

To
Sir,

In acknowledging the receipt of your nomination dated the...../cancellation, the.....of the nomination made earlier in respect of gratuity in Form....., I am to state that it has been fully placed on record.

Place :

Signature of Registrar

Dated:

Note :- The employee is advised that it would be in the interest of his nominees if copies of the nomination and the related notices and acknowledgement are kept in safe custody so that they may come into the possession of the beneficiaries in the event of his death.

** This column should be filled in so as to cover the whole amount of the gratuity.

† The amount/share of gratuity shown in this column should cover the whole amount/share payable to the original nominee(s).

FORM II A

(Referred in Rule 25.1 of Section III of App. A)

When the employee has no family and wishes to nominate one person, or more than one person, thereof,

I.....having no family hereby nominate the person/persons mentioned below and confer on him/them the right to receive, to the extent specified below, any gratuity *the payment of which may be authorised by the IGNOU in the event of my death, to the extent specified below, any gratuity which having become admissible to me on retirement may remain unpaid at my death:-

Original nominee(s)				Alternate nominee(s)	
Names & addresses of nominee/nominees	Relationship with the employee	Age	Amount of share of gratuity to each**	Name, address relationship and age of the person or persons, if any to whom the right conferred on the nominee shall pass in the event of the nominee predeceasing the employee or the nominee dying after the death of the employee but before receiving payment of gratuity.	Amount or share of gratuity payable to each†
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

This nomination supersedes the nomination made by me earlier on.....which stands cancelled,

† Note— (i) The employee shall draw lines across the blank space below the last entry to prevent the insertion of any name after he has signed.

(ii) Strike out which is not applicable.

Dated this.....day of.....198.....at

Witnesses to signature:

1.
2.

Signature of the employee

(To be filled in by the Registrars office)/*

Nomination by

Signature of Registrar*

Designation

Dated:

Office

PROFORMA FOR ACKNOWLEDGING THE RECEIPT OF THE NOMINATION FORM BY THE REGISTRAR*

To.
Sir.

In acknowledging the receipt of your nomination dated the...../cancellation, the.....of the nomination made earlier in respect of gratuity in Form..... I am to state that it has been fully placed on record.

Place:

Signature of Registrar

Dated

Note:—The employee is advised that it would be in the interest of his nominees if copies of the nomination and the related notices and acknowledgement are kept in safe custody so that they may come into the possession of the beneficiaries in the event of his death.

** This column should be filled in so as to cover the whole amount of the gratuity.

† The amount/share of gratuity shown in this column should cover the whole amount/share payable to the original nominee(s).

FORM III

(Referred in para 32.10 of Section IV of App. A)

DETAILS OF FAMILY

Name of the Employee :

Designation :

Date of birth :

Date of appointment :

Details of the members of my family* as on:—

Sl. No.	Name of the members of family*	Date of birth	Relationship with the officer	Initial of the Head of the office	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					

I hereby undertake to keep the above particulars up-to-date by notifying to the Head of Office any addition or alteration.

Dated the.....

Signature of the employee

FORM IV

FORM OF FAMILY PENSION

(See Rule 32.11 of Section IV of Appendix A)

Subject :—Payment of family pension in respect of the late Shri/Smt.

The undersigned has learnt with regret the death of Shri/Smt.

Designation

(Designation)

in this university and is directed to inform you that under Clause 32 of Section IV of Appendix A you are entitled to Family Pension for life/till attaining the age of majority.*

I am accordingly to suggest that formal claim of the grant of family pension may be submitted by you in the enclosed form along with the following documents:

1. Death certificate
2. Two copies of a passport size photograph duly attested by a gazetted officer.
3. Guardianship certificate where pension is admissible to the minor children.

(Designation)

To

* Where family pension is admissible to the minor children

[F. No. AD/3/5/ (J1) 376]
K. NARAYANAN, Registrar

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1988

मा. का. नि. 879 -- राष्ट्रपति, सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और चारा बीज उत्पादन फार्म (गमूह "ग" पद) भर्ती नियम, 1979 को, जहाँ तक उनका संबंध प्रधान लिपिक के पद से है, अधिकांश करने हुए कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के अधीन प्रधान लिपिक-केन्द्रीय चारा बीज उत्पादन फार्म के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :-

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम चारा बीज उत्पादन फार्म (प्रधान लिपिक) भर्ती नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों से उपावृत्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य शर्तें/आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शर्तें/आदि और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता, वह व्यक्ति --

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर भर्ती का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. यावृत्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आशयों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस मंत्रालय में समय-समय पर निकासे गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूमध्य सैनिकों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

					अनुसूची	
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अवयव पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय विहित सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुश्रेय है या नहीं	साधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6	7
प्रधान लिपिक	*एक (1988) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' प्रराजपत्ति अन- नुसचितीय	1400-40-1800 वर्ग-50-2300	चयन	नहीं	लागू नहीं होता
साधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं					साधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि यदि कोई हो विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोत्ति व्यक्तियों की वंश में लागू होंगी या नहीं	
8				9	10	
लागू नहीं होता				लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
भर्ती की पद्धति/भर्ती साधे होंगी या प्रोत्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिणतता।					प्रोत्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की वंश में वे श्रेणियां जिनसे प्रोत्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा	
11					12	
प्रोत्ति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा।					प्रोत्ति : केन्द्रीय चारा बीज उत्पादन फार्म हैस्तरघट्टा बंगलार के ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक/आगुलिपिक (1200-2040 रुपए) जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है। प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण :- कृषि और सहकारिता विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों के ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है। ऐसे विभागीय आगुलिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक (1200-2040 रुपए) पर, जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है, अन्य आवश्यकों के साथ विचार किया जाएगा और यदि उसका चयन कर लिया जाता है तो उसकी नियुक्ति प्रोत्ति के आधार पर की गई मानी जाएगी। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठ, बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)	
यदि विभागीय प्रोत्ति समिति है तो उसकी संरचना					भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।	
13					14	
(प्रोत्ति/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) विभागीय प्रोत्ति समिति (समूह 'ग') जिनमें निम्नलिखित होंगे :- 1. निदेशक, केन्द्रीय चारा बीज उत्पादन फार्म--प्रमुख 2. हैस्तरघट्टा कंप्लेक्स में स्थित किसी अधीनस्थ कार्यालय से कोई अधिकारी 3. बाहर से एक अधिकारी--सदस्य पाद टिप्पण : इस पद के लिए मूल भर्ती नियम सा.का.नि. सं. 1047 तारीख 11-8-1979 के अधीन अधिसूचित किए गए थे।					लागू नहीं होता	

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 27th October, 1988

G.S.R. 879.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Fodder Seed Production Farm (Group 'C' post) Recruitment Rules, 1979 in so far as they relate to the post of Head Clerk, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Head Clerk, Central Fodder Seed Production Farm, under the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation), namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Fodder Seed Production Farm, Head Clerk (Group 'C' post) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qua-

fications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for as doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, the Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Head Clerk at Central Fodder Seed Production Farm Hesaraghatta, Bangalore-560 088

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non selection post.
1	2	3	4	5
Head Clerk	One* (1988) *(Subject to variation depending on workload).	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial.	Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300/-	Selection
Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits		Educational and other qualifications required for direct recruits	
6	7		8	
No	Not applicable		Not applicable	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer to be made.	
9	10	11	12	
Not applicable	Not applicable	By promotion/transfer on deputation.	Promotion : Upper Division Clerk/Stenographer (Rs. 1200-2040) of Central Fodder Seed Production Farm, Hesaraghatta Bangalore, with five years regular service in the grade. Transfer on deputation : Upper Division Clerks in the subordinate offices of the department of Agriculture & Cooperation with five years regular service in the grade.	

लागू नहीं होता

भर्ती की पद्धति/भर्ती योद्धे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायगा ।

11

12

100 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा

ऐसा शिल्पकार 'ग' जिसने उस श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेवा की है

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी मंजूरी

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायगा

13

14

समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति

लागू नहीं होता

(प्रोन्नति/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) :

1. अपर निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र—अध्यक्ष
2. कार्यपालक इंजीनियर (यांत्रिक सिविल) केन्द्रीय जल विद्युत, अनुसंधान केन्द्र—सदस्य ।
3. निदेशक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग या उसके—द्वारा नामनिर्दिष्ट—सदस्य ।
4. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ज्येष्ठ प्रशासनिक अधिकारी/केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र—सदस्य ।

1

2

3

4

5

6

7

2. शिल्पकार 'ग'

167th

(1988)

कार्यभार के

आधार पर

परिवर्तन

किया जा

सकता है ।

माधारण केन्द्रीय सेवा,

समूह 'ग' पराजपवित

अनुसन्वितीय

950-20-1150-

द रो -25-1500 रु.

अवयन

18 से 25 वर्ष के बीच :

(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए

अनुदेशों या आदेशों के अनुसार

सरकारी सेवाओं के लिए शिथिल

करके 35 वर्ष की जा सकती है ।

टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने

के लिए निर्णायक तारीख भारत में

अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंश-

मान और निकोबार द्वीप तथा तथा

लक्षद्वीप में है) आवेदन प्राप्त करने

के लिए नियत की गई अंतिम

तारीख होगी ।]

रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाने

वाली नियुक्ति की दशा में आयु-

सीमा अवधारित करने के लिए

निर्णायक तारीख अंतिम तारीख

होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से

नाम भेजने के लिए कहा गया है ।

नहीं

8

9

10

राष्ट्रीय व्यवसाय प्रमाणपत्र (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) या सुसंगत व्यवसाय में समतुल्य साथ ही 3 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव हो ।

या

राष्ट्रीय शिक्षता प्रमाणपत्र साथ ही मूल्य व्यवसाय में 2 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव ।

टिप्पण :

1. वह विशिष्ट विद्या जिसमें शैक्षिक प्रवृत्तियाँ और यह क्षेत्र जिसमें अनुभव अपेक्षित है भर्ती के समय विनिर्दिष्ट किए जाएंगे ।
2. अनुभव संबंधी प्रवृत्ति, (प्रवृत्तार्थ) कर्मचारी अथवा आयोग/सक्षम

आयु : नहीं
अर्हता : नहीं

दो वर्ष

8	9	10				
प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनु- सूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर कर्मचारी चयन आयोग/सक्षम प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए प्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।						
11	12					
1. 10 प्रतिशत शिल्पकार 'घ' प्रोन्नति द्वारा	ऐसा शिल्पकार 'घ' जिसने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है।					
2. 90 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा						
13	14					
समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति : (प्रोन्नति/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) :						
1. अपर निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र—प्रमुख।						
2. कार्यपालक इंजीनियर (यांत्रिक/सिविल) केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र—सदस्य।						
3. निदेशक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग या उसके द्वारा नामनिर्देशित —सदस्य।						
4. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ज्येष्ठ प्रशासनिक अधिकारी/केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र—सदस्य।						
लागू नहीं होता						
1	2	3	4	5	6	7
(3) शिल्पकार "घ"	43* 1938 *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ", मराजपत्तित, अननुसंधानीय	800-15-1010- व. रो.-20- 1150 रु.	लागू नहीं होगा	18 से 25 वर्ष के बीच : (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है। टिप्पण :-आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे मिल जो अं- मान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में है (आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी) । रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाने वाली नियुक्ति की दशा में, आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	नहीं
8	9	10				
छठवां स्तर उत्तीर्ण साथ ही सुसंगत व्यवसाय में 5 वर्ष का अनुभव हो (राष्ट्रीय व्यवसाय प्रमाणपत्र) (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) 5 वर्ष के अनुभव के स्थान पर ग्रहित व्यक्तियों पर विचार किया जाएगा।				लागू नहीं होता		दो वर्ष

टिप्पण : 1 वह विशिष्ट विद्या जिसमें शैक्षिक अर्हताएं और वह क्षेत्र जिसमें अनुभव अपेक्षित है भर्ती के समय धिनिष्ट किए जाएंगे।

टिप्पण 2 अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) कर्मचारी चयन आयोग। सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब पथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर कर्मचारी चयन आयोग। सक्षम प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समूहों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

11

लागू नहीं होता

12

लागू नहीं होता

13

14

समूह "ब" विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए)

लागू नहीं होता

1. संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र ---अध्यक्ष

2. कार्यपालक इंजीनियर (यांत्रिक/सिविल) केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र ---सदस्य

3. निदेशक या उसका नामनिर्देशित भारतीय मौसम विज्ञान, पुणे---सदस्य

4. प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र पुणे---सदस्य

[सं. 14/88/का. सं. 2/47/87 ई. II]

ए. एन. जोहान, प्रवर सचिव

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 1st September, 1988

G.S.R. 880.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Water and Power Research Station (Group D) posts Recruitment Rules, 1964, in so far as they relate to the post of Assistant Wireman; the Central Water and Power Research Station, Poona, Class III, posts Recruitment Rules, 1972, in so far as they relate to the posts of Mechanic, Assistant Mechanic, Fitter (Highly Skilled) Lorry Driver, Miller Machinist, Machinist, Fitter/Expert Fitter Welder, Motor Mechanic, Blacksmith, Turner, Pump Driver, Mason, Maistry, Wireman, Instrument Mechanic, Driver, Plumber; Central Water and Power Research Station, Poona, Class III (Carpenter) posts Recruitment Rules, 1972, excepts as respects things duly done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to posts of Craftsman 'B', Craftsman 'C' and Craftsman 'D' in the Central Water and Power Research Station, Pune, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Water and Power Research Station, Pune, Auxiliary Technical Services (Workshop Staff) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Initial Constitution.—(1) The regularly appointed officers working in the Central Water and Power Research Station, Pune and holding posts with designation and pay scale indicated below on the date of commencement of these rules shall be deemed to have been appointed at the initial constitution stage.

Serial number	Pre-revised		Revised	
	Designation	Pay scale.	Designation	Pay scale.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
(1) Mechanic		380--560	Craftsman B	1320--2040
(2) Assistant Mechanic		380--560		1320--2040
(3) Fitter (Highly Skilled)		380--560		1320--2040
(4) Senior Carpenter		380--560		1320--2040
(5) Lorry Driver		320--400	Craftsman 'C'	950--1500
(6) Miller Machinist		320--400		950--1500
(7) Fitter/Ex-Fitter		260--350		950--1500
(8) Carpenter		260--350		950--1500
(9) Machinist		260--350		950--1500
(10) Welder		260--350		950--1500
(11) Motor Mechanic		260--350		950--1500
(12) Blacksmith		260--350		950--1500
(13) Turner		260--350		950--1500
(14) Pump Driver		260--350		950--1500
(15) Engine Driver		250--350		950--1500
(16) Mason		260--350		950--1500
(17) Maistry		260--350		950--1500
(18) Wireman		260--350		950--1500
(19) Instrument Mechanic		260--350		950--1500
(20) Driver		260--350	Craftsman 'D'	800--1150
(21) Chowdhury		260--350		800--1150
(22) Plumber		210--290		800--1150
(23) Assistant Wireman		210--290		800--1150
(24) Carpenter (II)		210--290		800--1150
(25) Fitter II		210--290		800--1150
(26) Mason (II)		210--290		800--1150
(27) Painter		210--290		800--1150
(28) Machineman		210--290		800--1150
(29) Turner Mate		210--290		800--1150

(2) The inter-se-seniority of the officers who are appointed at the initial constitution shall be determined as follows:

(i) persons holding posts in the higher grade shall be considered en-bloc senior to those holding posts in the lower grade.

(ii) the inter-se-seniority will be determined as per date of regular appointment to the respective grade.

(iii) the inter-se seniority will not be disturbed within the respective grades.

(3) The regular continuous service of officers mentioned in sub-rules (1) and (2) shall count for the purpose of probation period, qualifying service, for promotion, confirmation and pension.

4. Future maintenance—The method of recruitment to the said posts, scale of pay, age limit, qualifications and other matters connection there shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

5. Disqualifications -- No person,--

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied, that such a marriage is permissible under the personal law applicable to such a person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so as to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving --Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled castes, Scheduled Tribes, the Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits.
1	2	3	4	5	6
(1) Craftsman 'B'	94* (1988) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 1320-30-1560-EB-40-2040	Non-selection	Not applicable
Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruitment	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by Promotion or by deputation/Transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	
7	8	9	10	11	
No	Not applicable	Not applicable	Not applicable	100% by promotion.	
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.		If a DPC exists, what is its composition		Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.	
12	13		14		
Craftsman 'C' with 8 years' of regular service in the grade.	DPC Group 'C' for promotion/confirmation : 1. Additional Director, Central Water and Power Research Station—Chairman 2. Executive Engineer (Mechanical/Civil), Central Water and Power Research Station—Member. 3. Director, Indian Meteorology Department or his nominee—Member. 4. Chief Administrative Officer/Senior Administrative Officer, Central Water and Power Research Station —Member.			Not applicable	
1	2	3	4	5	6
(2) Craftsman 'C'	167* (1988) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service, Group 'C' non-Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 900-20-1150-EB-25-1500	Non-selection	Between 18 and 25 years. (Relaxable upto 35 years for Government servants in accordance with instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In case

6				
of appointment through Employment Exchange the crucial date for determining the age limit shall be the last date by which the Employment Exchange is asked to submit the names.				
7	8	9		
No	National Trade Certificate (Industrial Training Institute) or equivalent in relevant trade with 3 years practical experience, OR National Apprentice Certificate with 2 years practical experience in the relevant trade. Note 1: The particular discipline in which educational qualifications and areas in which experience are required shall be specified at the time of recruitment. Note : 2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Staff Selection Commission/Competent Authority in the case of candidate belonging to Shcheduled Castes or Scheduled Tribe if at any stage of selection the staff Selection Commission/Competent Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.			
10	11	12		
Two years	(i) 10% by promotion from Craftsman 'D': Craftsman 'D' with 3 year's regular service in the grade. (ii) 90% by Direct Recruitment.			
13	14			
DPC Group 'C' (for promotion/Confirmation) :				
1. Additional Director/Joint Director, Central Water & Power Research Station—Chairman.		Not applicable		
2. Executive Engineer (Mechanical/Civil), Central Water and Power Research Station—Member.				
3. Director, Indiar Meteorological Department or nominee—Member.				
4. Senior Administrative Officer/Administrative Officer, Central Water and Power Research Station—Member.				
1	2	3	4	5
3. Craftsman 'D'	43* (1988) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group 'D' Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 800-15-1010-EB-20-1150	Not applicable.

Age limit for direct recruits

Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.

6

7

Between 18 and 25 years (Relaxable upto 35 years for Government servants in accordance with instructions or orders issued by the Central Government).

No

Note : The crucial date for determining age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In case of appointment through Employment Exchange the crucial date for determining the age limit shall be the 1st day by which the Employment Exchange is asked to submit the names.

8

9

10

VIIIth Standard pass with five years experience in the relevant trade.
(National Trade Certificate (Industrial Training Institute) qualified persons will be considered in lieu of 5 years experience).

Not applicable.

Two years

Note : 1: The particular discipline in which educational qualifications and areas in which experience are required shall be specified at the date of recruitment.

Note 2: The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Staff Selection Commission/Competent Authority in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes is at any stage of selection the Staff Selection Commission/Competent Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancy reserved for them.

11

12

13

14

100% by direct recruitment.

Not applicable.

DPC Group 'D' (for confirmation) :

Not applicable.

1. Joint Director, Central Water and Power Research Station -
—Chairman.
2. Executive Engineer (Mechanical/Civil), Central Water and Power Research Station
—Member.
3. Director or his nominee,
Indian Meteorological Department, Pune—Member.
4. Administrative Officer, Central Water and Power Research Station, Pune—Member

पर्यावरण और वन मंत्रालय

(पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग)

नई दिल्ली, 27 अक्तूबर, 1988

सा. का. नि. 881 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग वैज्ञानिक समूह "क" पद नियम, 1987 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इस नियम का संक्षिप्त नाम पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग वैज्ञानिक समूह "क" पद (संशोधन) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग वैज्ञानिक समूह "क" पद नियम, 1987 के नियम 13 के पश्चात् निम्नलिखित नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"13क. इन नियमों में उपबन्धित मुख्य अनुपूरक के माध्यम से वैज्ञानिक "एस सी" की श्रेणी या अन्य उच्चतर श्रेणियों में पुनर्विलोकन और प्रोन्नति की स्कीम, भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण, कलकत्ता और भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण, कलकत्ता, में वैज्ञानिक "बी" के रूप में पराभिहित पदों को भी जिनका वेतनमान 2200-75-2800-द. रो.-100-4000 रुपये है और संघ लोक सेवा आयोग के कार्यक्षेत्र से छूट प्राप्त नहीं है, लागू होगी।"

[फाइल नं. 9(5)/88-पी एस आर]

नन्द लाल, उप सचिव (ई)

पाठ टिप्पण : 1 मूल नियम सा. का. नि. सं 816 (अ), तारीख 23 सितम्बर, 1987 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे।

2. पहला शुद्धित सा. का. नि. 697 (अ), तारीख 13-6-1988 द्वारा अधिसूचित किया गया था।

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS
(Department of Environment, Forests and Wildlife)

New Delhi, the 27th October, 1988

G.S.R. 881.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Environment, Forests and Wildlife Scientific Group 'A' posts Rules, 1987, namely :—

1. (i) These rules may be called the Department of Environment, Forests and Wildlife Scientific Group 'A' posts (Amendment) Rules, 1988.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. After rule 13 of the Department of Environment, Forests and Wildlife Scientific Group 'A' Posts Rules, 1987, the following rule shall be added, namely :—

"13A. The scheme of review and promotion to the grade of Scientist 'SD' and other higher grades through Flexible Complementing provided in these rules shall also be applicable to the posts designated as Scientist 'B' in the Botanical Survey of India, Calcutta and the Zoological Survey of India, Calcutta, carrying the pay scale of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000, which are not exempt from the purview of the Union Public Service Commission."

[F. No. 9(5)/88-PSR]

NAND LAL, Dy. Secy. (Estt.)

FOOT NOTE :—

1. The Principal Rules were published in the Gazette of India vide GSR No. 816(E) dated the 23rd September, 1987.

2. The First Corrigendum was notified vide CSR 697(E) dated 13-6-1988.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 अक्तूबर, 1988

सा. का. नि. 882 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में प्रचारी सिस्टर (प्रायुर्वेद) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) :—इस नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली प्रचारी सिस्टर (प्रायुर्वेद) भर्ती नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो, इन नियमों से उदाहरण अनुसूची के स्तम्भ-2 से स्तम्भ-4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर सीधी भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ-5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहंता :—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिम्मा धारित या जिम्मा परती जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी परती के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह और ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पहलुओं को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य प्राधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे प्रावधानों, प्रायु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना प्रोक्षित है।

अनुसूची

क्रम संख्या	पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	व्यय पद या अव्यय पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6	7
1.	प्रभारी सिस्टर् (प्रायुर्वेद)	एक* (1988) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अनुसूचित-वीय अराजपक्षित	1640-2900 रुपये	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं		सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिवर्तन की प्रवृत्ति यदि कोई हो। विहित आयु और शैक्षणिक अर्हताएं प्रोक्षित व्यक्तियों की वृद्धा में लागू होंगी या नहीं				
		8			9	10
लागू नहीं होता				लागू नहीं होता		दो वर्ष
भर्ती की पद्धति सीधे होगी या प्रोक्षित द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता		प्रोक्षित प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की वृद्धा में वे अपेक्षा जिसने प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।				
		11	12			
100 प्रतिशत प्रोक्षित द्वारा		ऐसी स्टाफ तर्त (प्रायुर्वेद) जिन्होंने उस क्षेत्र में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।				
यदि विभागीय प्रोक्षित समिति है तो उसकी संरचना		भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।				
		13				14
समूह "ग" विभागीय प्रोक्षित समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे :-		लागू नहीं होता				
1. सहायक महानिदेशक		—प्रमुख				
2. मुख्य विकिरता अधिकारी		—सदस्य				
3. राजपक्षित अधिकारी जो अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति का हो		—सदस्य				
4. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में संबंधित प्रशासनिक अधिकारी		—सदस्य				

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Health Department)

New Delhi, the 24th October, 1988

G.S.R. 882.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Sister-in Charge (Ayurveda) in the Central Government Health Scheme, Delhi, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Government Health Scheme, Delhi Sister-in-Charge (Ayurveda) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any other person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons, in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection or non-selection	Age for recruits	direct
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	
	Sister-Incharge (Ayurveda)	One *(1988) *Subject to variation dependent on work load	General Central Service Group 'C', Non-Ministerial, Non-Gazetted	Rs. 1640-2900	Not applicable	Not applicable	
Educational and other qualifications required for direct recruits		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.		Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and % of vacancy to be fixed by various methods.		
8		9		10	11		
Not applicable		Not applicable		Two years.	100% by promotion.		
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.		If a Departmental promotion committee exists what is its composition		Circumstances in which Public Service Commission to be consulted in making recruitment.		Unltd	
(12)		(13)		(14)			
Staff Nurses (Ayurvedic with 5 years regular service in the grade.		Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of: 1. Assistant Director General,—Chairman 2. Chief Medical Officer—Member 3. Gazetted Officer belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes—Member 4. Administrative Officer concerned in Central Government Health Scheme—Member.		Not applicable.			

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1988

सा.का.नि. 883.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अखिल भारतीय भौतिक शिक्षा और पुनर्वास संस्थान, बम्बई में फोटोग्राफर के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) : इन नियमों का संक्षिप्त नाम अखिल भारतीय भौतिक शिक्षा और पुनर्वास संस्थान, बम्बई (समूह "ग" पद) भर्ती नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वही होगा जो इन नियमों से उपाबन्ध उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं प्राप्ति : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं, और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निर्रहता :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति जिसका पति या पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेख्य करके इन नियमों के किसी उपाबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और अनुसूचित जातियों के अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपाबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की वर्गीकरण संख्या	वेतनमान	चयन पद और अनुचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं।
1	2	3	4	5	6
फोटो ग्राफर	1(एफ)* समान्य केन्द्रीय सेवा 1988 भ्राजपत्रित, अनुसू- *कार्यभार सचिवालय के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	1400-40-1800- द.रो.-50- 2300 रुपये	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 35 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है। टिप्पण : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों (उनके लिए जो अंशमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में रहते हैं। (आवेदन) प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी। टिप्पण-2 ऐसे पदों की बाबत, जिन पर रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	लागू नहीं है।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक और शैक्षिक अर्हताएं प्रोत्तन व्यक्तियों की वशा में लागू होंगी या नहीं

परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो।

8	9	10
1. माध्यमिक स्कूल मॉडिफिकेट या समतुल्य। 2. किसी माध्यम प्राप्ति संस्थान में फोटोग्राफी में मॉडिफिकेट पाठ्यक्रम या समतुल्य 3. (क) फोटोग्राफी में कम से कम 5 वर्ष का अनुभव। (ख) श्याम और श्वेत एवं रंगीन फोटो प्रोसेसिंग का ज्ञान।	लागू नहीं है।	2 वर्ष
<p>टिप्पणी : 1. भौतिक फोटोग्राफी, शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करना श्याम और श्वेत तथा रंगीन फोटो प्रोसेसिंग में श्रव्य-दृश्य सहायक सामग्री का ज्ञान। टिप्पणी : अनुभव संबंधी अर्हता/मध्यम प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर मध्यम प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए अरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।</p>		

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्तन द्वारा या प्रतिनिधित्व/स्वातन्त्र्य द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।	प्रोत्तन/प्रतिनिधित्व/स्वातन्त्र्य द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोत्तन/प्रतिनिधित्व/स्वातन्त्र्य किया जाएगा।
-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

11	12
सीधे भर्ती द्वारा	लागू नहीं है।
यदि विभागीय प्रोत्तन समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में कितने परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।
13	14
समूह "न" विभागीय प्रोत्तन समिति : 1. मुख्य चिकित्सा अधिकारी -- अध्यक्ष 2. सहायक निदेशक -- सदस्य 3. प्रोस्थेटिक इंजीनियर -- सदस्य 4. प्रशासनिक अधिकारी -- सदस्य	लागू नहीं है।

[सं. ए. 12018/15/87-एम.एच. (एम एस)]

New Delhi, the 26th October, 1988

G.S.R. 883.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Photographer in the All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation Bombay, namely:-

1. Short title and commencement :- (1) These rules may be called the All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay (Group 'C' post) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay:— The number of said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.:—The method of the recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification : No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax:—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Caste, the Scheduled Tribes, ex-servicemen, and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection or Non-Selection post
1	2	3	4	5
Photographer	1 (one) 1988 Subject to variation dependent on work-load	General Central Service, Group 'C' Non-gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 1400-40-1800-E B-50- 2300	Not applicable

Age limit for direct recruitment	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits.
6	7	8
18 to 25 years Relaxable for Government Servants upto 35 years in accordance with instructions or orders issued by the Central Government. Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In respect of post, the appointment to which is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Not applicable	1. Secondary School Certificate or equivalent. 2. Certificate course in Photography from a recognised Institute or equivalent. 3. (a) At least 5 years experience in Photography. (b) Knowledge of Black and white and colour Photo processing. Desirable: 1. Knowledge of Clinical Photography and preparation of teaching Aids and Audio-Visual aids in Black and white and Coloured Photo processing. Note: The qualifications regarding experience is relaxable at the discretion of the competent authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, if, at any stage of selection, the competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not available to fill up the vacancy reserves for them.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of Probation if any.	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by deputation/transfer and percentage of vacancy to be filled by various methods.	In case of recruitment, by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
9.	10.	11.	12.	13.	14.
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of 1. Chief Medical Officer—Chairman. 2. Assistant Director—Member. 3. Prosthetic Engineer—Member. 4. Administrative Officer—Member.	Not applicable.

[No. A-12018/15/87-MH (MS)]

सा.का.नि. 884.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय मनेरिया संस्थान (वर्ग 3 और वर्ग 4) पदों के लिए शर्ती नियम, 1959 को जहाँ तक उनका संबंध लेखा-पाल एच. एस. के पद से है, उन बातों के सिवाय अधिकांश करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकरण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है। राष्ट्रीय मनेरिया/उन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय, दिल्ली में मुख्य लेखागार। अवीनस्य लेखा सेवा के पद पर शर्ती की पद्धति, का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय मनेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली शर्ती नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या और वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पदों की संख्या उनका वर्गीकरण/उनके वेतनमान/वे होंगे जो इन नियमों से उदाहरित अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. शर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि : उक्त पदों पर शर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं, और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निर्याता : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिन्का पति या पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. ध्यावृत्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों भूतपूर्व सैनिकों और उनका विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय दिल्ली में मुख्य लेखापाल । अधीनस्थ लेखा सेवा लेखापाल के पद पर भर्ती निरम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद आयुवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जाड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के निरम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
मुख्य लेखापाल/अधीनस्थ लेखा सेवा लेखापाल	4* (1988) कार्यभार के माध्यम पर परिवर्तन किया जा सकता है ।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' अराज्यपक्षित	1640-60-2600-५. रो.-75-2900 रु	चयन	लागू नहीं होगा	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोत्सन्न व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो
8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	2 वर्ष

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्सन्न द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा प्रोत्सन्न/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा जारी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिगता

11	12
100 प्रतिशत द्वारा जिनके न हो सकते पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा ।	(1) प्रोत्सन्न द्वारा :-- (क) ऐसे प्रवीणतम, प्रथम विधिक, अथवा अग्रोत्सन्न जिन्होंने 5 वर्ष सेवा की है । और जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान में रोकड़ और लेखा में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया है । या ऐसे उच्च श्रेणी विधिक । उच्च श्रेणी विधिक यह संवदन । अथवा जिन्होंने उच्च श्रेणी में 10 वर्ष की सेवा की है और जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान में रोकड़ और लेखा में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया है । (ख) जिनके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा ऐसे व्यक्तियों में से जो केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग में या उपास्य परिवार कल्याण के अधीनस्थ कार्यालयों में से अपने वेतन में 10 वर्ष की सेवा के साथ उच्च श्रेणी विधिक 5 वर्ष की सेवा के साथ सहायक के सहाय पद धारण किए हुए हैं और जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान में रोकड़ और लेखा में सफलता पूर्वक प्रशिक्षण लिया है ।

यदि विभागीय प्रोबति समिति है तो उसकी संरचना

सर्वी करने में किए परिस्थितियों से मच लोक सेवा प्रयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

समूह "ग" विभागीय प्रोबति समिति

लागू नहीं होता।

1. उप निदेशक, राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम — अध्यक्ष
2. उप निदेशक प्रणामन/स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय — सदस्य
3. प्रशासनिक अधिकारी (एन. एम. ई. पी.) — सदस्य

टिप्पण : श्रेष्ठतम उपनिदेशक अध्यक्ष होगा।

[सं. ए. 12018/4/87-एन. एम. ई. पी. (पी. एन.) सी. डी. एल/एम. ए. एल.]

जी. जी. के. नायर,
सचिव

G.S.R. 884.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of Malaria Institute of India Amendment to Class-III and Class IV posts) Rules, 1959 in so far as they relate to the post of Accountant SAS, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Chief Accountant/Subordinate Account Service, in the Directorate of National Malaria Eradication Programme, Delhi, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the National Malaria Eradication Programme, Delhi, Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these Rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, to the said post, age limit,

qualifications and other matters relating to these shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of Chief Accountant/Subordinate Account service Accountant in the Directorate of National Malaria Eradication Programme.

Num: of the post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension Rule 1972)
1	2	3	4	5	6	7
Chief Accountant/ Subordinate Account Service Accountant.	*4 (1988) *Subject to variation dependent on Work-load.	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted	Rs. 1640-60- 2600-EB-75- 2900/-	Selection	Not applicable.	Not applicable

Education and other qualifications for direct recruits. Wh ther age and Educational qualifications Period of probation if any, prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.

8	9	10
Not applicable	Not applicable	2 years
Method of recruitment, whether by direct recruitment or by deputation, transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/transfer grades from which promotion, deputation, transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition.
11	12	13
100% by promotion failing which by transfer on deputation.	(1) By Promotion : (a) Superintendent, Head Clerk, Staff's Superintendent with 5 years service and having undergone successfully training in Cash and Accounts from the Institute of Secretariat and Training Management. OR Upper Division Clerks/Upper Division Clerks-cum-Computers/Stores Keeper with 10 years service in the grade and having undergone successfully training in Cash and Accounts from Institute of Secretariat and Training Management. (n) Failing which by transfer on deputation: Persons holding analogous posts of Upper-Division Clerks with 10 years service in the grade/Assistant with 5 years service of C.S.S. Cares or Subordinate Offices under the Ministry of Health and Family Welfare and having successfully undergone training in Cash and Accounts from the Institute of Secretariat and Training Management.	Group 'C' Departmental Promotion Committee: 1. Deputy Director National Malaria Eradication Programme—Chairman 2. Deputy Director Administration / Directorate General of Health Services—Member 3. Administrative Officer (NMEP)—Member. Note: The senior most Deputy Director will be the Chairman
		Not applicable

[No. A. 12018/4/87-NMBP/PH (CDL) MAL]
G.G.K. NAIR, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक विभाग)

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर 1988

सा. का. नि. 885.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा डाक विभाग (सकल और प्रशासनिक कार्यालयों में कर्क) भर्ती नियम, 1986 संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को डाक विभाग (सकल और प्रशासनिक कार्यालयों में कर्क) भर्ती (संशोधन) नियम, 1988 कहा जाए।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. डाक विभाग (सकल और प्रशासनिक कार्यालयों में कर्क) भर्ती नियम, 1986 में अनुसूची में उक्त श्रेणी लिपिकों से संबंधित क्रम संख्या-2 के समान कालम-12 में "पदोन्नति" शीर्षक के नीचे सब- (ii) के बाद

निम्नलिखित मद जोड़ी जाए, अर्थात् :—

"(iii) 20 प्रतिशत कोटे के अंतर्गत उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले अवर श्रेणी लिपिक पदोन्नति हेतु विचार करने के पात्र होंगे।

टिप्पणी: डाक विभाग (सकल और प्रशासनिक कार्यालयों में कर्क) भर्ती (संशोधन) नियम, 1988 के लागू होने से पूर्व नियुक्त हुए अवर श्रेणी लिपिकों के लिए उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा प्राप्त सेवा लागू रहेगी।"

टिप्पणी : डाक विभाग (सकल और प्रशासनिक कार्यालयों में कर्क) भर्ती नियम, 1986 अधिसूचना संख्या सा. का. नि.-208 दिनांक 21-3-87 के तहत प्रकाशित किए गए थे।

[सं. 56-5/85-एसपी बी-1]

एम. बी. जोगाधरि राव, महापंक महाविशेषक
(एस पी एन)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Posts)

New Delhi, the 26th October, 1988

G.S.R. 885.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Posts (Clerks in Circle and Administrative Offices) Recruitment Rules, 1986, namely:—

1. (1) These rules may be called the Department of Posts (Clerks in Circle and Administrative Offices) Recruitment (Amendment) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Department of Posts (Clerks in Circle and Administrative Offices) Recruitment Rules, 1986, in the Schedule against serial No. 2 relating to the post of Upper Division Clerks, in column 12, under the heading "promotion", after item (ii) the following item shall be inserted, namely:—

(iii) For promotion under 20 per cent quota, LDCs with not less than 8 years' regular service in the grade will be eligible for consideration.

Note:—The eligibility service for those LDCs who are appointed to the grade before the commencement of the Department of Posts (Clerks in Circle and Administrative Offices) Recruitment (Amendment) Rules, 1988 will continue to be 5 years regular service in the grade."

Note:—The Department of Posts (Clerks in Circle and Administrative Office) Recruitment Rules, 1986 were published vide notification No. GSR 208 dated 21-3-87

[No. 56-5-85-SPB-I]

S. V. SESHAGIRI RAO, Asstt. Director General (SPN)

भारत विमानन तथा पर्यटन मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1988

सा. का. नि. 886.—वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप भारत सरकार के नागर विमानन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का. नि. 375 तारीख 14-4-88 के साथ भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 उपखंड (1) तारीख 30-4-88 के पृष्ठ 1453-1454 पर प्रकाशित किया गया था, जिसके द्वारा ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, आक्षेप या सुझाव मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां तारीख 23-5-88 को जनता को उपलब्ध दी गई थी। और उक्त प्रारूप के संबंध में जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अब केंद्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम, 1937 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (तृतीय संशोधन) नियम, 1988

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 के नियम 35 में,—

(i) उप नियम (1) में,

(1) खंड (क) में एक सौ रुपए शब्दों के स्थान पर दो सौ रुपए शब्द रखे जाएंगे;

(ii) खंड (ख) में पांच सौ रुपए शब्दों के स्थान पर एक हजार रुपए शब्द रखे जायेंगे।

(2) उपनियम (2) में पन्द्रह रुपए शब्दों के स्थान पर पचास रुपए शब्द रखे जाएंगे।

(3) उपनियम (3) में पचास रुपए शब्दों के स्थान पर एक सौ रुपए शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. ए.वा.-11012/13/87-ए]

नासिब सिंह, अवर सचिव

पाद टिप्पण: मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग 1 तारीख 27 मार्च, 1987 में अधिसूचना सं. वा. नि. 16 तारीख 23 मार्च, 1937 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

तत्पश्चात् उक्त संशोधन तारीख 16 फरवरी, 1980 और 10 मई 1988 के भारत के राजपत्र, भाग 1, खंड 3, उपखंड (1) में क्रमशः सा. का. नि. 194 तारीख 1 फरवरी, 1980 और सा. का. नि. 540 तारीख 26 अप्रैल, 1980 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION & TOURISM

New Delhi, the 24th October, 1988

G.S.R. 886.—Whereas certain draft rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, were published at pages 1453-1454 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (1) dated 30-4-1988, with the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation GSR 375 dated 14-4-1988, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 23-05-1988;

And whereas no objection or suggestion have been received from the public on the said draft.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely:—

1. (1) These rules may be called the Aircraft 3rd Amendment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937, in rule 35,

(1) in sub-rule (1),—

(i) in clause (a), for the words "one hundred rupees" the words "two hundred rupees" shall be substituted;

(ii) in clause (b), for the words "five hundred rupees" the words "two hundred rupees" shall be substituted.

(2) in sub-rule (2) for the words "fifteen rupees", the words "fifty rupees" shall be substituted;

(3) in sub-rule (3) for the words "fifty rupees" the words "one hundred rupees" shall be substituted.

[F. No. AV-11012/13/87-A]

NASIB SINGH, Under Secy.

FOOT NOTE

The Principal Rules were published vide Notification No. V-26 dated the March 23, 1987 in the Gazette of India, Part I dated the March 27, 1987.

Subsequently amended by GSR 194 dated February 1, 1980 and corrected by GSR 540 dated April 26, 1980 published in Part II, Section 3, Sub-section (i) in the Gazette of India dated February 16, 1980 and May 10, 1988 respectively.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1988

सा. का. नि. 887.—सिविल प्रक्रिया संहिता, 1903 (1903 का 5) की पहली अनुसूची के अन्वेष XXVII के नियम 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एतद्वारा रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड) में भारत सरकार की दिनांक 21 फरवरी, 1983 के आदेश सं. सा. का. नि. 198 में आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश देती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में मद 2 के बाद निम्नलिखित टिप्पणी प्रतिस्थापित की जाए, अर्थात् :—

“टिप्पणी : जहाँ एक क्षेत्रीय रेलवे के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत एक मंडल का कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड का अधिकारी, जिसे वादग्रस्त और लिखित बयानों पर हस्ताक्षर करने और स्थापित करने की शक्तियाँ प्रदान की गयी हों, किसी कारण से अपने पद पर नहीं है, उस स्थिति में, ऐसी शक्तियों का प्रयोग उस कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के अधिकारी के कार्यों का निर्वहन करने वाले अधिकारी द्वारा किया जाएगा।”

[सं. ई(जी)82/एलएल 2/2]

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 25th October, 1988

G.S.R. 887.—In exercise of the powers conferred by rule 1 of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following order further to amend the order of the Government of India in the Ministry of Railways (Railway Board) No. G.S.R. 198, dated the 21st February, 1983 namely:—

In the Schedule to the said notification, after item 2, the following note shall be inserted, namely :—

“Note:—Where, under the jurisdiction of a zonal railway, the Junior Administrative Grade Officer of a division who has been conferred the powers of signing and verifying plaints and written statements is not in position for any reason, such powers shall be exercisable by the officer discharging the functions of such Junior Administrative Grade Officer.”

[No. E(G)82-LL2/2]

सा. का. नि. 888.—सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की पहली अनुसूची के आदेश XXVII के नियम 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) में भारत सरकार की दिनांक 21 फरवरी, 1983 की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 199 में आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में मद 2 के बाद निम्नलिखित टिप्पणी प्रतिस्थापित की जाए, अर्थात् :—

“टिप्पणी :—जहाँ एक क्षेत्रीय रेलवे के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत एक मंडल का कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड अधिकारी, जिसे भारत सरकार के लिए और उस के ओर से कार्रवाई करने के लिए शक्तियाँ प्रदान की गयी हों, किसी कारण से अपने पद पर नहीं है, उन स्थिति में ऐसी शक्तियों का प्रयोग उस कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के अधिकारी के कार्यों का निर्वहन करने वाले अधिकारी द्वारा किया जाएगा।”

[सं. ई(जी) 82-एलएल 2/2]

टी. के. बालासुब्रामणियन, संयुक्त निदेशक
स्थापना (कल्याण)

G.S.R. 888.—In exercise of the powers conferred by rule 2 of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Railways (Railway Board) No. G.S.R. 199, dated the 21st February, 1983 namely:—

In the Schedule to the said notification, after item 2, the following note shall be inserted, namely :—

“Note:—Where, under the jurisdiction of a zonal railway, the Junior Administrative Grade Officer of a division who has been conferred the powers to act for and on behalf of the Central Government is not in position for any reason, such powers shall be exercisable by the Officer discharging the functions of such Junior Administrative Grade Officer.”

[No. E(G)82-LL2/2]

T. K. BALASUBRAMANIAN, Jt. Director/
Establishment (W)